



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37]
No. 37]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 15, 1979/भाद्रपद 24, 1901
NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1979/BHADRA 24, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1979

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1979

क्र०आ० 3102.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1977 में बिहार में हुए लोक सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिए 50-जमशेदपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शाहाउद्दीन बारी, बरियापुर लंगर टोली, डाकखाना बांकीपुर, पटना (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तत्सूची बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित आने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उनके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यापारिक नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शाहाउद्दीन बारी को मतदान के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-आ०सं०/50/77(11)]

S.O. 3102.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shahauddin Bari, Dariyapur, Langartoli, P.O. Bankipur, Patna, Ward No. 17, Circle No. 18 a contesting candidate for general election to the House of the People in the State of Bihar held in March, 1977 from 50-Jamshedpur constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shahauddin Bari to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/50/77(11)]

आदेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1979

कां०आ० 3103.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार में मार्च 1977 में हुए लोक सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 23-किशनगंज निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गुलाम हैदर अलिया, ग्राम बेरुण हमन, मुहल्ला कदमकप्रा, पटना-3 (बिहार) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गुलाम हैदर अलिया को संसद के किसी भी गृहण के या किसी राज्य की विधान सभा या अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-लो०स०/23/77(14)]

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1979

S.O. 3103.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gulam Haider Aulia, Villag Betul Hasan, Mohalla Kadamkuan, Patna-3 (Bihar) a contesting candidate for general election to the House of the People held in Bihar in March, 1977 from 23-Kishanganj constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Gulam Haider Aulia to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/23/77(14)]

आदेश

कां०आ० 3104.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 95-बसीरहाट सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री तुषार कान्ती घोष, हम्पाना रोड, डाक-बसीरहाट, जिला 24-परगना, पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री तुषार कान्ती घोष को संसद के किसी भी

सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० प०ब०-वि०स०/95/77]

ORDER

S.O. 3104.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Tushar Kan'ti Ghosh, Astana Road, P.O. Basirhat, District 24-Pargana, West Bengal, a contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly from 95-Basirhat assembly constituency, held in June, 1977, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Tushar Kanti Ghosh, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/95/77]

आदेश

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1979

कां०आ० 3105.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 36-कटपाड़ी सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामासामी उर्फ शोमान, 50-विरुधमपट्टु कान्ती द्वितीय ब्लॉक, गांधी नगर, बलनोर-6, उत्तर अर्काट, जिला (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसके सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रयत्न स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रामासामी उर्फ शोमान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० त०ना०-वि०स०/36/77(45)]

ORDER

New Delhi, the 18th July, 1979

S.O. 3105.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramasamy alias Shozhan, 50-Virudhambattu Colony, 2nd Block, Gandhi Nagar, Vellore-6, North Arcot District (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in June, 1977 from 36-Katpadi Assembly constituency, has failed to lodge any account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ramaswamy alias Shozhan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/36/77(45)]

आदेश

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1979

कां०प्रा० 3106.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 209—सगड़ी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री इन्द्रपाल, ग्राम ब पोस्ट बेरमा, जिला आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री इन्द्रपाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/209/77(49)]

ORDER

New Delhi, the 21st August, 1979

S.O. 3106.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Indrapal, village and Post Office Berma, District Azamgarh (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 209-Sagri constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Indrapal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/209/77(49)]

आदेश

कां०प्रा० 3107.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिए 76—कृष्ण नगर पश्चिम निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सचिन्द्र नाथ घोष, ग्राम बेबीपुर, ठाक डोली मौला जिला नाडिया पश्चिमी बंगाल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः : उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सचिन्द्र नाथ घोष को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० प०ब०-वि०स०/76/77]

ORDER

S.O. 3107.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sachindra Nath Ghosh, Village Debipur, Post Office Dolimoula, District Nadia, West Bengal a contesting candidate for general election to the West Bengal Legislative Assembly held in June, 1977, from 76-Krishnagar West constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sachindra Nath Ghosh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WE-LA/76/77]

आदेश

कां०प्रा० 3108.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 144-फतेहपुर (अ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ब्रह्मा प्रसाद, ग्राम सर्वेद, पोस्ट कतुरी कला, जिला बारबंकी (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री ब्रह्मा प्रसाद को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० उ०प्र०-वि०स०/144/77(52)]

ORDER

S.O. 3108.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bramha Prasad, Village Sambarde, Post Katuri-Kalan, District Barabanki (U.P.) a contesting candidate for general election the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 144-Fatehpur (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Bramba Prasad to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/144/77(52)]

आदेश

का०प्रा० 3109.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 142-मसौली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री निहाल रिजवी, 22/32, चिकना महल, कस्बा जैवपुर, जिला बाराबंकी (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री निहाल रिजवी को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०सं०/142/77/(48)]

ORDER

S.O. 3109.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nihal Rizvi, 22/32, Chikna Mahal, Qasba Zaidpur, Barabanki (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 142-Massauli constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nihal Rizvi to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/142/77(48)]

आदेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1979

का०प्रा० 3110.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 110-सतौली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार मुन्नी लाल, खरगापुर, पोस्ट महारानीगंज, जिला राय बरेली (उत्तर प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया

है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मुन्नी लाल को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०सं०/110/77(55)]

ORDER

New Delhi, the 22nd August, 1979

S.O. 3110.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Munni Lal, Khargapur, Post Maharaniganj, Rae-Bareilly (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 110-Staon constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Munni Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP/LA/110/77(55)]

आदेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1979

का०प्रा० 3111.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए पंजाब विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 50-गढ़ी वाला (अ०जा०) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बलदेव सिंह, ग्राम सेदपुर डाटा डाकखाना टाण्डा, जिला होशियारपुर (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्य नहीं है ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण प्रस्तुत नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यायोजित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बलदेव सिंह को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० पंजाब-वि०सं०/50/77]

ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1979

S.O. 3111.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Baldev Singh, Village Seidpur Data, P.O. Tanda, District Hoshiarpur (Punjab), a contesting candidate

for general election to the Punjab Legislative Assembly held in June, 1977 from 50-Garhdiwala (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Baldev Singh to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. PB-LA/50/77]

आदेश

क्र०आ० 3112.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिये 200-कसया निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लक्ष्मी प्रसाद गुप्त, ग्राम मल्लुडीह, डा० करमसी, प्रेमबलिया, जिला देवरिया (उत्तर प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रपवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लक्ष्मी प्रसाद गुप्त को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०सं०/200/77(56)]

ORDER

S.O. 3112.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Laxmi Prasad Gupta, village Malludih, P.O. Karmaini Premwala, District Deoria (Uttar Pradesh), a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 200-Kasia constituency, has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Laxmi Prasad Gupta to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/200/77(56)]

आदेश

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1979

क्र०आ० 3113.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 388-गाजियाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम स्वरूप शर्मा 489-कीर्तन वाली गली, छोटी बजरिया गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रपवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राम स्वरूप शर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-वि०सं०/388/77(58)]

ORDER

New Delhi, the 24th August, 1979

S.O. 3113.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Swaroop Sharma, 489-Kirtan Wali Gali, Choti Bajaria, Ghaziabad, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 388-Ghaziabad constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rule made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Swaroop Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/388/77(58)]

आदेश

क्र०आ० 3114.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 383-घनीरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जगजीत सिंह, ग्राम ब आकखाना मानकपुर गढ़िया, जिला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्दीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्यक सूचना दिये जाने पर भी इस असफलता के लिये कोई कारण प्रपवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री जगजीत सिंह को संसद के किसी भी सदन के

या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ;

[सं० उ०प्र०-वि०सं०/383/77(59)]

ORDER

S.O. 3114.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jagjit Singh, village & Post Manakpur Gadia, District Bulandshahr, Uttar Pradesh Legislative Assembly held in June, 1977 from 383-Augata constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jagjit Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/383/77(59)]

आदेश

क्र०सं० 3115.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए लोक सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 7-मुरादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री लियाकत हुसैन, मकान नं० 18/जी०-15, मोरदाबाद उरपुरा, मुरादाबाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्धन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, सम्पत्ति सूचना दिये जाने पर भी, इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यावर्जित नहीं है ;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री लियाकत हुसैन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

ORDER

S.O. 3115.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Liaquat Hussain, House No. 18/G-15, Urapura, Moradabad a contesting candidate for general election to the House of the People held in 1977 from 7-Moradabad Parliamentary constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

Liaquat Hussain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/7/77(4)]

आदेश

क्र०सं० 3116.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1977 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिये 74-मथुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री श्रीधर गोस्वामी, राधा रमन घेरा, बृन्दावन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्धन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या व्यावर्जित नहीं है ;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री श्रीधर गोस्वामी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ०प्र०-लो०सं०/74/77(3)]

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

ORDER

S.O. 3116.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shreedhar Goswami, Radha Raman Ghera, Brindaban, Mathura a contesting candidate for general election to the House of the People held in 1977 from 74-Mathura constituency, has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shreedhar Goswami to be disqualified for being chosen as, and, for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-HP/74/77(3)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

बिजल मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1979

आय-कर

क्र०सं० 3117.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री तुलजा भवानी मंदिर ट्रस्ट, तुमजापुर" को निर्धारण वर्ष 1972-73 के लिये और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है ।

[सं० 2940(क्र०सं० 197/130/78-क्र०(ए०-1)]

बी० एम० सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th July, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3117.—In exercise of the powers conferred by clause (V) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Tulja Bhavani Mandir Trust, Tuljapur" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1972-73.

[No. 2940 (F. No. 197/130/78-II(AI))]

B. M. SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1979

घाय-कर

कां.प्रा. 3118.—घाय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड 44 के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) द्वारा दिनांक 1 सितम्बर, 1979 को जारी की गयी अधिसूचना सं. 1949 (फा.सं. 404/99/77-आ.क.सं.क.) एतद्वारा रद्द की जाती है।

यह अधिसूचना श्री राम लाल द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्य भार छोड़ने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 2966 (फा.सं. 404/128/79-आ.क.सं.क.)]

एच. वेंकटरामन्, उप-मन्त्रि

New Delhi, the 8th August, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3118.—The Notification issued in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 1949 (F. No. 404/99/77/ICC) dated 1-9-1977 in pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereby cancelled.

This Notification will take effect from the date on which Shri Ram Lal relinquishes charge of Tax Recovery Officer.

[No. 2966 (F. No. 404/128/79-ITCC)]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

प्राथमिक कार्य विभाग

(वैकल्पिक प्रमाण)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1979

कां.प्रा. 3119.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) के खण्ड (ख) की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा औद्योगिक विकास विभाग के अपर प्राथमिक सलाहकार श्री एन.के. दास को श्री पी.सी. नायक के स्थान पर भारतीय औद्योगिक वित्त निगम का निदेशक नामित करती है।

[संख्या एक 2(54)-आई.एफ. 1/79]

जे. एस. तिवाना, प्रवर सचिव

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

(Banking Division)

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O. 3119.—In pursuance of clause (b) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) the Central Government hereby nominates Shri N. K. Das, Additional Economic Adviser, Department of Industrial Development as a Director of the Industrial Finance Corporation of India vice Shri P. C. Nayak

[No. F. 2(54) IF-1/79]

J. S. TIWANA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1979

कां.प्रा. 3120.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा इस विभाग की दिनांक 25 जून, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना का अधीकरण करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा सर्वश्री जी.बी. सारंगी तथा टी.आर. राव को निम्नलिखित अवधि के लिये, बोलांगीर आंचलिक ग्राम्य बैंक, बोलांगीर के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है :

श्री जी.बी. सारंगी—1 जुलाई, 1979 से 11 अगस्त, 1979 तक

श्री टी.आर. राव—12 अगस्त, 1979 से 30 जून, 1982 तक।

[संख्या एक 3-1/79-आ.प्रा.प्रा.बी.0]

दिनेश चन्द्र निदेशक

New Delhi, the 30th August, 1979

S.O. 3120.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) and in supersession of this Department's Notification of even number dated the 25th June, 1979, the Central Government hereby appoints S/Shri G.B. Sarangi and T.R. Rao as the Chairmen of Bolangir Anchalik Gramya Bank Bolangir for the periods mentioned against each:—

Shri G. B. Sarangi—from 1st July, 1979 to 11th August, 1979.

Shri T.R. Rao—from 12th August, 1979 to 30th June, 1982.

[No. F. 3-1/79--RRB]

DINESH CHANDRA, Director

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1979

कां.प्रा. 3121.—सर्वश्री एम.जमाल कम्पनी, 6-9-19, परलवारी स्ट्रीट, विजयनगरम के मलेशिया/सिंगापुर से पालमोलीन का आयात करने के लिए 49,50,000 रुपये के लिए लाइसेंस सं. पी/एफ/2028301, दिनांक 27-1-79 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनसे उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रति खो गई है। लाइसेंसधारी ने आगे यह भी बताया है कि लाइसेंस भारत के किसी भी पत्तन पर पंजीकृत नहीं कराया गया है और वह बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया है।

2. अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक प्रत्येक पत्र साबित किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं. पी/एफ/2028301, दिनांक 27-1-79 की मूल सीमा शुल्क प्रति खो गई है तथा निदेश देता है कि सीमा शुल्क प्रति की एक अनुलिपि प्रति उनको जारी की जाए। सीमा शुल्क प्रति की मूल प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3. लाइसेंस सं. पी/एफ/2028301, दिनांक 27-1-79 की सीमा शुल्क प्रति की एक अनुलिपि प्रति भ्रम से जारी की जाती है।

[सं. ई डी/आयात/अडहॉक/56/78-79/एस.एल.]

सी.एस.0 आर्य, उप-मुख्य निर्यातक

MINISTRY OF COMMERCE CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O. 3121.—M/s. M. Jamal Co., 6-9-79, Perlavari Street, Vizianagram were granted Licence No. P/F/2028301 dated 27-1-1979 for the import of Palmolein from Malaysia/Singapore to the value of Rs. 49,50,000. They have requested for the issue of duplicate Custom Copy of the above licence on

the ground that the original Custom Copy of the above licence has been lost by them. It has been further reported by the licensee that licence has not been registered with any port in India and utilised at all.

2. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Custom Copy of Licence No. P/F/2028301 dated 27-1-1979 has been lost and directs that a duplicate Custom Copy of the said licence should be issued to them. The original Custom Copy of the licence is hereby cancelled.

3. A duplicate Custom Copy of the Licence No. P/F/2028301 dated 27-1-79 is being issued separately.

[No. Ed. Oil/Ad hoc/56/78-79/SL]

C. S. ARYA, Dy. Chief Controller.

आदेश

क्रा० प्रा० 3122.—श्री एच० एस० दुगल, एम-44 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली को मर्सिडीज बेंज 200, 1977 मॉडल कार, चैसिस सं० 123020200-45650 के आयात के लिए 80,000 रुपये का सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं० पी/जे 3057782/एन/एम पी/70/एच/78 दिनांक 6-4-79 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति के लिए आवेदन किया है, क्योंकि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट खो गया है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमा-शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराया गया था और उसका उपयोग नहीं किया गया था।

इस तर्क के समर्थन में श्री एच० एस० दुगल ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। उन्होंने वचन दिया है कि यदि बाद में सीमा-शुल्क निकासी परमिट मिल गया तो वह इस कार्यालय को रिफाई के लिए लौटा दिया जाएगा। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सी०सी०पी० सं० पी/जे/3057782/एन/एम पी/70/एच/78 दिनांक 6-4-78 खो गया है और निवेश देता हूँ कि उन्हें सीमा-शुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि जारी की जाए। मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट रद्द समझा जाए।

[मि० सं० 2(बी-143)/78-79/बी एल एस/93]

ORDER

S.O. 3122.—Mr. H. S. Dugal, M-44, Greater Kailash-I, New Delhi was granted Custom Clearance Permit No P/I/3057782/N/MP/70/H/78 dated 6-4-1979 for Rs. 80,000 for import of a Mercedes Benz 200, 1977 Model car Chassis No. 12302020045650 has applied for a duplicate copy of the Custom Clearance Permit as the original CCP has been lost. It is further stated that the original CCP was not registered with any Custom House and not utilised.

In support of this contention Mr. H. S. Dugal has filed an affidavit. He has undertaken to return the CCP if traced later to this office for record. I am satisfied that the original CCP No. P/I/3057782/N/MP/70/H/78 dt. 6-4-79 has been lost and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to him. The original Custom Clearance Permit may be treated as cancelled.

[F. No. 2(B-143)/78-79/BLS/93]

आदेश

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1979

क्रा० प्रा० 3123.—सर्वश्री ज्योति मोटर स्टोर्स, 19 गणेश चन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता को अप्रैल 77-मार्च 78 की नीति और सलगन सूची के अनुसार लाइसेंस अवधि अप्रैल 77-मार्च 78 के लिए यू०के०-भारत अनुक्षण अनुदान 1977 के अन्तर्गत केवल 37,000 रुपये (सैंतीस हजार रुपये) मूल्य की यू०के० मूल की मशीनरी और उपकरणों के लिए अशेषित अनु-मेय प्रकार के पुर्जों के लिए एक आयात लाइसेंस सं० पी/ई/2811624/आर/एम जी/66/एच/77 दिनांक 18-1-78 प्रदान किया गया था जो जारी करने की तिथि से बारह मास के लिए वैध था और उसको 30-6-79 तक पुनर्वैध किया गया था। अब लाइसेंसधारी ने इस कार्यालय से उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर अनुरोध किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल भी उपयोग में लाए बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। घोषणाशरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/ई/2811624/आर/एम जी/66/एच/77 दिनांक 18-1-78 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति आवेदक द्वारा खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और निवेश देता है कि उन्हें केवल 37,000 रुपये मूल्य राशि के लिए उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जाए। आयात लाइसेंस सं० पी/ई/2811624/आर/एम जी/66/एच/77 दिनांक 18-1-78 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति पतद्द्वारा रद्द की जाती है।

[सं० 47/यके आई एम जी/77-78/जीएलएम/283]

(कु०) पी० श्रीवास्तव, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 30th August, 1979

S.O. 3123.—M/s. Jyoti Motor Stores, 19 Ganesh Chandra Avenue, Calcutta were granted an import licence No. P/E/2811624/R/MG/66/H/77 dated 18-1-78 valid upto twelve months from the date of issue and revalidated upto 30-6-79 for import of Permissible types of spares required for machinery and equipments of U. K. origin as per policy for April 77-March 78 and also as per list attached for the value Rs. 37,000 (Rupees thirty seven thousand) only under U.K.-India Maintenance Grant 1977 for the licensing period April 77-March 78. Now the licensee has requested this office for the issue of duplicate Custom Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost/misplaced without having been registered with any Customs authority and utilised at all.

2. In support of their contention, the applicant has filed an affidavit on Stamped paper. The undersigned is satisfied that the original customs purposes copy of licence No. P/E/2811624/R/MG/66/H/77 dated 18-1-78 has been lost/misplaced by the applicant and directs that duplicate Customs Purposes copy of the said licence for balance Rs. 37,000 only should be issued to them. The original Customs Purposes copy of the import licence No. P/E/2811624/R/MG/66/H/77 dated 18-1-78 is hereby cancelled.

[No. 47/UKIMG/77-78/GLS/283]

MISS. P. SRIVASTAVA, Dy. Chief Controller

आयकर आयुक्त कार्यालय

नागपुर, 16 जून, 1979

(आयकर)

का०आ० 3124:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और ऐसी सभी अन्य शक्तियों, जिनके बारे में उन्हें कार्य करने के लिए सक्षम किया गया है, का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में इससे पूर्व की सभी अधिसूचनाओं का अधिग्रहण करते हुए आयकर आयुक्त, विदर्भ, नागपुर एतद्वारा यह निदेश देते हैं कि अनुवृद्ध अनुसूची के कालम 2 में वर्णित अनुसार निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उन क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग ऐसी आय या आय के वर्गों या ऐसे मामले या मामलों के वर्गों को जो वर्णित अनुसूची के कालम 3 में बताए गए हैं का कार्य निष्पादन करेंगे।

वर्णित कि वे ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या ऐसी आय या आय के वर्गों या ऐसे मामले या मामलों के वर्गों के कार्य भी सम्पन्न करेंगे जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड या आयकर आयुक्त द्वारा उनके अधीन किसी आयकर अधिकारी को सौंपा गया हो या सौंपा जाएगा।

अनुसूची

क्रमांक	पद नाम	क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और/या मामलों या मामलों के वर्गों का कार्याधिकार क्षेत्र
1	2	3
1	निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, अकोला रेंज, अकोला।	1 आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, अकोला 2 आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, अकोला 3 आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, अकोला 4 आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, अकोला 5 कर वसूली अधिकारी, अकोला 6 आयकर अधिकारी, खामगांव

यह अधिसूचना 1 जून, 1979 से प्रभावी होगी।

[फा०सं० स्थापना/विविध/कार्य/निसमाआ/1-41/70]
वी० चिदम्बरम, आयकर आयुक्त

Office of the Commissioner of Income-tax

Nagpur, 16th June, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3124.—In exercise of the powers conferred on him by Sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf and in supersession of all other previous notification on the subject the Commissioner of Income-tax, Vidarbha, Nagpur hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax as specified in column No. 2 of the Schedule annexed hereto shall perform their functions in respect of such areas, or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as is specified in column No. 3 of the Schedule here below :—

Provided that they shall also perform such functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes or the Commissioner of Income-tax to any Income-tax Officers subordinate to them.

SCHEDULE

S. No.	Designation	Jurisdiction in respect of areas, persons or classes of persons, incomes or class of incomes and/or cases or class of cases
1.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Akola Range, Akola.	(1) Income-tax Officer, A-Ward, Akola. (2) Income-tax Officer, B-Ward, Akola. (3) Income-tax Officer, C-Ward, Akola. (4) Income-tax Officer, D-Ward, Akola. (5) Tax Recovery Officer, Akola. (6) Income-tax Officer, Khamgaon.

This Notification shall come into effect from 1st June, 1979.

[F. No. Estt./Misc./J/AC/1-41/70.]

V. CHIDAMBARAM, Commissioner of Income tax.

नागपुर, 27 अप्रैल, 1979

का०आ० 3125.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और ऐसी सभी अन्य शक्तियों, जिनके बारे में उन्हें कार्य करने के लिए सक्षम किया गया है, का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय में इससे पूर्व की सभी अधिसूचनाओं का अधिग्रहण करते हुए आयकर आयुक्त, विदर्भ, नागपुर एतद्वारा यह निदेश देते हैं कि अनुवृद्ध अनुसूची के कालम 2 में वर्णित अनुसार निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उन क्षेत्रों, या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्ग या ऐसी आय या आय के वर्गों या ऐसे मामले या मामलों के वर्गों को जो वर्णित अनुसूची के कालम 3 में बताए गए हैं, का कार्य निष्पादन करेंगे।

वर्णित कि वे ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या ऐसी आय या आय के वर्गों या ऐसे मामले या मामलों के वर्गों के कार्य भी सम्पन्न करेंगे जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड या आयकर आयुक्त द्वारा उनके अधीन किसी आयकर अधिकारी को सौंपा गया हो या सौंपा जाएगा।

अनुसूची

क्रमांक	पदनाम	क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों और/या मामलों या मामलों के वर्गों का कार्याधिकार क्षेत्र
1	2	3
1	निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-1, नागपुर	1 आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, नागपुर। 2 अति० आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, नागपुर। 3 आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, नागपुर। 4 आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, नागपुर। 5 आयकर अधिकारी, एफ-वार्ड, नागपुर। 6 आयकर अधिकारी, आई-वार्ड, नागपुर। 7 अति० आयकर अधिकारी, आई-वार्ड, नागपुर। 8 आयकर अधिकारी, जे-वार्ड, नागपुर। 9 आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्वे सक्षि, नागपुर। 10 आयकर अधिकारी, सेट्टल सक्षि, I नागपुर।

1	2	3
		11. आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सर्किल 4, नागपुर ।
		12. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, गोंदिया ।
		13. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, गोंदिया ।
2. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2, नागपुर ।		1. आयकर अधिकारी, एल-वार्ड, नागपुर
		2. आयकर अधिकारी, एम-वार्ड नागपुर
		3. आयकर अधिकारी, एन-वार्ड, नागपुर
		4. अति० आयकर अधिकारी, पी-वार्ड, नागपुर
		5. आयकर अधिकारी, पी-वार्ड, नागपुर ।
		6. प्रथम आयकर अधिकारी, वेतन मंडल, नागपुर
		7. द्वितीय आयकर अधि० वेतन मंडल, नागपुर ।
		8. आयकर अधि०, सेन्ट्रल सर्किल III, नागपुर
		9. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, चन्द्रपुर ।
		10. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, चन्द्रपुर
		11. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, भमरावती ।
		12. अति० आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, भमरावती ।
		13. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, भमरावती ।
		14. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड भमरावती ।
3. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-3, नागपुर ।		1. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, नागपुर
		2. आयकर अधिकारी, ई-वार्ड नागपुर ।
		3. आयकर अधिकारी, एच-वार्ड नागपुर
		4. अति० आयकर अधि०, एच-वार्ड, नागपुर ।
		5. आयकर अधिकारी, जी-वार्ड, नागपुर
		6. आयकर अधिकारी, के-वार्ड, नागपुर
		7. आयकर अधिकारी, न्यास व सम्पदा शुल्क, सर्किल, नागपुर ।
		8. आयकर अधिकारी, सेन्ट्रल सर्किल II नागपुर ।
		9. आयकर अधिकारी, ए वार्ड, वर्धा ।
		10. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, वर्धा ।
		11. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, यवत-माल ।
		12. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, यवत-माल ।

यह अधिसूचना तारीख 1 मई, 1979 से प्रभावी होगी ।

[फा०सं० स्थापना/विविध/कार्या/निमन्त्राप्र1/141/70]

न० य० नाम्दणे, आयकर आयुक्त

Nagpur, the 27th April, 1979

INCOME-TAX

S.O. 3125.—In exercise of the powers conferred on him by Sub-Section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling him in this behalf

and in supersession of all other previous Notifications on the subject, the Commissioner of Income-tax, Vidarbha Nagpur, hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax as specified in column No. 2 of the Schedule annexed hereto shall perform their functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as is specified in column No. 3 of the Schedule here below :—

Provided that they shall also perform such functions in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes or the Commissioner of Income-tax to any Income-tax subordinate to them.

SCHEDULE

Sl. No.	Designation	Jurisdiction in respect of areas, persons or class of persons, incomes or class of incomes and or cases or class of cases.
1	2	3
1. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Range-I, Nagpur.		(1) Income-tax Officer, A-Ward, Nagpur. (2) Addl. Income-tax Officer, A-Ward, Nagpur. (3) Income-tax Officer, B-Ward, Nagpur. (4) Income-tax Officer, D-Ward, Nagpur. (5) Income-tax officer, F-Ward, Nagpur. (6) Income-tax Officer, I, Ward, Nagpur. (7) Addl. Income-tax Officer, I-Ward, Nagpur. (8) Income-tax Officer, J-Ward, Nagpur. (9) Income-tax Officer, Special Survey, Circle, Nagpur. (10) Income-tax Officer, Central Circle-1 Nagpur. (11) Income-tax Officer, Central Circle-IV, Nagpur (12) Income-tax Officer, A-Ward, Gondia. (13) Income-tax Officer, B-Ward, Gondia.
2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II, Nagpur.		(1) Income-tax Officer, L-Ward, Nagpur. (2) Income-tax Officer, M-Ward, Nagpur. (3) Income-tax Officer, N-Ward, Nagpur. (4) Addl. Income-tax Officer P-Ward, Nagpur. (5) Income-tax Officer, P-Ward, Nagpur. (6) 1st Income-tax Officer, Salary Circle, Nagpur. (7) II Income-tax Officer, Salary Circle, Nagpur.

1	2	3	4	5
		(8) Income-tax Officer, Central Circle-III, Nagpur.	4. विकास अधिकारी (एम जी), बी जी टी डी	सदस्य
		(9) Income-tax Officer, A-Ward, Chandrapur.	5. कार्यपालक निदेशक (खाद्य और पोषण बोर्ड), खाद्य विभाग	सदस्य
		(10) Income-tax Officer, B-Ward, Chandrapur.	6. निदेशक, सी एफ डी और आई, मैसूर	सदस्य
		(11) Income-tax Officer, A-Ward, Amaravati.	7. अध्यक्ष, प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संबंधन परिषद्, नई दिल्ली	सदस्य
		(x2) Addl. Income-tax Officer, A-Ward, Amaravati.	8. अखिल भारतीय खाद्य परिरक्षक संस्था, नई दिल्ली का नामनिर्देशित	सदस्य
		(13) Income-tax Officer, B-Ward, Amaravati.	9. संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय (खाद्य प्रपनियोग निवारण अधिनियम से संबंध)	सदस्य
		(14) Income-tax Officer, C-Ward, Amaravati.	10. प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम	सदस्य
3. Inspecting Assistant Commissioner of Income- tax, Range-III, Nagpur.	(1) Income-tax Officer, C-Ward, Nagpur.	(1) Income-tax Officer, C-Ward, Nagpur.	11. डिब्बा बन्द फन और वनस्पति लघु विनिर्माताओं का एक प्रतिनिधि	सदस्य
	(2) Income-tax Officer, E-Ward, Nagpur.	(2) Income-tax Officer, E-Ward, Nagpur.	12. मूरब्बा और चटर्न लघु विनिर्माताओं का एक प्रति- निधि	सदस्य
	(3) Income-tax Officer, H-Ward, Nagpur.	(3) Income-tax Officer, H-Ward, Nagpur.	13. कृषि पुनर्वित्त और विकास निगम का एक प्रतिनिधि	सदस्य
	(4) Addl. Income-tax Officer, H-Ward, Nagpur.	(4) Addl. Income-tax Officer, H-Ward, Nagpur.	14. श्री पी० आई० डेविड, संयुक्त कार्यपालक, डिब्बा- बन्दी उद्योग, कोचीन लिमिटेड, त्रिचुर	सदस्य
	(5) Income-tax Officer, G-Ward, Nagpur.	(5) Income-tax Officer, G-Ward, Nagpur.	15. श्री अमर इन्द्र सिंह, नेग फन उत्पाद, मोती बाग, पटियाला	सदस्य
	(6) Income-tax Officer, K-Ward, Nagpur.	(6) Income-tax Officer, K-Ward, Nagpur.	16. अध्यक्ष, राज्य कृषि उद्योग निगम राष्ट्रीय संस्था (तत्समय, श्री के० राजन, एम०डी० महाराष्ट्र कृषि उद्योग निगम)	सदस्य
	(7) Income-tax Officer, Trust-Cum-Estate-Duty, Circle, Nagpur.	(7) Income-tax Officer, Trust-Cum-Estate-Duty, Circle, Nagpur.	17. श्री ए०डी० नगपाल, मकान सं० 2669, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़	सदस्य
	(8) Income-tax Officer, Central Circle II, Nagpur.	(8) Income-tax Officer, Central Circle II, Nagpur.	18. श्री बीरेन्द्र प्रताप सिंह, मोहूरनगढ़, जिला बस्ती, उत्तर प्रदेश	सदस्य
	(9) Income-tax Officer, A-Ward, Wardha.	(9) Income-tax Officer, A-Ward, Wardha.	19. संयुक्त सचिव, खाद्य विभाग, खाद्य प्रसंस्करण से बरतने वाला	सदस्य-सचिव
	(10) Income-tax Officer, B-Ward, Wardha.	(10) Income-tax Officer, B-Ward, Wardha.		
	(11) Income-tax Officer, A-Ward, Yavatmal.	(11) Income-tax Officer, A-Ward, Yavatmal.		
	(12) Income-tax Officer, B-Ward, Yavatmal.	(12) Income-tax Officer, B-Ward, Yavatmal.		

[सं० 8(8)/78-सीडीएन (आई०डी०आर०ए०)]

बी० आर० आर० अयंगर, संयुक्त सचिव

This Notification shall come into effect from 1st May, 1977.
[F. No. Estt./Misc./J/IAC/1-41/70.]

N.Y. TAMHANE, Commissioner of Income-tax

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 1st September, 1979.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग,

बाबरा

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

का०आ० 3126.—केन्द्रीय सरकार, विकास परिषद् (प्रक्रिया) नियम, 1952 के नियम 3, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस आदेश को तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिए फन और वनस्पति प्रसंस्करण उद्योग विकास परिषद् का गठन करती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्—

- | | |
|--|---------|
| 1. सचिव, खाद्य विभाग | अध्यक्ष |
| 2. सलाहकार (कृषि) योजना आयोग, नई दिल्ली | सदस्य |
| कृषि उत्पादन आयुक्त, कृषि विभाग, नई दिल्ली | सदस्य |

S.O. 3126.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), read with Rules 3, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby constitutes for a period of two years with effect from the date of this Order, the Development Council for Fruit & Vegetable Processing Industries consisting of the following members, namely :—

- | | |
|---|----------|
| 1. Secretary,
Deptt. of Food,
New Delhi | Chairman |
| 2. Adviser (Agriculture),
Planning Commission,
New Delhi. | Member |

- | | |
|--|----------------------|
| 3. Agricultural Production Commissioner,
Department of Agriculture,
New Delhi. | Member |
| 4. Development Officer (SG),
Directorate General of Technical
Development, New Delhi. | Member |
| 5. Executive Director,
(Food and Nutrition Board),
Department of Food,
New Delhi. | Member |
| 6. Director,
Central Food Technological Research
Institute, Mysore. | Member |
| 7. Chairman
Processed Food Export Promotion
Council, New Delhi. | Member |
| 8. Nominee of the All India Food
Preservers, Association, New Delhi. | Member |
| 9. Joint Secretary,
Ministry of Health (Concerned with
Prevention of Food Adulteration Act),
New Delhi. | Member |
| 10. Managing Director,
National Cooperative Development
Corporation, New Delhi. | Member |
| 11. A representative of Small Scale
Manufacturers of canned fruits and
vegetable. | Member |
| 12. A representative of Small Scale
Manufacturers of Murabba & Chutney. | Member |
| 13. A representative of Agricultural
Refinance & Development Corporation | Member |
| 14. Shri P. I. David,
Joint Executive,
Canning Industry, Cochin Ltd.,
Trichur. | Member |
| 15. Shri Amar Inder Singh,
Teg Fruit Products,
Moti Bagh, Patiala. | Member |
| 16. Chairman,
National Association of State
Agro-Industries Corporations
(Presently Shri K. Rajan, M.D.
Maharashtra Agro-Industries Corpora-
tion). | Member |
| 17. Shri A.D. Nagpal,
House No. 2669, Sector 22-C
Chandigarh. | Member |
| 18. Shri Virendra Pratap Singh,
Shoharatgarh,
District Basti, U.P. | Member |
| 19. Joint Secretary,
Department of Food
(Dealing with Food Processing). | Member-
Secretary |

[No. 8(8)/78-CDN(IDRA)]
B.R.R. IYENGAR, Joint Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय
(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1979

क्रा० 3127.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृ० न० सी० टी० एफ०

एरा कडी से सी० टी० एफ० कलोल तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन तैयार तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये;

और यह, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पावन लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उन्हीं उपयोग का अधिकार अर्जित करने का आता आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ;

बताने कि उक्त भूमि में जिनका कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप रखे अधिकारी, तैयार तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर लेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिगत या या किसी बिधि व्यवसायी को माफ़ी ।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से साऊथ कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
राज्य : गुजरात, जिला : मेहसाणा, तहसील : कलोल

गाँव	ब्लॉक न०	हेक्टेयर	एअर ई पेटीयर
रामनगर	130	0	00 10
	129	0	01 75

[स० 12016/33/79-पो०]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 20th August, 1979

S.O. 3127.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F.S. Kadi to C.T.F. Kalol in Gujarat State, pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals, Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from CTF Kalol to South Kadi

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol		
Village	Block No.	Hec- tare	Are	Centiare
Ramnagar	130	0	00	10
	129	0	01	75
[No. 12016/33/27-Prod.]				

[No. 12016/33/27-Prod.]

कां० प्र० 3128—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृप न० सी०टी० एफ० कडा से शऊथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यह, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों की बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में धर्मा भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने आवश्यक है,

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उन्हे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

वर्तते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए अक्षेप गम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निगम और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर नकेगा।

और ऐसा अक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उक्त भूमिवासी व्यक्ति हो या किसी विधि व्यवस्था की मरफा।

अनुसूची

सी०टी०एफ० कलांग से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए			
राज्य - गुजरात	जिला - मेहसाना	तहसील - कडी	
गांव	कतार न०	हेक्टेयर	ए.अ.ई. सेंटीमीटर
पीज	151	0	02 60
	153	0	07 10
	152	0	05 10
	144	0	02 25
	145	0	11 20
	149	0	17 05
	15	0	05 45
	120	0	00 50
	119	0	05 75
	404	0	05 35
	408	0	02 25
	406	6	01 25
	405/1	0	01 75
	365	0	03 75
	204	0	05 15
	407	0	00 80
	205	0	05 80
	206	0	07 15
	207	0	01 00
	208	0	01 25

1	2	3	4	5
	299	0	00	60
	300	0	00	50
	301	0	02	05
	कांटे ट्रेक	0	00	55
	255	0	00	25
	251	0	04	50
	253	0	06	70
	252	0	02	65
	251	0	03	65
	249	0	00	60
	245	0	08	75
	226	0	04	10
	227	0	02	00
	228	0	03	00
	229	0	00	40
	213	0	03	25
	205	0	12	70
	कांटे ट्रेक	0	00	30
	206	0	00	30
	191	0	00	40
	192	0	02	00
	191	0	07	05

[No. 12016/32/79 प्रा०]

S.O. 3128.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F. Kalol to South Kadi in Gujarat State, pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission,

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009;

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi

State : Gujarat	Distt. Mehsana	Taluk .	Kadi
Village	Block No.	Hec- tare	Are Centiare
Piej	454	0	02 60
	453	0	07 10
	452	0	05 10
	448	0	02 25
	445	0	11 20
	449	0	17 05
	418	0	05 45
	420	0	00 50
	419	0	05 75

1	2	3	4	5	अनुसूची
	404	0	05	35	सी०टी०एफ० कलोल से दक्षिण कड़ी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए
	408	0	02	25	राज्य . गुजरात जिला . मेहसाणा तहसील . कलोल
	406	0	04	25	गांव सर्वे नं० हेक्टेयर ए ई आर सेंटीयर
	405/1	0	01	75	बोरीसना कार्ट ट्रैक 0 00 20
	368	0	03	75	225 0 06 30
	294	0	05	15	233 0 04 45
	Kans	0	00	80	234 0 07 00
	295	0	05	80	235 0 02 50
	296	0	07	15	245 0 02 85
	297	0	01	00	244 0 03 35
	298	0	01	25	243 0 04 95
	299	0	00	60	कार्ट ट्रैक 0 00 35
	300	0	00	50	323 0 03 15
	301	0	02	05	कार्ट ट्रैक 0 00 25
	Cart-track	0	00	55	324 0 00 50
	255	0	00	25	328 0 04 30
	254	0	04	50	329 0 02 00
	253	0	06	70	332 0 06 90
	252	0	02	65	339 0 01 65
	251	0	03	65	340 0 03 35
	249	0	00	60	344 0 12 50
	248	0	08	75	कार्ट ट्रैक 0 00 30
	226	0	04	10	503 0 04 50
	227	0	02	00	505 0 03 50
	228	0	03	00	511 0 05 50
	229	0	00	40	507 0 00 15
	213	0	03	25	515 0 02 50
	205	0	12	70	516 0 03 00
	Cart track	0	00	30	522 0 01 25
	206	0	00	30	523 0 02 20
	194	0	00	40	521 0 00 80
	192	0	02	00	कार्ट ट्रैक 0 00 60
	191	0	07	05	599 0 03 05
					600 0 07 80
					602 0 03 45
					620 0 14 80
					604 0 01 50
					620/पी/रोड 0 01 80
					629 0 04 75
					630 0 01 50
					637 0 00 50
					636 0 01 50
					634 0 02 50
					633 0 02 00
					648 0 03 15
					649 0 01 00
					650 0 01 05
					651 0 00 35
					कार्ट ट्रैक 0 00 40
					682 0 00 30
					684 0 03 30
					685 0 06 75
					736 0 03 25
					740 0 09 50
					741 0 03 30

[No. 12016/32/79-Prod.]

क्रा०क्रा० 3129.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य कूप नं० सी०टी०एफ० कलोल से साऊथ कड़ी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपबन्ध अनुसूची में वर्णित भूमि का उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितवन्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा बाधक करने वाला हर व्यक्ति निर्निवृत्त। यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी निधि व्यवसायी की मार्फत।

1	2	3	4	5
	कार्ट ट्रैक	0	00	20
	742	0	01	60
	743	0	05	00
	759	0	01	40
	कार्ट ट्रैक	0	00	35
	758	0	03	40
	757	0	08	85
	767	0	02	00
	768	0	04	30
	766	0	02	75
	771	0	04	75

[सं० 12016/34/79-प्रो०]

S.O. 3129.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F. Kalol to South Kadi in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi

State: Gujarat Distt : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hect-tare	Aer	Centiare
Borisana	Cart track	0	00	20
	225	0	06	30
	233	0	04	45
	234	0	07	00
	235	0	02	50
	245	0	02	85
	244	0	03	35
	243	0	04	95
	Cart track	0	00	35
	323	0	03	15
	Cart track	0	00	25
	324	0	00	50
	328	0	04	30
	329	0	02	00
	332	0	06	90
	339	0	01	65
	340	0	03	35
	344	0	12	50
	Cart track	0	00	30
	503	0	04	50
	505	0	03	50
	511	0	05	50
	507	0	00	15
	515	0	02	50

1	2	3	4	5
	516	0	03	00
	522	0	01	25
	523	0	02	20
	521	0	00	80
	Cart track	0	00	50
	599	0	03	05
	600	0	07	80
	602	0	03	45
	620	0	14	90
	604	0	01	50
	620/P/ Road	0	01	80
	629	0	04	75
	630	0	01	50
	637	0	00	50
	636	0	01	50
	634	0	02	50
	633	0	02	00
	648	0	03	15
	649	0	01	00
	650	0	01	05
	651	0	00	35
	Cart track	0	00	40
	682	0	00	30
	664	0	03	30
	665	0	06	75
	736	0	03	25
	740	0	09	50
	741	0	03	30
	Cart track	0	00	20
	742	0	01	60
	743	0	05	00
	759	0	01	40
	Cart track	0	00	35
	758	0	03	40
	757	0	08	85
	767	0	02	00
	768	0	04	30
	766	0	02	75
	771	0	04	75

[No. 12016/34/79-Prod.]

का० प्रा० 3130—यस: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप सं० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यस: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा वक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बर्णन कि उक्त भूमि से हिनबख कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम अधिकारी, तैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुतबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य . गुजरात	जिला . मेहसाना	तहसील . कडी
गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर ए आर ई सेंटीयर
अनखोल	15	0 02 00
	16	0 05 75
	18	0 02 65
	कान्स	0 01 30
	24	0 00 70
	23	0 07 00

[संख्या 12016/37/79-प्रो०]

S.O. 3130.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F. Kalol to South Kadi in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962); the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi

State : Gujarat	Dist	Mahsana:	Taluka:	Kadi
Village	Survey No.	Hect.	Are	Centi-are
Ankhol	15	0	02	00
	16	0	05	75
	18	0	02	65
	Kans	0	01	30
	24	0	00	70
	23	0	07	00

[No. 12016/37/79-Prod.]

का०अ० 3131—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप न० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाचक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की

धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणख एतद्वाचक घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में द्विगुण कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुतबाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला . मेहसाना	तहसील : कडी
गांव	सर्वे न०	हेक्टेयर ए आर ई सेंटीयर
लुनासन	257	0 04 00
	258	0 06 00
	260	0 04 35
	269	0 01 65
	268	0 06 10
	267	0 00 60
	263	0 07 35
	307	0 03 75
	264	0 01 05
	308	0 00 95
	306	0 06 10
	304	0 03 25
	302	0 03 00
	301	0 02 50
	317	0 01 55
	318/2	0 02 60
	318	0 03 90
	काटे ट्रैक	0 00 30
	350	0 07 80
	काटे ट्रैक	0 00 35
	431/1	0 04 35
	431/2	0 02 30
	450/2	0 03 85
	449	0 04 70
	काटे ट्रैक	0 00 40
	447/1	0 01 00
	446	0 04 00
	445	0 02 15
	444/1	0 02 40
	काटे ट्रैक	0 00 60
	462	0 02 90
	461	0 01 75
	471	0 05 55
	472	0 08 10
	473	0 00 15

[सं० 12016/38/79-प्रो०]

S.O. 3131.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F. Kalol to South Kadi in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi

State: Gujrat Dist: Mehsana Taluka: Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Lunasan	257	0	04	00
	258	0	06	00
	260	0	04	35
	269	0	01	65
	268	0	06	10
	267	0	00	60
	263	0	07	35
	307	0	03	75
	264	0	01	05
	308	0	00	95
	306	0	06	10
	304	0	03	25
	302	0	03	00
	301	0	02	50
	317	0	01	55
	318/2	0	02	60
	318	0	03	90
	Cart-back	0	00	30
	350	0	07	80
	Cart-back	0	00	35
	431/1	0	04	35
	431/2	0	02	30
	450/2	0	03	85
	449	0	04	70
	Cart-back	0	00	40
	447/1	0	01	00
	446	0	04	00
	445	0	02	15
	444/1	0	02	40
	Cart-back	0	00	60
	462	0	02	90
	461	0	01	75
	471	0	05	55
	472	0	08	10
	473	0	00	15

का० भा० 3132.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एक्टवपाब्द अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तहसील : कडी

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एं आर ई सेंटेडियर
करन तगर	212	0 02 60
	211	0 00 55
	213	0 01 15
	207/4	0 09 50
	207/3	0 04 30
	207/2	0 04 25
	207/1	0 03 50
	235	0 04 00
	236	0 04 40
	237	0 03 65
	264	0 00 25
	265	0 01 85
रेलवे	0	01 50
201	0	02 90
रोड	0	01 20
191	0	03 50
193/1	0	10 15
195	0	04 00
197/1	0	02 50
फाई टैंक	0	00 40
176	0	04 30
175	0	02 60
174	0	00 90
171	0	08 75
170	0	03 75
168	0	00 95
157	0	03 00
158	0	03 05
159	0	02 70
160/1	0	02 10
164/2	0	00 15
162	0	06 45

S.O. 3132.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F. Kalol to South Kadi in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying if the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi

State:	Gujrat	Dist:	Mehsana	Taluka:	Kadi
Village	Survey No.	Hect	Are	Centi-are	
Karan Nagar	212	0	02	60	
	211	0	00	55	
	213	0	01	15	
	207/4	0	09	50	
	207/3	0	04	30	
	207/2	0	04	25	
	207/1	0	03	50	
	235	0	04	00	
	236	0	04	40	
	237	0	03	65	
	264	0	00	25	
	265	0	01	85	
	Railway	0	01	50	
	201	0	02	90	
	Road	0	01	20	
	191	0	03	50	
	193/1	0	10	15	
	095	0	04	00	
	197/1	0	02	50	
	Car-back	0	00	40	
	176	0	04	30	
	175	0	02	60	
	174	0	00	90	
	171	0	08	75	
	170	0	03	75	
	168	0	00	95	
	157	0	03	00	
	158	0	03	05	
	159	0	02	70	
	160/1	0	02	10	
	164/2	0	00	15	
	162	0	06	45	

[No. 12016/38/79-Prod. II]

कां० प्र० 3133.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कृष्ण सं० एन० के० सी० डी० से एन० के० बी० बाय से एन० के० सी० ए० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एन० डब्ल्यू० एन० सी० में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अध पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सर्वोच्च अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, मिमणि और देवप्रभात प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

एन० के० सी० डी० से एन० के० बी० बाय बाय एन० के० सी० ओ०

राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका : विरमगाम		
गांव	सर्वे सं०	हेक्टेयर	ए	घर ई सेण्टीयर
तेलावी	1/2	0	18	12
	1/1	0	02	64
	249	0	19	20
	246/3	0	05	40
	246/4	0	12	50
	240/1	0	02	75
	241	0	20	90
	242	0	08	50
	243	0	07	00
	236/28	0	02	50
	236/29	0	02	64
	236/31	0	02	16
	236/30	0	02	50
	236/32	0	08	64

[सं० 12016/39/79-प्र०]

S.O. 3133.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKCD to NKBY Via NKCA in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying if the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009 ;

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

NKCD to NKBY Via NKCA

State : Gujarat	Dist : Ahmedabad	Tal. Varamgam		
Village	Survey No.	Hect.	Are	Centi-are
Telavi	1/2	0	18	12
	1/1	0	02	64
	249	0	19	20
	246/3	0	05	40
	246/4	0	12	50
	240/1	0	02	75
	241	0	20	90
	242	0	08	50
	243	0	07	00
	236/28	0	02	50
	236/29	0	02	64
	236/31	0	02	16
	236/30	0	02	50
	236/32	0	08	64

[No. 12016/39/79-Prod.]

कां० 3134—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विछाई जानी चाहिए;

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिठाने के प्रयोजन के लिये एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अथ पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ;

अतः कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेखवाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए
राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तहसील : कडी

गाव	सर्वे नं०	हेक्टेयर ए अरर ई	सेन्टीयर	
1	2	3		
कुम्हारान	434	0	03	75
	435	0	01	70
	431	0	06	45
	438/1	0	05	25
	446	0	04	80
	459	0	02	20
	460	0	04	05
	456	0	02	00
	455	0	01	70
	451/1	0	02	15

1	2	3	
	453	0	02 70
	452	0	02 00
	कार्ट ट्रैक	0	00 35
	544	0	00 60
	545/1	0	01 50
	545/2	0	02 00
	555	0	01 90
	556	0	01 30
	554	0	02 25
	552/2	0	02 00
	549	0	00 10
	552/1	0	00 85
	550	0	05 00
	592/1	0	00 50
	केन्स	0	01 00
	591/3	0	03 25
	776/1+2	0	02 60
	645/1	0	03 00
	646/1	0	00 20
	776/1	0	02 00
	775	0	02 00
	कार्ट ट्रैक	0	00 85
	777	0	04 85
	778/1	0	01 60
	778/2	0	01 50
	780	0	16 50
	781	0	02 25
	787	0	09 00
	790	0	09 30
	794	0	03 75
	793	0	05 60
	1/बी	0	01 55
	रोड	0	01 75

[सं० 12016/42/79—प्रो० II]

S.O. 3134.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from C.T.F. Kalol to South Kadi in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil and Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009 ;

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Rou for CTF Kalol to South Kadi

State : Gujarat

Dist. : Mehsana

Taluka : Kadi.

Village	Survey No.	Hect.	Are	Centi-are
Kundal	434	0	03	75
	435	0	01	70
	431	0	06	45
	438/1	0	05	25
	446	0	04	80
	459	0	02	20
	460	0	04	05
	456	0	02	00
	455	0	01	70
	454/1	0	02	15
	453	0	02	70
	452	0	02	00
	Cart-track	0	00	35
	544	0	00	60
	445/1	0	01	50
	545/2	0	02	00
	555	0	01	90
	556	0	01	30
	554	0	02	25
	552/2	0	02	00
	549	0	00	10
	552/1	0	00	85
	550	0	05	00
	592/1	0	00	50
	Kans	0	01	00
	591/3	0	03	25
	776/1+2	0	02	60
	645/1	0	03	00
	646/1	0	00	20
	776/1	0	02	00
	775	0	02	00
	Cart-track	0	00	85
	777	0	04	85
	778/1	0	01	60
	778/2	0	01	50
	780	0	16	50
	781	0	02	25
	787	0	09	00
	790	0	09	30
	794	0	03	75
	793	0	05	60
	1/B	0	01	55
	Road	0	01	75

[No. 12016/42/79-Prod-II]

क्रा०क्रा० 3135.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लक्ष्मियों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विश्व व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना	तहसील : क डी
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर एंभार ई सेन्टीयर
अचरासन	61/4	0 02 50
	61/3	0 02 60
	61/2	0 02 80
	61/1	0 01 40
	60	0 02 00
	59	0 06 75
	58	0 05 00
	काटे ट्रैक	0 00 35
	57	0 07 70
	54	0 01 10
	56	0 00 65
	55	0 04 25
	45	0 06 50
	46	0 05 60
	43/1	0 05 50
	42	0 08 85
	40/2	0 00 30
	40/1	0 03 00
	40/3	0 02 50
	39/3	0 00 40
	39/2	0 02 40
	39/1	0 00 80
	रोड	0 00 75
	334/1	0 01 15
	242	0 10 15
	245	0 00 80
	246/5	0 00 55
	246/4	0 01 30
	246/3	0 01 25
	246/2	0 01 25
	246/1	0 00 70
	308	0 09 10
	304	0 05 90
	300	0 07 65
	298	0 05 05

[सं० 12016/42/79—प्रो० I]

S.O. 3135.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from CTF Kalol to South Kadi in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi.

State	Gujarat	Dist.	Mehsana Taluka	Kadi
Village	Survey No.	Hect	Are	Centi-arc
Achrasan	61/4	0	02	50
	61/3	0	02	60
	61/2	0	02	80
	61/1	0	01	40
	60	0	02	00
	59	0	06	75
	58	0	05	00
	Cart-back	0	00	35
	57	0	07	70
	54	0	01	10
	56	0	00	65
	55	0	04	25
	45	0	06	50
	46	0	05	60
	43/1	0	05	50
	42	0	08	85
	40/2	0	00	30
	40/1	0	03	00
	40/3	0	02	50
	39/3	0	00	40
	39/2	0	02	40
	39/1	0	00	80
	Road	0	00	75
	334/1	0	01	15
	242	0	00	75
	245	0	00	80
	245/5	0	00	55
	246/4	0	01	30
	246/3	0	01	25
	246/2	0	01	25
	246/1	0	00	70
	303	0	09	10
	304	0	05	90
	300	0	07	65
	298	0	05	05

[No. 12016/42/79-Prod-I]

क्र० प्रा० 3136.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप. सं० सी० टी० एक कलोव से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद् उपाध्द अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित. यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

सी० टी० एक० कलोव से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए :

राज्य : गुजरात जिला मेहसाना तहसील : कडी

गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर एम्यारर्स	सेन्टीयर
कडी	222	0	04
	काटे ट्रैक	0	01
	213	0	05
	203	0	08
	204/1 + 2	0	00
	202	0	03
	काटे ट्रैक	0	00
	6/1	0	00
	6/5	0	03
	6/4	0	01
	7	0	04
	काटे ट्रैक	0	00
	17/7	0	09
	17/8	0	06
	2095	0	02
	2091	0	05
	2093	0	09
	1980	0	04
	1978	0	04
	1976	0	03
	काटे ट्रैक	0	00
	1957	0	03
	1955	0	00
	1954	0	05
	1953	0	07
	काटे ट्रैक	0	01

[स० 12016/40/79-प्रो०-1]

S.O. 3136.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from CTF Kalol to South Kadi in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

CTF Kalol to South Kadi

State	Gujarat	Dist. Mehsana	Taluka	Kadi
Village	Survey No.	Hect. Arc	Centi-are	
Kadi	222	0 04	30	
	Cart-truck	0 01	15	
	213	0 05	25	
	203	0 08	40	
	204/1+2	0 00	25	
	202	0 03	40	
	Cart-truck	0 00	40	
	6/1	0 00	60	
	6/5	0 03	75	
	6/4	0 01	05	
	7	0 04	75	
	Cart back	0 00	50	
	17/7	0 09	45	
	17/8	0 06	25	
	2095	0 02	00	
	2091	0 05	65	
	2093	0 09	15	
	1980	0 04	45	
	1978	0 04	00	
	1976	0 03	10	
	Cart-track	0 00	35	
	1957	0 03	00	
	1955	0 00	90	
	1954	0 05	20	
	1953	0 07	70	
	Cart Truck	0 01	40	

[No. 12016/40/79-Prod.-I]

का० आ० 3137.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोक हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अन. ग्रस पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा

3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बगलें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तहसील : कडी

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एभरार्ड	सेन्टीयर
बुडासन	काटे ट्रैक	0	00	20
	206	0	08	00
	207	0	03	50
	208	0	05	00
	209/1	0	02	70
	209/2	0	02	20
	211	0	06	40
	214	0	02	80
	213/1+2	0	01	05
	काटे ट्रैक	0	01	25
	56/1	0	01	75
	56/2	0	01	75
	44	0	12	60
	31/1	0	02	00
	29	0	01	60
	30	0	03	00
	27/2	0	02	85
	27/1	0	02	00
	काटे ट्रैक	0	00	50
	8	0	02	25
	7	0	03	00
	6	0	07	90
	1	0	04	50
	काटे ट्रैक	0	00	20
	420	0	03	00
	419	0	05	00
	418	0	07	25
	417	0	04	00
	408	0	17	00
	407	0	02	10
	373	0	04	00
	398	0	00	25
	375	0	04	15
	376	0	04	50
	372	0	17	85

[सं० 12016/40/79-प्रो०-II]

S.O. 3137.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from CTF Kalol to South Kadi in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE
CTF Kalol to South Kadi

State — Gujarat	Dist.—Mehsana	Taluka—Kadi			
Village	Survey No	Hect.	Are	Centiare	
Budasan	Cart track	0	00	20	
	206	0	06	00	
	207	0	03	50	
	208	0	05	00	
	209/1	0	02	70	
	209/2	0	02	20	
	211	0	06	40	
	214	0	02	80	
	213/1+2	0	01	05	
	Cart track	0	01	25	
	56/1	0	01	75	
	56/2	0	01	75	
	44	0	12	60	
	31/1	0	02	00	
	29	0	01	60	
	30	0	03	00	
	27/2	0	02	85	
	27/1	0	02	00	
	Cart track	0	00	50	
	8	0	02	25	
	7	0	03	00	
	6	0	07	90	
	1	0	04	50	
	Cart track	0	00	20	
	420	0	03	00	
	419	0	05	00	
	418	0	07	25	
	417	0	04	00	
	408	0	17	00	
	407	0	02	10	
	373	0	04	00	
	398	0	00	25	
	375	0	04	15	
	376	0	04	50	
	372	0	17	85	

[No. 12016/40/79 Prod. II]

का० प्रा० 3138.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में रूप नं० सी० टी० एफ० कलोल से साउथ कडी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोर्ग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्विषयक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बर्णन कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोर्ग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

सी० टी० एफ० कलोल से दक्षिण कडी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तहसील : कलोल

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एम्पारई सेन्टीयर	
1	2	3	4	5
सईज	993	0	06	30
	कार्ट ट्रैक	0	00	40
	1182	0	02	75
	1185/1 जी	0	01	10
	1185/2	0	01	50
	1187/1	0	01	15
	1187/2	0	01	05
	1187/3	0	01	25
	1188/2	0	02	65
	1189/1	0	00	75
	1189/3	0	00	80
	1190/2	0	01	05
	1190/1	0	00	20
	1191/2	0	00	25
	1191/1	0	01	25
	1192/1	0	01	50
	1171/4	0	01	60
	1171/2	0	01	40
	1171/1	0	01	50
	1162	0	00	50
	1169/2	0	01	65
	1168/2	0	02	25
	1165	0	04	70
		0	00	15
	1234/6	0	01	25
	1233	0	00	15
	1234/3	0	01	30
	1234/5	0	01	00
	1152/1	0	01	15
	1235/2	0	03	75
	1235/1	0	01	50

1	2	3	4	5
	कार्टट्रैक	0	00	20
	1236	0	04	40
	1237/1 ¹¹	0	00	50
	1239	0	03	75
	1240	0	00	25
	कार्टट्रैक	0	00	45
	1425/1	0	03	00
	1403/1	0	04	00
	1403/3	0	05	80
	1401/1	0	01	20
	1404	0	00	20
	रोड	0	00	60
	1405/1	0	03	45
	1405/2	0	02	00
	1399/1	0	00	30
	1406/1	0	01	20
	1397	0	05	25
	1396	0	06	15
	1395/1	0	01	50
	1394	0	01	15
	1393	0	01	15
	1382	0	01	70
	1381/2	0	01	10
	1380	0	00	90
	1379	0	00	85
	1378	0	01	25
	1377	0	04	50
	1376	0	05	50
	कार्टट्रैक	0	00	20

[सं० 12016/36/79-प्रो०]

S.O. 3138.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from CTF Kalol to South Kadi in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Rou for CTF Kalol to South Kadi

State—Gujarat	Dist.—Mehsana	Takula—Kalol		
Village	Survey no.	Hect.	Are.	Centiare
1	2	3	4	5
	993	0	06	30
Saij	Cart track	0	00	40
	1182	0	02	75

1	2	3	4	5
	1185/1/D	0	01	10
	1185/2	0	01	50
	1187/1	0	01	15
	1187/2	0	01	05
	1187/3	0	01	25
	1188/2	0	02	65
	1189/1	0	00	75
	1189/3	0	00	80
	1190/2	0	01	05
	1190/1	0	00	20
	1191/2	0	00	25
	1191/1	0	01	25
	1192/1	0	01	50
	1171/4	0	01	60
	1171/2	0	01	40
	1171/1	0	01	50
	1162	0	00	50
	1169/2	0	01	65
	1168/2	0	02	25
	1165	0	04	70
	Cart track	0	00	15
	1234/6	0	01	25
	1233	0	00	15
	1234/3	0	01	30
	1234/5	0	01	00
	1152/1	0	01	15
	1235/2	0	03	75
	1235/1	0	01	50
	Cart track	0	00	20
	1236	0	04	40
	1237/1	0	00	50
	1239	0	03	75
	1240	0	00	25
	Cart-track	0	00	45
	1425/1	0	03	00
	1403/1	0	04	00
	1403/3	0	05	80
	1401/1	0	01	20
	1404	0	00	20
	Road	0	00	60
	1405/1	0	03	45
	1405/2	0	02	00
	1399/1	0	00	30
	1406/1	0	01	20
	1397	0	05	25
	1396	0	06	15
	1395/1	0	01	50
	1394	0	01	15
	1393	0	01	15
	1382	0	01	70
	1381/2	0	01	10
	1380	0	00	90
	1397	0	00	85
	1378	0	01	25
	1377	0	04	50
	1376	0	05	50
	Cart-track	0	00	20

[No. 12016/36/79-Prod.]

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1979

क्र० प्र० 3139:—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार धर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और खनिज मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की

अधिसूचना का० प्रा० सं० 606 तारीख 30-1-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० बालनेर-1 से भोटवान-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात, जिला : वरुच	तालुका	हासोट		
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एग्रार्ई	सेन्टीयर
बालनेर	40	0	07	28
	569	0	13	35
	570	0	10	40
	571	0	03	25
	572	0	03	64
	573	0	01	30
	563	0	08	45
	562	0	07	80

[संख्या 12016/6/79-प्र०]

New Delhi, the 23rd August, 1979

S.O. 3139.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 606 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the

556 GI/79-4

Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Row for laying Gas pipeline from well No. Walner-1 to Motwan-1.

State : Gujarat District : Broach Taluka : Hansot

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Walner	40	0	07	28
	569	0	13	35
	570	0	10	40
	571	0	03	25
	572	0	03	64
	573	0	01	30
	563	0	08	45
	562	0	07	80

[No. 12016/6/79-Prod.]

का० प्रा० 3140.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० सं० 608 तारीख 30-1-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

के-182 से के-85 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात, जिला : मेहसाणा, तालुका : कलोन

गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	एग्रार्ई	सेन्टीयर
धमासना	630	0	12	05
	629	0	05	18
	631	0	04	50
	632	0	20	70
	668	0	07	20
	658	0	04	50
	686	0	01	65

[संख्या 12016/7/79-प्र०-II]

S.O. 3140.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 608 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from K—182 to K—85

State : Gujarat District: Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Dhamasana	630	0	12	05
	629	0	05	18
	631	0	04	50
	632	0	20	70
	668	0	07	20
	658	0	04	50
	666	0	01	65

[No. 12016/7/79—Prod.-II]

का० प्रा० 3141.—सं० यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 966 तारीख 28-2-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में

उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संघर्षों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

कूप नं० बालनेर-1 से मोटवान-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये ।

राज्य : गुजरात, तालुका : हांसोट, जिला : मरुभ

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एम्प्राई	सेग्टीअर
रोहिव	138/बी	0	03	64
	106	0	22	10
	107	0	11	05
	108	0	11	70
	114	0	08	45
	113	0	04	55
	110	0	01	30
	111	0	16	25
	47	0	02	60
	48	0	12	35
	55	0	09	36
	26/ए एन्ड बी	0	07	25
	557	0	08	45
	60	0	12	38
	59	0	03	90
	58/ए एन्ड बी	0	03	90
	62	0	12	50
	548	0	09	10
	547	0	11	05
	546/ए	0	05	95
	546/बी	0	09	75
	544	0	09	10
	530	0	08	45
	529	0	11	31
	528	0	10	79
	516	0	13	65
	520	0	14	95
	521	0	13	00
	497	0	10	01
	496	0	11	05
	495	0	04	94
	494	0	07	15
	493	0	08	71

[संख्या 12016/10/79-प्र०]

S.O. 3141.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 966 dated 28-2-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of R.O.U. for well no Walner-1 to Motwan-1
State : Gujarat Taluka-Hansat Distt : Broach

Village	Survey No.	Hect	Are	Centiare
1	2	3	4	5
Rohid	138/P	0	03	64
	106	0	22	10
	107	0	11	05
	108	0	11	70
	114	0	08	45
	113	0	04	55
	110	0	01	30
	111	0	16	25
	47	0	02	60
	48	0	12	35
	55	0	09	36
	26/A & B	0	07	25
	557	0	08	45
	60	0	12	38
	59	0	03	90
	58 A & B	0	03	90
	62	0	12	50
	548	0	09	10
	547	0	11	05
	546/A	0	05	95
	546/B	0	09	75
	544	0	09	10
	530	0	08	45
	529	0	11	31
	528	0	10	79
	516	0	13	65
	520	0	14	95
	521	0	13	00
	497	0	10	01
	496	0	11	05
	495	0	04	94
	494	0	07	15
	493	0	08	71

[No. 12016/10/79-Prod.]

क्र० प्रा० 3142.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्र० प्रा० सं० 607 तारीख 30-1-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम अधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्टों से दो है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निवेदित देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तब और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० 78 से जी० जी० एस० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।
राज्य : गुजरात, जिला : महेमाना, तालुका : कलोल

गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	एप्रैरई	सेन्टीयर
धमासना	910/1	0	08	32
	910/2	0	08	93
		0	00	91
	896	0	07	33
	897/2	0	03	12
	895/1/2	0	09	98
	894	0	00	65

[संख्या 12016/7/79-प्रो०-I]

S.O. 3142.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 607 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Well No. 78 to GGS IV

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Dhamasana	910/1	0	08	32
	910/2	0	08	93
	Cart track	0	00	91
	896	0	07	33
	897/2	0	03	12
	895/1/2	0	09	98
	894	0	00	65

[No. 12016/7/79-Prod-I]

का० धा० 3143.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० धा० सं० 605 तारीख 30-1-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० वालनेर 1 से भोटबान-1 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात	जिला—भरुच	तालुका—हंसोत		
गांव	ब्लॉक नं०	हेक्टेयर	एमारई	सेण्टीमर
कलम	81	0	05	85
	82	0	06	85
	83	0	14	30
	28	0	03	90

[सं० 12016/5/79-प्रो०]

S.O. 3143.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 605 dated 30-1-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

ROU for Laying Gas pipeline from well No. Walner-1 to Motwan-1.

State : Gujarat District : Broach Taluka : Hansot

Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Kalam	81	0	05	85
	82	0	06	85
	83	0	14	30
	28	0	03	90

[No. 12016/5/79-Prod].

नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1979

का० धा० 3144.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० धा० सं० 1173 तारीख 20-3-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने का प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का

अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एन० के० बी० दाई से डब्लू० एच० आई० कबी-25

राज्य—गुजरात	जिला—अहमदाबाद	तालुका—विरमगाम			
गांव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	ए	आरई	सेन्टीयर
सेलाबी	236/32/पी	0	04	56	
	236/19/पी	0	14	76	
	236/33/पी	0	06	96	
ट्रैक		0	03	00	
	226/57	0	11	16	

[सं० 12016/20/79-प्रो०]

New Delhi, the 24th August, 1979

S.O. 3144.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1173 dated 20-3-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Well no NKBY to WHI Kadi-25

State : Gujarat	Distt : Ahmedabad	Taluka : Viramgam			
Village	Survey No.	Hect.	Arc	Centiare	
Telari	236/32/P	0	04	56	
	236/19/P	0	14	76	
	236/33/P	0	06	96	
	Track	0	03	00	
	226/56	0	11	16	

[No. 12016/20/79-Prod.]

क्र० अ० 3145.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्र० अ० सं० 2607 तारीख 16-8-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एन० के० ए० आर० से एन० के० ए० यू० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका : विरमगाम			
गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	ए	आरई	सेन्टीयर
बालमासन	366/3	0	01	68	
	367	0	06	96	
कार्टट्रेक		0	00	72	
	369/2	0	16	56	
	334/4	0	14	40	
	334/1	0	02	28	
	334/3	0	09	84	
कार्टट्रेक		0	00	84	
	336	0	11	44	
	337/2	0	08	04	
	337/1	0	04	80	

[सं० 12016/6/78-प्रो०]

S.O. 3145.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 2607 dated 16-8-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the

Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Well No. NKAR to NKAU

State : Gujarat Dist. : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hect.	Are	Centiare
Balsasan	366/3	0	01	68
	367	0	06	96
	Cart rack	0	00	72
	369/2	0	16	56
	334/4	0	14	40
	334/1	0	02	28
	334/3	0	09	84
	Cart track	0	00	84
	336	0	11	44
	337/2	0	08	04
	337/1	0	04	80

[No. 12016/6/78-Prod.]

का० प्रा० 3146 —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सलाया पोर्ट से उत्तर प्रदेश में मथुरा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन इण्डियन आयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

यहाँ कि उक्त भूमि में हितवादी कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, सलाया-मथुरा पाईप लाइन प्रोजेक्ट, बी-18, शिव-मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-6 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत: हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तहसील : जयपुर	जिला : पाली	राज्य : राजस्थान
ग्राम	खसरा नं०	क्षेत्रफल
		हेक्टर ऐयर वर्गमीटर
सवाचा	217	0 06 37

[सं० 12020/14/79-प्रो०]

S.O. 3146.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Salaya Port in Gujarat to Mathura in Uttar Pradesh pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Salaya-Koyali-Mathura Pipeline Project, B-18, Shiv Marg, Bani Park, Jaipur-6.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Raipur	District : Pali	State : Rajasthan
Village	Khasra No.	Area
		H. A. Sq.M
Lawacha	217	0 06 37

[No. 12020/14/79-Prod.]

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1979

का० प्रा० 3147.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रमायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 1174 तारीख 20-3-79 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं०	एन०	के०	ए०	डब्लू से एन०	के०	ए०	यु० से कडी-25
राज्य : गुजरात	जिला : अहमदाबाद	तालुका : विरमगाम					
गाँव	सर्वेक्षण नं०	हेक्टेयर	एयर	सेन्टीयर			
सूजपुरा	87/2	0	09	90			
	82/1	0	18	12			
	81	0	27	72			
	77	0	08	28			
तेलावी	236/44	0	10	54			
	236/39	0	05	25			
बालसासन	398	0	26	88			

[सं० 12016/21/79-प्रो०]

एस० एम० नादेम, अवर सचिव

New Delhi, the 27th August, 1979

S.O. 3147.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 1124 dated 20-3-79 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

R.O.U. for Well No NKAU to NKAU to Kadi—25

State—Gujarat Distt—Ahmedabad Taluka—Viramgam

Village	Survey No.	Hect	Arc	Centi-are
Suj Pura	87/2	0	09	90
	82/1	0	18	12
	81	0	27	72
	77	0	08	28
Telavi	236/44	0	10	54
	236/39	0	05	25
Balsasan	398	0	26	88

[No. 12016/21/79-Prod.]

S.M.Y. NADEEM, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1979

का० आ० 3148.—श्रीषधि और प्रसाधन मामंत्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 33-ग की उप-धारा (1), (2),

(3) और (7) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतंत्र स्वस्थ और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 27 अगस्त, 1975 की अधिसूचना संख्या एस 19012/2/75-ए० पी० सी० का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 अगस्त, 1979 से निम्नलिखित सब्सर्गों का एक प्रायुर्वेदिक तथा यूनामी श्रीषधि सलाहकार बोर्ड गठित करती है:—

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (1) से (4) तक के अधीन पदेन सदस्य :

1. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक
2. श्रीषधि नियंत्रक (भारत)
3. स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के सलाहकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
4. निदेशक, केन्द्रीय श्रीषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता ।

धारा 33-ग की उप-धारा (2) के खंड (5) के अधीन मनोनीत :

डा० पी० आर० पवारराय,
निदेशक,
भारतीय भेषज संहिता की केन्द्रीय प्रयोगशाला,
राजनगर,
गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (6) के अधीन मनोनीत :

डा० एच० एन० राय श्रीधरी
इकोनॉमिक बोटेनिस्ट,
बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया,
शिवपुर, हावड़ा (पश्चिम बंगाल)

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (7) के अधीन मनोनीत :

डा० एस० पी० पोपली,
मुख्य, अलकालायड्स सेक्शन,
केन्द्रीय श्रीषधि अनुसंधान संस्थान,
छत्तर मंजिल पैलेस,
लखनऊ-1

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (9) के अधीन मनोनीत :

प्रो० पी० वी० शर्मा,
द्रव्यगुण विभाग के अध्यक्ष,
भारतीय चिकित्सा स्नातकोत्तर संस्थान,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
बाराणसी ।

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (10) के अधीन मनोनीत :

अहमदी अवर अहमद,
वरिष्ठ लेक्चरर,
प्रायुर्वेदिक और यूनामी लिब्ररी कालेज,
करील बाग,
नई दिल्ली-5

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (11) के अधीन मनोनीत :

1. श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल,
अध्यक्ष, मैक्सो लेबोरेट्रीज (प्रा०) लिमिटेड,
श्री भिष्ममल बिल्डिंग्स,
कमला नगर, दिल्ली-7
2. श्री ए० आर० सिद्दीकी,
डिबीजतल प्रबन्धक (प्रशासन),
हमदर्द (वक्फ) लेबोरेट्रीज,
हमदर्द मार्ग,
दिल्ली-6

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (12) के अधीन मनोनीत :

1. डा० ए० आनन्द कुमार,
22, राधवीया रोड,
व्यासपुरा नगर,
मद्रास-600017।

2. हकीम मोहम्मद अस्मरफ करीम,
प्रिंसिपल, गवर्नमेंट तिब्बिया कालेज,
पटना।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, पदेन सदस्य को अध्यक्ष तथा डा० पी० एन वी० कुरुप, सलाहकार (स्वदेशी चिकित्सा पद्धति) को उक्त बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक्स-19012/3/78-ए०पी०सी]
सुन्दर कुमार कर्माकर, उप-सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 18th July, 1979

S.O. 3148.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1), (2), (3) and (7) of section 33C of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940) and in suppression of the notification of the Government of India in the late Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. X-19012/2/75-APC, dated the 27th August, 1975, the Central Government hereby constitutes, with effect from the 1st August, 1979, an Ayurvedic and Unani Drugs Technical Advisory Board consisting of the following members namely:—

Ex-officio members under clauses (i) to (iv) of sub-section (2) of Section 33C :

1. The Director General of Health Services.
2. The Drugs Controller (India).
3. The Adviser in Indigenous Systems of Medicine;
Ministry of Health and Family Welfare.
4. The Director of the Central Drugs Laboratory, Calcutta.

Nominated under clause (ix) of sub-section (2) of Section 33C :

Dr. P. R. Pabral,
Director,
Central Indian Pharmacopoeial Laboratory,
Rajnagar, Ghaziabad (U.P.).

Nominated under clause (vi) of sub-section (2) of section 33 C:

Dr. H. N. Rai Chowdhry,
Economic Botanist,
Botanical Survey of India,
Sibpur, Howrah (West Bengal).

Nominated under clause (vii) of sub-section (2) of section 33C :

Dr. S. P. Popli,
Head Alkaloids Section,
Central Drugs Research Institute,
Chatar Manzil Palace,
Lucknow-1.

Nominated under clause (ix) of sub-section (2) of Section 33C :

Prof. P. V. Sharma,
Head of the Department of Dravyaguna,
P.G. Institute of Indian Medicine,
Banaras Hindu University, Varanasi.

Nominated under clause (x) of sub-section (2) of Section 33C :

Hakim Anwar Ahmed,
Senior Lecturer,
Ayurvedic & Unani Tibbia College,
Karol Bagh, New Delhi-5.

Nominated under clause (xi) of sub-section (2) of Section 33C :

1. Shri Naresh Chander Aggarwal,
Chairman, Maxo Laboratories (P) Ltd.,
Shri Bhichamal Buildings,
Kamla Nagar, Delhi-7.
2. Shri S. R. Siddiqui,
Divisional Manager (Administration),
Hamdard (Wakf) Laboratories,
Hamdard Marg, Delhi-6.

Nominated under clause (xii) of sub-section (2) of Section 33C :

1. Dr. A. Ananda Kumar,
22, Raghaviah Road,
Thyagarayanagar,
Madras-600017.
2. Hakim Mohd. Ashraf Karim,
Principal, Government Tibbia College,
Patna.

2. The Central Government hereby appoints the Director General of Health Services, an ex-officio member, as Chairman and Dr. P.N.V. Kurup, Adviser (ISM) as Secretary of the said Board.

[No. X-19012/3/78-APC]
S. K. KARTHA, Dy. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1979

का० आ० 3149.—प्रति केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाय निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1963 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यत्, खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाय निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरि-वर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

यतः अथ खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अखतव संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दो गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम से स्थानान्तरित करती है:—

क्रम सं०	अधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री केशव चौधरी राय	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
2.	श्री जे० के० नाग	—वही—	गोदाम अधीक्षक	1-3-69
3.	श्री रामेश्वर सिंह	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
4.	श्री रघुबीर प्रसाद	—वही—	—वही—	1-3-69
5.	श्री इकराम अली	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
6.	श्री आर० पी० गुप्त	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
7.	श्री जयनाथ सिंह	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
8.	श्री राम देव प्रसाद सिंह	—वही—	—वही—	1-3-69
9.	श्री मंगल सिन्हा	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	1-3-69
10.	श्री एन० आर० भट्टाचार्या	कनिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	1-3-69
11.	श्री टी० डी० भगत	डस्टिंग ऑपरेटर	सेड टेल्सी मैन	1-3-69
12.	श्री नारायण चौधरी सेनगुप्ता	सेड टेल्सी मैन	—वही—	1-3-69
13.	श्री एस० के० चक्रवर्ती	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
14.	श्री गोपाल चौधरी मुखर्जी	सेड टेल्सी मैन	सेड टेल्सी मैन	1-3-69
15.	श्री मदन सोहन बनर्जी	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
16.	श्री गुलाम जिलानी खां	खीपर	खपरासी.	1-3-69
17.	श्री अजीमुल्ला खां	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
18.	श्री गंगाधर चटर्जी	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69
19.	श्री जगदीश प्रसाद खीदाम	सेड टेल्सी मैन	सेड टेल्सी मैन	1-3-69
20.	श्री जगधर चौधरी	स्टीचर	खलासी	1-3-69
21.	श्री गोविन्दा बहादुर	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
22.	श्री बनामाली श्यामल	डस्टिंग ऑपरेटर	डस्टिंग ऑपरेटर	1-3-69
23.	श्री एन० बी० एन० मलधियार	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
24.	श्री ब्रज नाथ सिंह	ड्राईवर	ड्राईवर	1-3-69
25.	श्री श्याम नवन प्रसाद	खपरासी	खपरासी	1-3-69
26.	श्री कमल प्रसाद महतो	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
27.	श्री कृष्ण प्रसाद	—	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
28.	श्री ब्रह्मदेव प्रसाद	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
29.	श्री राजगीर राम	—	वाचमैन	1-3-69
30.	श्री राम अनाम सिंह (सं० 2)	—	—वही—	1-3-69
31.	श्री मिश्री लाल	—	—वही—	1-3-69
32.	श्री एम० डी० पी० वर्मा	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
33.	श्री चतुरगन शाह	—	वाचमैन	1-3-69
34.	श्री रामानन्द पांडे	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
35.	श्री आर० सी० पी० अम्बस्था	—	—वही—	1-3-69
36.	श्री एन० एन० अक्मथा	—	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
37.	श्री जे० एन० उपाध्याय	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
38.	श्री विन्देश्वरी सिंह नं० 1	—	वाचमैन	1-3-69
39.	श्री मो० हृषीम	—	गुण निरीक्षक ग्रेड-1	1-3-69
40.	श्री देव कुमार सेनगुप्ता	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
41.	श्री निर्मल कुमार नेवगी	—	—वही—	1-3-69
42.	श्री एल० के० विश्वाम	—	वाचमैन	1-3-69
43.	श्री के० सी० बरिह	—	जी० ओ०	1-3-69
44.	श्री राम नरेश सिंह	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
45.	श्री कामता पांडे	—	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69
46.	श्री ओंकार सरण	—	गोदाम क्लर्क	1-3-69
47.	श्री भूप नारायण शर्मा	—	सेड टेल्सी मैन	1-3-69

1	2	3	4	5
48. श्री जे० एन० विश्वाम	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	गोदाम अधीक्षक	1-3-69	
49. श्री बी० जे० बोस	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69	
50. श्री एस० एल० मुखर्जी	-वही-	-वही-	1-3-69	
51. श्री मुखन्दा लाल राय	-वही-	-वही-	1-3-69	
52. श्री परवश चन्द बोस	सेड टेस्ली मैन	सेड टेस्ली मैन	1-3-69	
53. श्री राम नाथ सिंह	इस्टिंग अपरेटर	सेड टेस्ली मैन	1-3-69	
54. श्री प्रणव कुमार सरकार	स्टीचर	वरिष्ठ अधीक्षक	1-3-69	
55. श्री शान्ति राजन राय	इस्टिंग अपरेटर	सेड टेस्ली मैन	1-3-69	
56. श्री मुबोधेन्नु गुप्त	-वही-	-वही-	1-3-69	
57. श्री सेलेन्द्र कुमार बोस	-वही-	-वही-	1-3-69	
58. श्री मोन सिंह सारकी	—	वाचमैन	1-3-69	
59. श्री सुधीर सिंह	—	-वही-	1-3-69	
60. श्री सचिन्दा चन्द भौमिक	—	-वही-	1-3-69	
61. श्री तुल बहादुर थापा	—	-वही-	1-3-69	
62. श्री अभीमान चन्द दास	वाचमैन	-वही-	1-3-69	
63. श्री अनू धरण विश्वाम	-वही-	-वही-	1-3-69	
64. श्री रविन्द्रा नारायण राय	—	गुण निरीक्षक ग्रेड-1	1-3-69	
65. श्री नरेन्द्र प्रसाद	कनिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	1-3-69	
66. श्री वाई० बी० एस० शास्त्री	—	ए० एम० (टफ०)	1-3-69	
67. श्री एस० एन० दास गुप्ता	कनिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	1-3-69	
68. श्री शिव दास भट्टाचार्या	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	एफ० पी० एस०-1	1-3-69	
69. श्री शशका मुखर्जी	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69	
70. श्री सैबमेन विश्वास	इस्टिंग अपरेटर	सेड टेस्ली मैन	1-3-69	
71. श्री बलेन्द्र नाथ बोस	—	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69	
72. श्री पी० बी० राय चौधरी	—	तकनीकी अधिकारी	1-3-69	
73. श्री गौरी प्रसाद चक्रवर्ती	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-3-69	
74. श्री प्रसेनजीत कुमार डे	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69	
75. श्री राम भजराज सिंह	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69	
76. श्री भूखन राजध	स्वीपर	स्वीपर	1-3-69	
77. श्री राम चनाम सिंह (नं० 1)	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69	
78. श्री कमला सिंह	-वही-	-वही-	1-3-69	
79. श्री विनेश चन्द्र सिन्हा	-वही-	-वही-	1-3-69	
80. श्री मिथिलेश्वर प्रसाद सिंह	-वही-	-वही-	1-3-69	
81. श्री रविन्द्र प्रसाद	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69	
82. श्री विन्देश्वरी सिंह नं० 2	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69	
83. श्री चिरोतोष कुमार-गांगुली	-वही-	-वही-	1-3-69	
84. श्री विष्णु पांडा घटक	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69	
85. श्री सुखराजन राय	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69	
86. श्री गोविन्दा बहादुर छेत्री	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69	
87. श्री गोकुल चन्द्र बोष	-वही-	-वही-	1-3-69	
88. श्री खगेन्द्र नाथ डे	-वही-	-वही-	1-3-69	
89. श्री ऐमन सिंह	-वही-	-वही-	1-3-69	
90. श्री चन्द्र प्रसाद शर्मा	-वही-	-वही-	1-3-69	
91. श्री शमशेर बहादुर झली	-वही-	-वही-	1-3-69	
92. श्री रूपाई	स्टीचर	स्टीचर	1-3-69	
93. श्री पहेली नायक	स्वीपर	स्वीपर	1-3-69	
94. श्री अनील कुमार नाग चौधरी	तौलने वाला	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	1-4-71	
95. श्री सुधीर कुमार डे	गोदाम क्लर्क	गोदाम क्लर्क	1-3-69	
96. श्री प्रनेश चन्द्र दास	-वही-	-वही-	1-3-69	
97. श्री प्रबिला कुमार सिन्हा	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69	
98. श्री सुनिल कुमार भट्टाचार्या	-वही-	कनिष्ठ लिपिक	1-3-69	
99. श्री सोम दत्त शर्मा	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	गुण निरीक्षक	31-12-78	
100. श्री एस० एन० प्ररोरा	-वही-	-वही-	1-3-69	
101. श्री एम० एम० काटवाल	तौल माप लिपिक	कनिष्ठ गोदाम रक्षक	18-1-79	

1	2	3	4	5
102. श्री के. एम. शर्मा	प्रभुमन सहायक	गुण निरीक्षक		26-5-78
103. श्री के. बी. मल्होत्रा	गोदाम क्लर्क	कनिष्ठ गोदाम क्लर्क		1-3-69
104. श्री डी. पी. उपाध्याय	तौलमाप क्लर्क	वरिष्ठ गोदाम रक्षक		1-3-69
105. श्री लाल चन्दा	तौलने वाला	चपरासी		21-6-79 (अपराहृत)
106. श्री ए. के. मिश्रा	अधीक्षक	अधीक्षक		1-3-69
107. श्री के. एम. एम. नथर	तकनीकी सहायक	तकनीकी सहायक		1-3-69

[संख्या 52/1/79-एफ. सी. III (बाल्यम-iii)]

एम. एम. कम्बोह, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1979

S. D. 314). - Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India ;

And Whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the Circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-Section (i) of Section 12A of the said Act ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

Sl. No.	Name of the Officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the FCI
1	2	3	4	5
1.	Sh. Keshab Ch. Roy	Sr. Godown Keeper	Sr. Godown Keeper	1-3-69
2.	Sh. J.K. Nag	—Do—	Godown Supdt.	1-3-69
3.	Sh. Rameshwar Singh	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
4.	Sh. Raghubir Prasad	—Do—	—Do—	1-3-69
5.	Sh. Ekram Ali	Watchman	Watchman	1-3-69
6.	Sh. R.P. Gupta	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
7.	Sh. Jai Nath Singh	Watchman	Watchman	1-3-69
8.	Sh. Ram Deo Pd. Singh	—Do—	—Do—	1-3-69
9.	Sh. Mangal Sinha	Sr. Godown Keeper	Godown Supdt.	1-3-69
10.	Sh. N.R. Bhattacharya	Jr. Clerk	Sr. Clerk	1-3-69
11.	Sh. T.D. Bhagat	Dusting Operator	Shed Tally Man	1-3-69
12.	Sh. Narayan Ch. Sengupta	Shed Tally Man	—Do—	1-3-69
13.	Sh. S.K. Chakraborty	Jr. Godown Keeper	Sr. Godown Keeper	1-3-69
14.	Sh. Gopal Ch. Mukherjee	Shed Tally Man	Shed Tally Man	1-3-69
15.	Sh. Madan Mohan Banerjee	Watchman	Watchman	1-3-69
16.	Sh. Golam Zilani Khan	Sweeper	Peon	1-3-69
17.	Sh. Azimollan Khan	Watchman	Watchman	1-3-69
18.	Sh. Gangadhar Chatterjee	Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
19.	Sh. Jagdish Pd. Rabidas	Shed Tally Man	Shed Tally Man	1-3-69
20.	Sh. Jagdhar Choudhury	Stitcher	Khalasi	1-3-69
21.	Sh. Gobinda Bahadur	Watchman	Watchman	1-3-69
22.	Sh. Banamali Shyamal	Dusting Operator	Dusting Operator	1-3-69
23.	Sh. L.B.N. Maldhiyar	Sr. Godown Keeper	Sr. Godown Keeper	1-3-69
24.	Sh. Braj Nath Singh	Driver	Driver	1-3-69
25.	Sh. Shyam Nandan Prasad	Peon	Peon	1-3-69
26.	Sh. Kamal Pd. Mahto	—	Godown Clerk	1-3-69

1	2	3	4	5
27. Sh. Krishna Prasad		—	Sr. Godown Keeper	1-3-69
28. Sh. Brahmdeo Prasad		—	Jr. Godown Keeper	1-3-69
29. Sh. Rajgir Ram		—	Watchman	1-3-69
30. Sh. Ram Janam Singh (No. 2)		—	—Do—	1-3-69
31. Sh. Mishri Lal		—	—Do—	1-3-69
32. Sh. S.D.P. Verma		—	Godown Clerk	1-3-69
33. Sh. Chaturgan Sah		—	Watchman	1-3-69
34. Sh. Ramanand Pandey		—	Godown Clerk	1-3-69
35. Sh. R.C.P. Ambastha		—	—Do—	1-3-69
36. Sh. S.N. Awasthy		—	Sr. Godown Keeper	1-3-69
37. Sh. J.N. Upadhyay		—	Godown Clerk	1-3-69
38. Sh. Bindeswari Singh No. 1		—	Watchman	1-3-69
39. Sh. Md. Hashim		—	Quality Inspector Gr. I	1-3-69
40. Sh. Deb Kr. Sengupta		—	Godown Clerk	1-3-69
41. Sh. Nirmal Kr. Neogi		—	—Do—	1-3-69
42. Sh. L.K. Biswas		—	Watchman	1-3-69
43. Sh. K.C. Barik		—	G.O.	1-3-69
44. Sh. Ram Naresh Singh		—	Godown Clerk	1-3-69
45. Sh. Kamta Pandey		—	Jr. Godown Keeper	1-3-69
46. Sh. Onkar Sharan		—	Godown Clerk	1-3-69
47. Sh. Bhup Narayan Sharma		—	Shed Tally Man	1-3-69
48. Sh. J.N. Biswas		Sr. Godown Keeper	Godown Sudt.	1-3-69
49. Sh. D.J. Bose		Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
50. Sh. S.L. Mukherjee		—Do—	—Do—	1-3-69
51. Sh. Mukunda Lal Roy		—Do—	—Do—	1-3-69
52. Sh. Pravash Ch. Bose		Shed Tally Men	Shed Tally Man	1-3-69
53. Sh. Ram Nath Singh		Dusting Operator	Shed Tally Man	1-3-69
54. Sh. Pranab Kr. Sarkar		Sticher	S. Supervisor	1-3-69
55. Sh. Shanti Rajan Roy		Dusting Operator	Shed Tally Man	1-3-69
56. 56. Sh. Subodhendru Gupta		—Do—	—Do—	1-3-69
57. Sh. Sailendra Kr. Bose		—Do—	—Do—	1-3-69
58. Sh. Mon Singh Sarki		—	Watchman	1-3-69
59. Sh. Sugrim Singh		—	—Do—	1-3-69
60. Sh. Sachindra Ch. Bhowmick		—	—Do—	1-3-69
61. Sh. Tul Bahadur Thapa		—	—Do—	1-3-69
62. Sh. Abhiman Ch. Das		Watchman	—Do—	1-3-69
63. Sh. Anu Charan Biswas		—Do—	—Do—	1-3-69
64. Sh. Rabindra Naryan Roy		—	Quality Inspector Gr. I	1-3-69
65. Sh. Narendra Prasad		Jr. Clerk	Sr. Clerk	1-3-69
66. Sh. Y.V.S. Sastry		—	A.M. (Tech).	1-3-69
67. Sh. S.N. Das Gupta		Jr. Clerk	Sr. Clerk	1-3-69
68. Sh. Shibdas Bhattacharya		Jr. Godown Keeper	F.P.S.I.	1-3-69
69. Sh. Shasanka Mukherjee		—Do—	Sr. Godown Keeper	1-3-69
70. Sh. Sailen Biswas		Dusting Operator	Shed Tally Man	1-3-69
71. Sh. Balendra Nath Bose		—	Jr. Clerk	1-3-69
72. Sh. P.B. Roy Choudhury		—	Technical Officer	1-3-69
73. Sh. Gouri Pd. Chakraborty		Jr. Godown Keeper	Jr. Godown Keeper	1-3-69
74. Sh. Prasenjit Kr. Dey		Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
75. Sh. Ram Bhajarah Singh		Watchman	Watchman	1-3-69
76. Sh. Bhukan Routh		Sweeper	Sweeper	1-3-69
77. Sh. Ram Janam Singh (No. 1)		Watchman	Watchman	1-3-69
78. Sh. Kamala Singh		Do—	—Do—	1-3-69
79. Sh. Dinesh Ch. Sinha		—Do—	—Do—	1-3-69
80. Sh. Mithileshwar Pd. Singh		—Do—	—Do—	1-3-69
81. Sh. Rabindra Prasad		Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
82. Sh. Bindeshwari Singh No. 2		Watchman	Watchman	1-3-69
83. Sh. Chirotoosh Kr. Ganguly		—Do—	—Do—	1-3-69
84. Sh. Bishnupada Ghatak		Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
85. Sh. Sukharajan Roy		Godown Clerk	Godown Clerk	1-3-69
86. Sh. Gobinda Bahadur Chetri		Watchman	Watchman	1-3-69
87. Sh. Gokul Chandra Ghosh		—Do—	—Do—	1-3-69
88. Sh. Khagendra Nath Dey		—Do—	—Do—	1-3-69
89. Sh. Aiman Singh		—Do—	—Do—	1-3-69
90. Sh. Chandra Prasad Sharma		—Do—	—Do—	1-3-69

1	2	3	4	5
91. Sh. Samaser Bahadur Ali	Watchman	Watchman		1-3-69
92. Sh. Rupai	Stitcher	Stitcher		1-3-69
93. Sh. Paheli Nayak	Sweeper	Sweeper		1-3-69
94. Sh. Anil Kr. Nag Choudhury	Weighman	Jr. Godown Keeper		1-4-71
95. Sh. Sudhir Kr. Dey	Godown Clerk	Godown Clerk		1-3-69
96. Sh. Pranesh Ch. Das	—Do—	—Do—		1-3-69
97. Sh. Prabutra Kr. Sinha	Watchman	Watchman		1-3-69
98. Sh. Sunil Kr. Bhattacharya	—Do—	Jr. Clerk		1-3-69
99. Sh. Som Dutt Sharma	Jr. Godown Keeper	Quality Inspector		31-12-78
100. Sh. S.N. Arora	—Do—	—Do—		1-3-69
101. Sh. M.M. Katyal	Weighment Clerk	Jr. Godown Keeper		18-1-79
102. Sh. K.S. Sharma	Fumigation Assistant	Quality Inspector		26-5-78
103. Sh. K.B. Malhotra	Godown Clerk	Jr. Godown Keeper		1-3-69
104. Sh. D.P. Upadhyay	Weightment Clerk	Sr. Godown Keeper		1-3-69
105. Sh. Lal Chand	Weighman	Peon		21-6-79
				(F.N.)
106. Sh. A.K. Mishra	Supervisor	Supervisor		1-3-69
107. Sh. K.M.M. Nair	Technical Assistant	Technical Assistant		1-3-69

[No. 52/1/79-FC. III (Vol. III)]

S.L. KAMBOH, Under Secy.

नौसहम और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1979

का०आ० 3150.—दिल्ली परिवहन (मलाहकार परिषद्) नियम, 1973 के नियम 3 के साथ एडिशन गड्ढक परिवहन नियम अधिनियम, 1950 की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित दिल्ली परिवहन नियम के विचारों को जानने के बाद श्री आर्दहारी लाल, नई दिल्ली के स्थान पर छावनी बोर्ड, दिल्ली छावनी के कार्यपालक अधिकारी को और श्री हर भगवान के स्थान पर श्री गिरधारी लाल, सदस्य, नई दिल्ली नगर पालिका समिति, नई दिल्ली, निवासी 5-25, पंचशाल पार्क, नई दिल्ली को दिल्ली परिवहन नियम मलाहकार परिषद् का सदस्य नियुक्त करती है, जिसका गठन उक्त नियम को उक्त नियमों के नियम 11 में विनिर्दिष्ट मामलों तथा उक्त नियमों के नियम 6, 7, 8 व 22 में विनिर्दिष्ट शर्तों पर मलाह करने के लिए किया गया था और भारत सरकार के नौसहम और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० का०आ० 870 (ई), दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, पैराग्राफ 1 में, सब 16 और (31) के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँ :—

“सब 16 : कार्यपालक अधिकारी, छावनी बोर्ड, दिल्ली छावनी।

सब 31 : श्री गिरधारी लाल, सदस्य, नई दिल्ली नगरपालिका समिति, 5-25, पंचशाल पार्क, नई दिल्ली।”

[का०म० टी जी डी (166)/76]

बी० आर० चक्रवर्ती, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 3rd September, 1979

S.O. 3150.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), read with rule 3 of the Delhi Transport (Advisory Council) Rules, 1973, the Central Government, after ascertaining the views of the Delhi Transport Corporation, established under section 3 of the said Act, hereby appoints the Executive Officer, Cantonment Board, Delhi Cantonment vice Shri I. S. Mehta and Shri Girdhari Lal, Member, New Delhi

Municipal Committee, New Delhi, resident of 5-25, Panchila Park, New Delhi, vice Shri Har Bhagwan as members of the Delhi Transport Corporation Advisory Council constituted for the purpose of advising the said Corporation on the matters specified in rule 11 of the said rules on the terms specified in rules 6, 7, 8 and 22 of the said rules and makes the following further amendments in the notification of the Government of India, in the Ministry of Shipping & Transport (Transport Wing) No. S.O. 870(E), dated the 31st December, 1977, namely :—

In the said notification, in paragraph 1, for the entries against items (16) & (31) the following entries shall be substituted :—

“Item 16 : The Executive Officer, Cantonment Board, Delhi Cantonment.

Item 31 : Shri Girdhari Lal, Member, New Delhi Municipal Committee, 5-25, Panchshila Park, New Delhi.”

[F. No. TGD(166)/76]

B. R. CHAVAN, Dy. Secy.

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

का०आ० 3151.—दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 (1973 का 18) के धारा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (i) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एन०एच० केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को जिसका कार्यालय 17-बी, इन्टरमध्य इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली में है, और जो निम्नलिखित सभी गैरवर्जित परीक्षाओं अथवा इनमें से किसी के लिए छात्रों का तैयार करने है और उन्हें परीक्षाओं में बिठाते है अथवा इसके बाद तैयार करेगे—यस शामिल क्षेत्र दिल्ली के स्कूलों के सम्बन्ध में एक उपयुक्त प्राधिकरण के रूप में नामित करते है, अर्थात् :—

1. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा संचालित अखिल भारतीय माध्यमिक स्कूल परीक्षा,

2. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा संचालित अखिल भारतीय सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा।

[संख्या एफ० 5-33/79-ए]

पी० सदानाथन

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 1st September, 1979

S.O. 3151.—In pursuance of the provisions of sub-clause (1) of clause (e) of section 2 of the Delhi School Education Act, 1973 (18 of 1973), the Central Government hereby designates the Central Board of Secondary Education having its office at 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi, as the appropriate authority in respect of schools in the Union Territory of Delhi which prepare, or may hereafter prepare, students for, and present them, to all or any of the following public examinations namely:—

1. All India Secondary School Examination, conducted by the Central Board of Secondary Education, New Delhi.
2. All India Senior School Certificates Examination, conducted by the Central Board of Secondary Education, New Delhi.

[No. F. 5—33/79-Schools 6]
P. SABANAYAGAM, Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

कां.प्र. 3152.—एतद्वारा राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम 2 एवं 4 के अन्तर्गत अधिसूचित किया जाता है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण के कर्मचारियों को हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त है।

[सं. हिन्दी विभाग-3 (5)/79/321]
हरी राम गोयल, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 1st September, 1979

S.O. 3152.—It is hereby notified under sub-rules (2) & (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purpose of the Union) Rules, 1976 that the staff of Delhi Development Authority have the working knowledge of Hindi.

[No. F. 3(5)/79-Hindi Cell]
HARI RAM GOEL, Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1979

कां.प्र. 3153.—वायुयान नियम, 1937 के नियम 3 के उपनियम (2) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के आदेश संख्या कां.प्र. 2547, दिनांक 29 अगस्त, 1973 में निम्नलिखित मनायन करती है, अर्थात्:—

उक्त आदेश के पैरा 2 में "छ वर्ष की अवधि" शब्दों के स्थान पर "बारह वर्ष की अवधि" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[कां.सं. ए.वी. 11016/1/76-ए/एआर (1937) (4) 1979]

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION**ORDER**

New Delhi, the 27th August, 1979

S.O. 3153.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 3 of the Aircraft Rules, 1937, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the

Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. S.O. 2547, dated the 29th August, 1973, namely:—

In the said order, in paragraph 2, for the words "a period of six years", the words "a period of twelve years" shall be substituted.

[F. No. Av. 11016/1/76-A/AR(1937)(4)/1979]

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1979

कां.प्र. 3154.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त गणपतविधि को, जिसके कि अन्तर्गत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की अधिनियम सं. ए.वी. 15013/28/78-ए, दिनांक 2 मार्च, 1979 द्वारा नियुक्त की गई जाव अदावन को उपर्युक्त अधिसूचना में निविष्ट मामला की जाव पूरी करने तथा केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आशा थी, और आगे बढ़ा कर 30 सितम्बर, 1979 करती है।

[कां.सं. ए.वी. 15013/28/78-ए]
ए.ए. एकाम्बरम्, उप सचिव

New Delhi, the 30th August, 1979

S.O. 3154.—The Central Government hereby further extends upto the 30th September, 1979, the period of time within which the Court of Inquiry appointed by the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation vide Notification No. Av. 15013/28/78-A dated 2nd March, 1979, will be expected to complete its inquiry into the matters specified in the Notification mentioned above, and report to the Central Government.

[F. No. Av. 15013/28/78-A]
S. EKAMBARAM, Dy. Secy.

इस्पात और लौह मंत्रालय

(लौह विभाग)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1979

कां.प्र. 3155.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिकारियों की वेदखानों) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे का सारणा के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों की पंक्ति के समतुल्य अधिकारियों हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारियों नियुक्त करती है और अपने निदेश देती है कि उक्त अधिकारियों उक्त सारणा के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय मामलों के अन्तर्गत उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत सम्पदा अधिकारिता की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

अधिकारी का नाम और पदविधान	सरकारी स्थानों के प्रथम और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
---------------------------	--

1

2

श्री आर.के. सिंह, कामक अधिकारी,	उपान्त में यथा वर्णित हिन्दुस्तान
हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, रक्षा	कॉपर लिमिटेड के या उसके
कॉपर परियोजना गिगभूम (बिहार)	द्वारा अवकाश उतकी और से
	पट्टे पर लिए गए या अधि-
	ग्रहण पारित।

गोपालपुर					1	2	3	4	5
ग्राम	ग्राम सं०	प्लॉट संख्या	एकड़ों में क्षेत्रफल	कच्चे का प्रकार	गोपालपुर	1106	46	0 48	अजित भूमि
							47	0 50	"
							48	0 29	"
							49	0 11	"
							50	1 16	"
स्वांगपुर	घटसिला	763	7.18	अजित भूमि			51	0 06	"
उ-रेलवे	(1105)	764	0 49	"			52	0 29	"
द-ग्राम बड़ा पहाड़	"	765	11 01	"			53	0 20	"
पू-ग्राम गोपालपुर	"	766	0 49	"			54	0 05	"
प-डी.वा.रोड	"	769	0 88	"			55	0 50	"
ग्रौर प्लॉट सं०	"	770	0 97	"			56	0 24	"
442	"	771	0 31	"			57	0 48	"
	"	772	1 54	"			58	0 22	"
	"	773	3 36	"			59	0 62	"
	"	774	0 20	"			60	0 95	"
	"	775	3 70	"			61	0 95	"
	"	776	0 31	"			62	1 03	"
	"	777	0 53	"			63	0 06	"
	"	778	8 00	"			64	1 11	"
	"	779	0 60	"			65	0 16	"
	"	780	0 45	"			66	1 45	"
	"	781	3 00	"			67	2 00	"
	"	782	1 85	"			68	1 50	"
	"	783	1 17	"			69	0 17	"
	"	784 भाग	0 55	"			70	0 84	"
	"	785 भाग	0 10	"			71	0 44	"
	"	786 भाग	2 72	"			72	1 03	"
	"	787	1 65	"			73	0 18	"
	"	788	9 08	"			74	0 58	"
	"	789	1 80	"			75	0 22	"
	"	790	0 95	"			76	0 27	"
	"	791	0 63	"			77	0 35	"
	घटसिला						78	0 20	"
	(1105)	792	5 11	"			79	0 04	"
	"	795	1 01	"			80	0 86	"
	"	793	6 26	"			81	0 02	"
	"	796	0 11	"			82	0 04	"
	"	797	4 83	"			83	0 16	"
गोपालपुर	1106	25	1 04	"			84	0 18	"
उ-रेलवे	"	26	0 16	"			85	0 34	"
द-ग्राम बड़ा पहाड़	"	27	0 11	"			86	0 40	"
पू-प्लॉट सं 100	"	28	1 55	"			87	1 41	"
प-स्वामिपुर ग्राम	"	30	0 11	"			88	0 77	"
	"	31	2 08	"			89	0 42	"
	"	32	0 10	"			90	1 23	"
	"	33	0 45	"			91	0 22	"
	"	34	0 44	"			92	0 17	"
	"	35	4 60	"			93	0 22	"
	"	37 भाग	4 28	"			94 भाग	0 64	"
	"	30 भाग	3 51	"			95 भाग	0 89	"
	"	41	1 28	"			96	0 38	"
	"	42	2 03	"			97	0 53	"
	"	43	2 10	"			98 भाग	0 89	"
	"	44	0 64	"			99	0 84	"
	"	45	0 40	"			31/102	0 58	"

1	2	3	4	5	1	2	3	5	5
गोपालपुर	1106	34/103	0.40	अजित भूमि	बड़ा पहाड़	1107	48	0.23	अजित भूमि
		40/104	0.58	"			49	0.21	"
	"	46/105	0.30	"		"	50	0.71	"
	"	50/106	0.19	"		"	51	0.65	"
	"	52/107	0.07	"		"	53	0.91	"
	"	47/108	0.09	"		"	54	0.22	"
	"	60/109	0.19	"		"	55	0.26	"
	"	60/110	1.04	"		"	56	0.73	"
	"	60/111	0.30	"		"	58	0.47	"
	"	62/112	0.58	"		"	59	0.80	"
	"	35/113	0.22	"		"	60	0.41	"
	"	47/114	0.56	"		"	61	0.11	"
	"	75/115	0.26	"		"	62 भाग	17.18	"
	"	93/116	1.40	"		"	63	1.74	"
	"	71/117	0.11	"		"	64	1.56	"
	"	64/118	0.14	"		"	65	0.84	"
बड़ा पहाड़	1107	3	0.16	"		"	66	0.62	"
उप-प्लॉट 1 और	"	4	0.22	"		"	67	0.37	"
308						"	82	0.11	"
उप-प्लॉट 288	"	5	0.76	"		"	83	1.29	"
289, और 290	"	6	0.28	"		"	91	0.83	"
उप-प्लॉट सं 291	"	7	0.23	"		"	92	1.56	"
और 309	"	8	0.19	"		"	93 भाग	2.67	"
प-प्लॉटपुर	"	9	0.07	"		"	94	0.57	"
ग्राम सीमा	"	10	0.08	"		"	95	2.70	"
	"	11	1.06	"		"	96	0.56	"
	"	12	0.20	"		"	97	0.32	"
	"	13	0.30	"		"	98	0.22	"
	"	14	1.25	"		"	99	0.14	"
	"	15	0.36	"		"	100	0.10	"
	"	16	0.17	"		"	101	0.09	"
	"	17	0.38	"		"	102	0.14	"
	"	18	0.08	"		"	103	0.35	"
	"	19	0.17	"		"	104	0.04	"
	"	20	1.08	"		"	105	0.33	"
	"	21	0.34	"		"	106	0.41	"
	"	22	0.16	"		"	107	0.71	"
	"	23	0.11	"		"	108	0.20	"
	"	24	0.24	"		"	109	0.23	"
	"	25	0.28	"		"	116	1.01	"
	"	26	0.14	"		"	117	0.39	"
	"	27	0.97	"		"	118	1.05	"
	"	28	0.44	"		"	119	0.19	"
	"	29	1.57	"		"	120	0.06	"
	"	30	0.31	"		"	121	0.06	"
	"	32	0.34	"		"	122	0.09	"
	"	39	0.06	"		"	125	0.20	"
	"	40	0.14	"		"	127	0.06	"
	"	41	0.42	"		"	128	0.39	"
	"	42	0.10	"		"	130	0.16	"
	"	43	0.08	"		"	132	0.21	"
	"	44	0.06	"		"	133	0.11	"
	"	45	0.17	"		"	134	0.08	"
	"	46	0.84	"		"	135	0.10	"
	"	47	0.50	"		"	140	0.10	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बड़ा पहाड़	1107	141	0.21	अजित भूमि	बड़ा पहाड़	1107	211	0.51	अजित भूमि
"	"	142	0.66	"	"	"	212	0.27	"
"	"	143	0.25	"	"	"	213	0.10	"
"	"	144	0.73	"	"	"	214	0.69	"
"	"	145 भाग	0.49	"	"	"	216	0.30	"
"	"	146	1.40	"	"	"	217	0.29	"
"	"	147	0.90	"	"	"	218	0.26	"
"	"	148	1.27	"	"	"	219	0.73	"
"	"	149	0.09	"	"	"	220	0.04	"
"	"	150	0.55	"	"	"	221	0.50	"
"	"	151	0.11	"	"	"	223	0.91	"
"	"	152	0.51	"	"	"	225	0.06	"
"	"	153	0.64	"	"	"	226	0.20	"
"	"	159	0.50	"	"	"	227	0.09	"
"	"	160	0.50	"	"	"	228	0.17	"
"	"	161	0.21	"	"	"	229	0.20	"
"	"	162	0.54	"	"	"	230	0.02	"
"	"	163	0.13	"	"	"	231	0.02	"
"	"	164	1.98	"	"	"	232	0.11	"
"	"	165	2.67	"	"	"	233	0.18	"
"	"	166	0.10	"	"	"	234	0.36	"
"	"	167	0.37	"	"	"	235	0.15	"
"	"	168	1.73	"	"	"	236	0.68	"
"	"	169	1.02	"	"	"	237	0.14	"
"	"	171	0.43	"	"	"	238	0.21	"
"	"	172 भाग	0.12	"	"	"	239	2.93	"
"	"	173	0.48	"	"	"	240	0.13	"
"	"	175	0.16	"	"	"	241	0.04	"
"	"	178	1.19	"	"	"	242	0.15	"
"	"	187	1.56	"	"	"	243	0.06	"
"	"	188	0.51	"	"	"	244	0.98	"
"	"	189	0.76	"	"	"	245	0.09	"
"	"	190	0.61	"	"	"	246	0.03	"
"	"	191	0.95	"	"	"	247	1.181	"
"	"	192	1.16	"	"	"	249	0.17	"
"	"	193	2.35	"	"	"	250	0.17	"
"	"	194	0.69	"	"	"	251	0.08	"
"	"	195	1.10	"	"	"	252	1.43	"
"	"	196	0.25	"	"	"	253	0.16	"
"	"	197	0.10	"	"	"	254	0.36	"
"	"	198	0.44	"	"	"	255	0.15	"
"	"	199	0.10	"	"	"	256	0.04	"
"	"	200	0.37	"	"	"	257	0.04	"
"	"	201	0.42	"	"	"	258	0.04	"
"	"	202	0.19	"	"	"	259	0.48	"
"	"	203	0.36	"	"	"	260 भाग	0.88	"
"	"	204	1.47	"	"	"	261	0.42	"
"	"	205	0.55	"	"	"	263	0.53	"
"	"	206	0.80	"	"	"	264	0.15	"
"	"	207	0.25	"	"	"	265	0.06	"
"	"	208	0.61	"	"	"	266	0.48	"
"	"	209	0.50	"	"	"	267	0.14	"
"	"	210	0.87	"	"	"	268	0.54	"
					"	"	269	0.67	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बड़ा पहाड़	1107	270	0.39	अजित भूमि	93	205		0.84	"
"	"	271	0.12	"	"	206 भाग		0.85	"
"	"	272	0.56	"	"	207		0.52	"
"	"	274	0.21	"	"	208		0.93	"
"	"	275	0.53	"	"	210		0.85	"
"	"	279	0.28	"	"	212		0.32	"
"	"	280 भाग	0.77	"	"	213		0.30	"
"	"	281	0.19	"	"	214		0.66	"
"	"	282	0.12	"	"	215		1.35	"
"	"	283 भाग	1.60	"	"	216 भाग		1.82	"
"	"	284	0.59	"	"	217 "		0.11	"
"	"	285	0.32	"	"	220		24.18	अनुशेय कच्चा
"	"	286	0.54	"					
गोपालपुर	"	292	0.10	"	"	191		10.00	"
"	"	293	0.07	"	"	192 -		0.56	"
"	"	294	0.09	"	"	193		0.46	"
"	"	296	0.20	"	"	196		0.85	"
"	"	297	0.02	"	"	198		0.50	"
"	"	298	0.34	"	"	209		0.16	"
"	"	299	0.41	"	"	211		0.55	"
"	"	300	0.58	"	"	218		0.29	"
"	"	301	0.38	"	मुर्गाछुट	92	2 भाग	0.72	अजित भूमि
"	"	302	0.21	"	"	3		0.63	"
"	"	303	0.15	"	उ-प्लाट सं० 1	"	11	0.11	"
"	"	304	0.07	"	द-मसिगोरा और	"	5	0.09	"
"	"	305	0.16	"	सड़क ग्राम सीमा	"	6	0.11	"
"	"	306	0.24	"	"	7		0.16	"
"	"	307	1.00	"	ए-सुन्दर गोरी	"	8	1.25	"
"	"	284/310	0.73	"	नासा	"	9	0.22	"
"	"	272/311	0.15	"	प-टेंदुलगा	"	10	0.12	"
"	"	308/312 भाग	2.52	"	ग्राम सीमा	"	11	0.37	"
"	"	300/314	0.36	"	"	16		0.08	"
"	"	302/315	0.36	"	"	17		0.30	"
"	"	2/316	1.88	"	"	18		0.31	"
"	"	62/318	1.62	"	"	19		0.55	"
"	"	194/321 भाग	0.09	"	"	22		0.10	"
"	"	244/322	0.16	"	"	24		0.07	"
"	"	3/323	0.53	"	"	25 भाग		0.32	"
"	"	24/324	0.22	"	"	26		0.14	"
"	"	93/325	1.70	"	"	29		0.14	"
"	"	181/326	0.01	"	"	30		0.15	"
"	"	183/327	0.02	"	"	32		0.06	"
टेंदुलगा	93	192 भाग	0.16	"	"	33		0.55	"
उगरतल्ला और	"	193	0.12	"	"	34		0.54	"
पी बम्पू बी रोड	"	194	3.74	"	"	35		0.37	"
द-पी बम्पू बी रोड	"	222	2.48	"	"	38		0.77	"
मसिगोरा	"	195	2.02	"	"	39		0.14	"
ग्राम सीमा	"	197	4.76	"	"	40		0.23	"
पू-मुर्गाछुट	"	199	0.96	"	"	41		2.80	"
ग्राम सीमा	"	200	2.70	"	"	43		0.25	"
प-बी बी रोड	"	201	1.80	"	"	46		0.22	"
प्लाट सं० 189	"	202	2.64	"	"	47		0.15	"
और मसिगोरा	"	203	3.30	"	"	2/152		0.94	"
प्लाट सं० 365	"	204	0.10	"	"	48		0.07	"
					"	50		0.47	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
मुर्गा घुट्ट	92	51	0 82	भजित भूमि 1	मुर्गा घुट्ट	149	0.70	..	
..	54		0 49	150	0 01	..	
..	55		1 34	151	4 30	..	
..	56		0 46	2 भाग	4 08	..	
..	60 भाग		0 17	4/133	0 02	..	
..	61 भाग		1 05	6/136	0 02	..	
..	62		1 04	12	0 01	..	
..	67 भाग		0 49	13	0 03	..	
..	68		0 18	14	0.69	..	
..	70		4 75	15	0 05	..	
..	72		0 42	20	0 19	..	
..	73		0 30	21	0 14	..	
..	74		0 14	23	0.15	..	
..	75		0 09	25 भाग	2 14	..	
..	76		1 68	31	0.07	..	
..	77		0 43	36	0 13	..	
..	78		0 08	37	0.20	..	
..	79		0 05	42	0.03	..	
..	80		0 71	44	2.50	..	
..	81 भाग		0 69	49	0 17	..	
..	82 भाग		0 92	52	0 02	..	
..	83		0 54	53	0 03	..	
..	84		0 58	57	0 10	..	
..	85		0.57	59	0.68	..	
..	86		0 34	56/137	0.07	..	
..	87		0 14	63	0 23	..	
..	88 भाग		8 38	64	1 40	..	
..	89		0 24	65	0 25	..	
..	93		0 69	42/153 भाग	9.20	..	
..	94		2.10	101	1.70	..	
..	96		1.69	102	0 19	..	
..	97		1 65	103	0.48	..	
..	98		9 14	105	0 50	..	
..	99		0 95	107 भाग	3 52	..	
..	100		2 38	125 भाग	1 02	..	
..	104		0 45	142	0 20	..	
..	106		0 10	143	0 07	..	
..	108		0 56	90	0 93	..	
..	111		0 30	91	0 03	..	
..	113 भाग		0.17	92	0.05	..	
..	114 भाग		0.35	93/145	0 45	..	
..	121		0.20	66	0.68	..	
..	123		0.67	115	0.08	..	
..	126		0 35	94/146	0 43	..	
..	128		0.08	..	रोम	3	1.50	..	
..	130		0 15	4	0 94	..	
..	132		0 40	..	उन्हाट स० 2	5	0 18	..	
..	39/138		0 28	..	भड़ भास्वा	6	0.15	..	
..	139		0 44	..	बन्सक प्लाट स०	7	1 71	..	
..	140 भाग		0.24	..	117 और 215	8	2.06	..	
..	141		0.18	9	0.20	..	
..	144		0.55	..	पन्डरी ग्राम	10	0 16	..	
..	40/147		0 16	..	सीमा और सड़क	11	0 74	..	
..	148		0 12	12	1.23	..	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	91	13	0.45	प्रजित भूमि			59	0.14	"
पथ-मुर्गा बुद्ध	"	14	0.40	"			60	0.24	"
ग्राम और	"	15 भाग	1.52	"			61	0.02	"
सिन्धूर गोरी नल्ला	"	16	0.08	"			62	0.10	"
	"	17	0.06	"			63	0.19	"
	"	18	0.45	"			64	0.11	"
	"	19	0.40	"			65	0.22	"
	"	20	1.76	"			67	0.08	"
	"	21/1210	0.12	"			68	0.52	"
	"	21 भाग	1.33	"			69	0.02	"
	"	22	0.11	"			70	0.35	"
	"	23	0.20	"			71	0.15	"
	"	24	0.23	"			72	0.12	"
	"	25	0.08	"			73	0.06	"
	"	26	0.68	"			74	0.09	"
	"	27	0.28	"			75	0.08	"
	"	28	0.45	"			78	0.19	"
	"	29/1201	0.05	"			79	0.10	"
	"	29/1200	0.09	"			80	0.30	"
	"	29	0.46	"	सार्प		81	0.02	"
	"	30 भाग	0.46	"			82	0.06	"
	"	31	0.38	"			83	0.18	"
	"	32	0.47	"			84	0.10	"
	"	27/1202	0.04	"			85	0.18	"
	"	27/1208	0.06	"			86	0.14	"
	"	32/1203	0.04	"			94	0.28	"
	"	33/1204	0.18	"			95	0.09	"
रोम	"	34/1205	0.41	"			95/1250	0.14	"
	"	33	0.56	"			96	0.59	"
	"	34	0.57	"			100	1.57	"
	"	35 भाग	0.55	"			106	0.63	"
	"	36	0.17	"			108	0.66	"
	"	37	0.25	"			110	0.88	"
	"	38	0.45	"			111	0.44	"
	"	39	0.09	"			112	0.15	"
	"	40	0.00	"			113	0.10	"
	"	40/1206	0.62	"			115	1.01	"
	"	41	0.20	"			116	0.19	"
	"	42 भाग	0.18	"			123	0.02	"
	"	43	0.31	"			124	0.23	"
	"	44	0.17	"			127	1.45	"
	"	45	0.18	"			128	0.04	"
	"	46	0.34	"			129	0.02	"
	"	47	0.27	"			130	0.04	"
	"	48	0.11	"			131	0.03	"
	"	49	0.09	"			132	0.02	"
	"	50	0.11	"			133	0.05	"
	"	51	0.37	"			134	1.14	"
	"	52	0.21	"			136	0.55	"
	"	53	0.40	"			137	0.82	"
	"	54 भाग	0.40	"			141/1228	0.19	"
	"	55	0.20	"			140	0.06	"
	"	56	0.02	"			141 भाग	0.80	"
	"	57	0.12	"			144	0.11	"
	"	58	0.21	"					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
रोम	91	145	0.22	"	रोम	91	199	0.54	"
"	"	146	0.61	"	"	"	200	0.67	"
"	"	147	1.27	"	"	"	201	0.60	"
"	"	148	0.82	"	"	"	202	0.45	"
"	"	149	0.05	"	"	"	203	0.39	"
"	"	150	0.17	"	"	"	198/1258	0.20	"
"	"	151	0.82	"	"	"	198/1257	0.12	"
"	"	152	0.36	"	"	"	198/1256	0.10	"
"	"	11/1220	0.22	"	"	"	206	0.36	"
"	"	11/1209	0.15	"	"	"	207	0.24	"
"	"	154	0.52	"	"	"	212	0.14	"
"	"	155	0.35	"	"	"	207/1243	0.16	"
"	"	156	0.77	"	"	"	28/40	0.34	"
"	"	157	0.67	"	"	"	15 भाग	0.98	अनुमेय
"	"	158	0.78	"					कच्छा
"	"	159	0.55	"	"	"	42 भाग	2.35	अनुमेय
"	"	160	0.83	"					कच्छा
"	"	161	0.43	"	"	"	109 भाग	10.42	"
"	"	162	0.18	"	"	"	135 भाग	16.21	"
"	"	163	0.24	"	"	"	141	1.04	"
"	"	164	3.66	"	"	"	153	0.23	"
"	"	165	2.01	"	"	"	176	2.54	"
"	"	166	0.80	"	"	"	183 भाग	2.63	"
"	"	167	0.43	"	"	"	187	0.04	"
"	"	168	0.39	"	"	"	191	0.40	"
"	"	169	0.28	"	"	"	193 भाग	2.97	"
"	"	170	0.23	"	"	"	195 भाग	1.12	"
"	"	171	0.88	"	"	"	159/1225	0.10	"
"	"	172	0.52	"	"	"	370	18.55	"
"	"	173	0.97	"	मनिगोरा	94	366	1.39	"
"	"	174	0.46	"	मुख्य शाफ्ट	"	365	2.16	"
"	"	175	0.67	"	"	"	370	3.35	"
"	"	176/1221	0.44	"	क्षेत्रफल	"	372	3.58	"
"	"	177	0.48	"					
"	"	178	0.50	"					
"	"	179	0.72	"					
"	"	180	1.04	"					
"	"	181 भाग	1.68	"					
"	"	181/1242	0.65	"					
"	"	182 भाग	0.90	"					
"	"	184	0.93	"					
"	"	164/1262	1.62	"					
"	"	185	0.44	"					
"	"	186	0.55	"					
"	"	188	0.23	"					
"	"	189	0.36	"					
"	"	190 भाग	1.75	"					
"	"	192	0.07	"					
"	"	194	0.45	"					
"	"	195 भाग	0.24	"					
"	"	196	0.37	"					
"	"	197	0.35	"					
"	"	198	0.36	"					

[का० सं० 14/2/79-धातु-III]

सी० पी० एम० नायर, निदेशक

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O 3155. In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of gazetted officer of Government to be an estate officer for the purposes of the said Act, and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on an estate officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the Public Premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Name and designation of the officer	Categories of Public Premises and local limits of jurisdictions
1	2
Shri R.K. Singh, Personnel Officer, Hindustan Copper Limited, Rakha Copper Project, Singhbhum (Bihar)	Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by, or on behalf of the Hindustan Copper Ltd., as described in the Annexure.

ANNEXURE

Village	Thana No.	Plot Nos.	Area in Acres	Type of possession
1	2	3	4	5
Swaspur	Ghatsila	763	7.18	Acquired Land
N—Railway	(1105)	764	0.49	"
S—Village	"	765	11.04	"
Barapahar	"	766	0.49	"
E—Vill.	"	769	0.88	"
Gopalpur	"	770	0.97	"
"	"	771	0.31	"
W—D.B. Road & Plot No. 442	"	772	1.54	"
"	"	773	3.36	"
"	"	774	0.20	"
"	"	775	3.70	"
"	"	776	0.31	"
"	"	777	0.53	"
"	"	778	8.00	"
"	"	779	0.60	"
"	"	780	0.45	"
"	"	781	3.00	"
"	"	782	1.85	"
"	"	783	1.17	"
"	"	784 Portion	0.55	"
"	"	785 "	0.10	"
"	"	786 "	2.72	"
"	"	787	1.65	"
"	"	788	9.08	"
"	"	789	1.80	"
"	"	790	0.95	"
"	"	791	0.63	"
"	"	792	5.11	"
"	"	795	1.01	"
"	"	793	6.26	"
"	"	796	0.11	"
"	"	797	4.83	"
Gopalpur	1106	25	1.04	"
N—Railway	"	26	0.16	"
S—Barapahar	"	27	0.11	"
Village	"	28	1.55	"
E—Plot No. 100	"	30	0.11	"
W—Swaspur	"	31	2.08	"
Village	"	32	0.10	"
"	"	33	0.45	"
"	"	34	0.44	"
"	"	35	4.60	"

1	2	3	4	5
Gopalpur	1106	37 Portion	4.28	"
"	"	40 "	3.51	"
"	"	41 "	1.28	"
"	"	42	2.03	"
"	"	43	2.10	"
"	"	44	0.64	"
"	"	45	0.40	"
"	"	46	0.48	"
"	"	47	0.50	"
"	"	48	0.29	"
"	"	49	0.11	"
"	"	50	1.16	"
"	"	51	0.06	"
"	"	52	0.29	"
"	"	53	0.20	"
"	"	54	0.05	"
"	"	55	0.50	"
"	"	56	0.24	"
"	"	57	0.48	"
"	"	58	0.22	"
"	"	59	0.62	"
"	"	60	0.95	"
"	"	61	0.25	"
"	"	62	1.03	"
"	"	63	0.06	"
"	"	64	1.11	"
"	"	65	0.16	"
"	"	66	1.45	"
"	"	67	2.00	"
"	"	68	1.50	"
"	"	69	0.17	"
"	"	70	0.84	"
"	"	71	0.44	"
"	"	72	1.03	"
"	"	73	0.18	"
"	"	74	0.58	"
"	"	75	0.22	"
"	"	76	0.27	"
"	"	77	0.35	"
"	"	78	0.20	"
"	"	79	0.04	"
"	"	80	0.86	"
"	"	81	0.02	"
"	"	82	0.04	"
"	"	83	0.16	"
"	"	84	0.18	"
"	"	85	0.34	"
"	"	86	0.40	"
"	"	87	1.41	"
"	"	88	0.77	"
"	"	89	0.42	"
"	"	90	1.23	"
"	"	91	0.22	"
"	"	92	0.17	"
"	"	93	0.22	"
"	"	94 Portion	0.64	"
"	"	95 "	0.89	"
"	"	96	0.38	"
"	"	97	0.53	"
"	"	98 Portion	0.89	"
"	"	99	0.84	"
"	"	31/102	0.58	"
"	"	34/103	0.40	"
"	"	40/104	0.58	"
"	"	46/105	0.30	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1103	50/106	0.19	Acquir- ed Land	Barapahar	1107	61	0.41	"
							62Portion	17.18	"
							63	1.74	"
		52/107	0.07	"			64	1.56	"
		47/108	0.09	"			65	0.84	"
		60/109	0.19	"			66	0.62	"
		60/110	1.04	"			67	0.37	"
		60/111	0.30	"			82	0.14	"
		62/112	0.58	"			83	1.29	"
		35/113	0.22	"			91	0.83	"
		47/114	0.06	"			92	1.56	"
		75/115	0.26	"			93Portion	2.67	"
		93/116	1.40	"			94	0.57	"
		71/117	0.11	"			95	2.70	"
		64/118	0.14	"			96	0.56	"
Barapahar	1107	3	0.16	"			97	0.32	"
		4	0.22	"			98	0.22	"
N—Plot 1 and		5	0.76	"			99	0.14	"
" 308		6	0.28	"			100	0.10	"
S—Plot, 288, 289, &		7	0.23	"			101	0.09	"
& 290		8	0.19	"			102	0.14	"
E—Plot No. 219 & 209		9	0.07	"			103	0.35	"
W—Swaspur		10	0.08	"			104	0.04	"
Village		11	1.06	"			105	0.33	"
Boundary		12	0.20	"			106	0.41	"
		13	0.30	"			107	0.71	"
		14	1.25	"			108	0.20	"
		15	0.36	"			109	0.23	"
		16	0.17	"			116	1.01	"
		17	0.38	"			117	0.39	"
		18	0.08	"			118	1.05	"
		19	0.17	"			119	0.19	"
		20	1.08	"			120	0.06	"
		21	0.34	"			121	0.06	"
		22	0.16	"			122	0.09	"
		23	0.11	"			125	0.20	"
		24	0.24	"			127	0.06	"
		25	0.28	"			128	0.39	"
		26	0.14	"			130	0.16	"
		27	0.97	"			132	0.21	"
		28	0.44	"			133	0.11	"
		29	1.57	"			134	0.08	"
		30	0.31	"			135	0.10	"
		32	0.34	"			140	0.10	"
		39	0.06	"			141	0.21	"
		40	0.14	"			142	0.26	"
		41	0.42	"			143	0.25	"
		42	0.10	"			144	0.73	"
		43	0.08	"			145Portion	0.49	"
		44	0.06	"			146	1.46	"
		45	0.17	"			147	0.90	"
		46	0.84	"			148	1.27	"
		47	0.50	"			149	0.09	"
		48	0.23	"			150	0.55	"
		49	0.21	"			151	0.11	"
		50	0.71	"			152	0.51	"
		51	0.65	"			153	0.64	"
		53	0.91	"			159	0.50	"
		54	0.22	"			160	0.50	"
		55	0.26	"			161	0.21	"
		56	0.73	"			162	0.54	"
		58	0.47	"			163	0.13	"
		59	0.80	"					
		60	0.41	"					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Barapahar	1107	164	1.98	Acquired land	Barapahar	1107	241	0.04	Acquir- ed land
"	"	165	2.67	"	"	"	242	0.15	"
"	"	166	0.10	"	"	"	243	0.06	"
"	"	167	0.73	"	"	"	244	0.96	"
"	"	168	1.73	"	"	"	245	0.09	"
"	"	159	1.02	"	"	"	246	0.03	"
"	"	171	0.43	"	"	"	247	1.81	"
"	"	172 Portion	0.12	"	"	"	249	0.17	"
"	"	173	0.48	"	"	"	250	0.17	"
"	"	175	0.16	"	"	"	251	0.08	"
"	"	178	1.19	"	"	"	252	1.43	"
"	"	187	1.56	"	"	"	253	0.16	"
"	"	188	0.51	"	"	"	254	0.36	"
"	"	189	0.76	"	"	"	255	0.15	"
"	"	190	0.61	"	"	"	256	0.04	"
"	"	191	0.95	"	"	"	257	0.04	"
"	"	192	1.16	"	"	"	258	0.04	"
"	"	193	2.35	"	"	"	259	0.48	"
"	"	194	0.69	"	"	"	260 Portion	0.88	"
"	"	195	1.10	"	"	"	261	0.42	"
"	"	196	0.25	"	"	"	263	0.53	"
"	"	197	0.10	"	"	"	264	0.15	"
"	"	198	0.44	"	"	"	265	0.06	"
"	"	199	0.10	"	"	"	266	0.48	"
"	"	200	0.37	"	"	"	267	0.14	"
"	"	201	0.42	"	"	"	268	0.54	"
"	"	202	0.19	"	"	"	269	0.67	"
"	"	203	0.36	"	"	"	270	0.39	"
"	"	204	1.47	"	"	"	271	0.12	"
"	"	205	0.55	"	"	"	272	0.56	"
"	"	206	0.80	"	"	"	274	0.21	"
"	"	207	0.25	"	"	"	275	0.53	"
"	"	208	0.61	"	"	"	279	0.28	"
"	"	209	0.50	"	"	"	280 Portion	0.77	"
"	"	210	0.87	"	"	"	281	0.19	"
"	"	211	0.51	"	"	"	282	0.12	"
"	"	212	0.27	"	"	"	283 Portion	1.60	"
"	"	213	0.10	"	"	"	284	0.59	"
"	"	214	0.69	"	"	"	285	0.32	"
"	"	216	0.30	"	"	"	286	0.54	"
"	"	217	0.29	"	"	"	292	0.10	"
"	"	218	0.26	"	"	"	293	0.07	"
"	"	219	0.73	"	"	"	294	0.09	"
"	"	220	0.04	"	Gopalpur	"	296	0.20	"
"	"	221	0.50	"	"	"	297	0.02	"
"	"	223	0.91	"	"	"	298	0.34	"
"	"	225	0.06	"	"	"	299	0.41	"
"	"	226	0.20	"	"	"	300	0.58	"
"	"	227	0.09	"	"	"	301	0.38	"
"	"	228	0.17	"	"	"	302	0.21	"
"	"	229	0.20	"	"	"	303	0.15	"
"	"	230	0.02	"	"	"	304	0.07	"
"	"	231	0.02	"	"	"	305	0.16	"
"	"	232	0.11	"	"	"	306	0.24	"
"	"	233	0.18	"	"	"	307	1.00	"
"	"	234	0.36	"	"	"	284/310	0.73	"
"	"	235	0.15	"	"	"	272/311	0.15	"
"	"	236	0.68	"	"	"	308/312 Portion	2.52	"
"	"	237	0.14	"	"	"	300/314	0.36	"
"	"	238	0.21	"	"	"	302/315	0.36	"
"	"	239	2.93	"	"	"	2/316	1.88	"
"	"	240	0.13	"	"	"	62/318	1.62	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Gopalpur (Contd.)	1107	62/319	2.94	Acquir- ed land	Murugeghuttu—(contd)	92	29	0.14	Acquir- ed Land
	"	194/321 Portion	0.09	"		"	30	0.15	"
	"	244/322	0.16	"		"	32	0.06	"
	"	3/323	0.53	"		"	33	0.55	"
	"	24/324	0.22	"		"	34	0.54	"
	"	93/325	1.70	"		"	35	0.37	"
	"	181/326	0.01	"		"	38	0.77	"
	"	183/327	0.02	"		"	39	0.14	"
Tentuldanga	93	192 Portion	0.16	"		"	40	0.23	"
N—Garanalla &	"	193	0.12	"		"	41	2.80	"
P.W.D. Road	"	194	3.74	"		"	43	0.25	"
S—P. W. D. Road	"	222	2.48	"		"	46	0.22	"
Matigora	"	195	2.02	"		"	47	0.15	"
Vill. Boundary	"	197	4.76	"		"	2/152	0.94	"
E—Murgaghuttu	"	199	0.96	"		"	48	0.07	"
Vill. Boundary	"	200	2.70	"		"	50	0.47	"
W. D.B. Road	"	201	1.80	"		"	51	0.82	"
Plot No. 189 &	"	202	2.64	"		"	54	0.49	"
Matigora	"	203	3.30	"		"	55	1.34	"
Plot No. 365	"	204	0.10	"		"	56	0.46	"
	"	205	0.84	"		"	60 Portion	0.17	"
	"	206 Portion	0.85	"		"	61 "	1.05	"
	"	207 "	0.52	"		"	62	1.04	"
	"	208	0.93	"		"	67 Portion	0.49	"
	"	210	0.85	"		"	68	0.18	"
	"	212	0.32	"		"	70	4.75	"
	"	213	0.30	"		"	72	0.42	"
	"	214	0.66	"		"	73	0.30	"
	"	215	1.35	"		"	74	0.13	"
	"	216 Portion	1.82	"		"	75	0.09	"
	"	217 "	0.11	"		"	76	1.68	"
	"	220 "	24.18	"		"	77	0.43	"
	"	191	10.00	Perm- sive possession.		"	78	0.08	"
	"					"	79	0.05	"
	"					"	80	0.71	"
	"	192	0.56	"		"	81 Portion	0.69	"
	"	193	0.46	"		"	82 "	0.22	"
	"	196	0.85	"		"	83	0.54	"
	"	198	0.50	"		"	84	0.58	"
	"	209	0.16	"		"	85	0.57	"
	"	211	0.55	"		"	86	0.34	"
	"	218	0.29	"		"	87	0.14	"
Murgaghuttu	92	2 Portion	0.72	Acquir- ed Land		"	88 Portion	8.38	"
	"	3	0.63	"		"	89	0.24	"
N—Plot No. 1	"	11	0.11	"		"	93	0.69	"
S—Matigora &	"	5	0.09	"		"	94	2.10	"
Road Vill.	"	6	0.11	"		"	96	1.69	"
Boundary	"	7	0.16	"		"	97	1.65	"
E—Sundergori	"	8	1.25	"		"	98	9.14	"
Nala	"	9	0.22	"		"	99	0.95	"
W—Tentuldanga	"	10	0.12	"		"	100	2.38	"
Vill Boundary	"	11	0.37	"		"	104	0.45	"
	"	16	0.08	"		"	106	0.10	"
	"	17	0.30	"		"	108	0.56	"
	"	18	0.31	"		"	111	0.30	"
	"	19	0.55	"		"	113 Portion	0.17	"
	"	22	0.10	"		"	114	0.35	"
	"	24	0.07	"		"	121	0.20	"
	"	25 Portion	0.32	"		"	123	0.67	"
	"	26	0.14	"		"	126	0.35	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Margaghuttu—contd.					Roam				
				Acqui- red land					Acqui- red land
92	128	0.08	"		N—Plot No. 2	91	5	0.18	"
"	130	0.15	"		Garah Nalla	"	6	0.15	"
"	132	0.40	"		S—Road Plot Nos.	"	7	1.71	"
"	39/138	0.28	"		117 & 215	"	8	2.06	"
"	139	0.44	"			"	9	0.20	"
"	140 Portion	0.24	"		E—Digri Vill.	"	10	0.16	"
"	141	0.18	"		Boundary &	"	11	0.74	"
"	144	0.55	"		Road	"	12	1.23	"
"	40/147	0.16	"			"	13	0.45	"
"	148	0.12	"		W—Murgaghuttu	"	14	0.40	"
"	149	0.70	"		Vill. &	"	15 Portion	1.52	"
"	150	0.01	"		Sindurgori	"	16	0.09	"
"	151	4.30	"		Nalla	"	17	0.06	"
"	2 Portion	4.08	Premis- sive possession.			"	18	0.45	"
"						"	19	0.40	"
"						"	20	1.76	"
"	4/135	0.02	"			"	21/1210	0.12	"
"	6/136	0.02	"			"	21 Portion	1.33	"
"	12	0.01	"			"	22	0.17	"
"	13	0.03	"			"	23	0.20	"
"	14	0.69	"			"	24	0.23	"
"	15	0.05	"			"	25	0.08	"
"	20	0.19	"			"	26	0.68	"
"	21	0.14	"			"	27	0.28	"
"	23	0.15	"			"	28	0.45	"
"	25 Portion	2.14	"			"	29/1201	0.05	"
"	31	0.07	"			"	29/1200	0.09	"
"	36	0.13	"			"	20	0.46	"
"	37	0.20	"			"	30 Portion	0.46	"
"	42	0.03	"			"	31	0.38	"
"	44	2.50	"			"	32	0.47	"
"	49	0.17	"			"	27/1202	0.04	"
"	52	0.02	"			"	27/1208	0.06	"
"	53	0.03	"			"	32/1203	0.04	"
"	57	0.10	"			"	33/1204	0.18	"
"	59	0.68	"			"	34/1205	0.41	"
"	56/137	0.07	"			"	33	0.56	"
"	63	0.23	"			"	34	0.57	"
"	64	1.40	"			"	35 Portion	0.55	"
"	65	0.25	"			"	36	0.17	"
"	42/153 Portion	9.20	"			"	37	0.25	"
"	101	1.70	"			"	38	0.45	"
"	102	0.19	"			"	39	0.09	"
"	103	0.46	"			"	40	0.30	"
"	105	0.50	"			"	40/1206	0.62	"
"	107	3.52	"			"	41	0.20	"
"	125	1.02	"			"	42 Portion	0.18	"
"	142	0.20	"			"	43	0.31	"
"	143	0.07	"			"	44	0.17	"
"	90	0.98	"			"	45	0.18	"
"	91	0.03	"			"	46	0.34	"
"	92	0.05	"			"	47	0.27	"
"	93/145	0.45	"			"	48	0.11	"
"	66	0.68	"			"	49	0.09	"
"	115	0.08	"			"	50	0.11	"
"	94/146	0.43	"			"	51	0.37	"
Roam	91	3	1.50	Acqui- red Land		"	52	0.21	"
"						"	53	0.40	"
"	4	0.94	"			"	54 Portion	0.40	"
"						"	55	0.20	"
"						"	56	0.02	"
"						"	57	0.12	"
"						"	58	0.21	"
"						"	59	0.14	"
"						"	60	0.24	"
"						"	61	0.02	"

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Roam	91	62	0.10	Acqui- red land	Roam	„	157	0.67	Acqui- red land
„	63	0.19	„	„	91	158	0.78	„	„
„	64	0.11	„	„	„	159	0.55	„	„
„	65	0.22	„	„	„	160	0.83	„	„
„	67	0.08	„	„	„	161	0.43	„	„
„	68	0.52	„	„	„	162	0.18	„	„
„	69	0.02	„	„	„	163	0.24	„	„
„	70	0.35	„	„	„	164	3.66	„	„
„	71	0.15	„	„	„	165	2.01	„	„
„	72	0.12	„	„	„	166	0.80	„	„
„	73	0.06	„	„	„	167	0.43	„	„
„	74	0.09	„	„	„	168	0.39	„	„
„	75	0.08	„	„	„	169	0.28	„	„
„	78	0.19	„	„	„	170	0.23	„	„
„	79	0.01	„	„	„	171	0.88	„	„
„	80	0.30	„	„	„	172	0.52	„	„
„	81	0.02	„	„	„	173	0.97	„	„
„	82	0.06	„	„	„	174	0.46	„	„
„	83	0.18	„	„	„	175	0.67	„	„
„	84	0.10	„	„	„	176/1224	0.44	„	„
„	85	0.18	„	„	„	177	0.48	„	„
„	86	0.14	„	„	„	178	0.50	„	„
„	94	0.28	„	„	„	179	0.72	„	„
„	95	0.09	„	„	„	180	1.04	„	„
„	95/1250	0.14	„	„	„	181 Portion	1.68	„	„
„	96	0.59	„	„	„	181/1242	0.65	„	„
„	100	1.57	„	„	„	182 Portion	0.90	„	„
„	106	0.63	„	„	„	184	0.93	„	„
„	108	0.66	„	„	„	164/1262	1.62	„	„
„	110	0.88	„	„	„	185	0.44	„	„
„	111	0.44	„	„	„	186	0.55	„	„
„	112	0.15	„	„	„	188	0.23	„	„
„	113	0.10	„	„	„	189	0.36	„	„
„	115	1.01	„	„	„	190 Portion	1.75	„	„
„	116	0.19	„	„	„	192	0.07	„	„
„	123	0.02	„	„	„	194	0.45	„	„
„	124	0.23	„	„	„	195 Portion	0.24	„	„
„	127	1.45	„	„	„	196	0.37	„	„
„	128	0.04	„	„	„	197	0.35	„	„
„	129	0.02	„	„	„	198	0.36	„	„
„	130	0.04	„	„	„	199	0.54	„	„
„	131	0.03	„	„	„	200	0.67	„	„
„	132	0.02	„	„	„	201	0.60	„	„
„	133	0.05	„	„	„	202	0.45	„	„
„	134	1.14	„	„	„	203	0.39	„	„
„	136	0.55	„	„	„	198/1258	0.20	„	„
„	137	0.82	„	„	„	198/1257	0.12	„	„
„	141/1226	0.19	„	„	„	198/1256	0.10	„	„
„	140	0.06	„	„	„	206	0.36	„	„
„	141 Portion	0.80	„	„	„	207	0.24	„	„
„	144	0.11	„	„	„	212	0.14	„	„
„	145	0.22	„	„	„	207/1243	0.16	„	„
„	146	0.61	„	„	„	28/40	0.34	„	„
„	147	1.27	„	„	„	15 Portion	0.98	Per- mis- sive Posses- sion.	„
„	148	0.82	„	„	„	42	2.35	„	„
„	149	0.05	„	„	„				
„	150	0.17	„	„	„				
„	151	0.82	„	„	„				
„	152	0.36	„	„	„				
„	11/1220	0.22	„	„	„				
„	11/1209	0.15	„	„	„				
„	154	0.52	„	„	„				
„	155	0.35	„	„	„				
„	156	0.77	„	„	„				

1	2	3	4	5
Roam	91	109 Portion	10.42	Per-
	..	135 ..	16.21	mis-
	..	141 ..	1.04	sive
	..	153 ..	0.23	posses-
	..	176 ..	2.54	sion
	..	183 Portion	2.63	..
				..
				..
	..	187	0.04	..
	..	191	0.40	..
	..	193 Portion	2.97	..
	..	195 ..	1.12	..
	..	159/1225	0.10	..
	..	370	18.55	..
Matigora	94	366	1.39	..
Main Shaft	365	2.16	..
	..	370	3.35	..
Area	372	3.58	..

[F.No. 14/2/79-Met.III]
C.P.S. NAJR, Director

संचार संचालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली 29 अगस्त, 1979

कां० प्रा० 3156—जबकि भोपाल टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली के स्थानीय क्षेत्र में परिवर्तन लाने के लिए एक मार्बजनिक्त सूचना, जैसा कि भारतीय तार नियमावली 1951 के नियम 434(2)(iii) में अपेक्षित है, भोपाल में परिष्कृत होने वाले समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी जिसमें उन सभी व्यक्तियों से आपत्तियों और सुझाव, समाचार पत्रों में सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर मांगे गए थे, जिन पर इनका प्रभाव पड़ सकता है।

और जबकि उक्त सूचना हिन्दी के दैनिक 'नव भारत' में दिनांक 23-3-79 को, हिन्दी के दैनिक 'दैनिक अन्क' में दिनांक 22-3-79 को, हिन्दी के दैनिक 'दैनिक भास्कर' में दिनांक 23-3-79 को, अंग्रेजी के दैनिक 'हितावदा' में दिनांक 23-3-79 को तथा अंग्रेजी के दैनिक 'एम एन क्रोनिकल' में दिनांक 23-3-79 को उपलब्ध करा दी गई है।

और जबकि उक्त सूचना के उत्तर में जन साधारण से मिली आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमावली के नियम 434(3)(iii) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत में महानिदेशक, डाकतार, एतद्वारा घोषित करता है कि तारीख 16-9-79 से भोपाल का परिवर्तन स्थानीय क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

भोपाल टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली :

भोपाल का स्थानीय क्षेत्र जैसा कि अधिसूचना की तारीख को है वही होगा जो कि भोपाल नगर निगम के अन्तर्गत पड़ता है, किन्तु टेलीफोन उपपक्षता को कि भोपाल नगर निगम की सीमा के बाहर स्थित है, किन्तु

जिन्हें भोपाल टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती है, वे इस प्रणाली के किन्हीं भी एक्सचेंज से जब तक 5 कि०मी०टर दूरी के भीतर स्थिर रहेंगे और इस प्रणाली में जुड़ रहे हों तब तक स्थानीय शुल्क दर से भुगतानी करेंगे।

[सं० 3-7/76-सीएचबी
एम०बी० राम मूर्ति, निदेशक फोन्स (ई)]

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 29th August, 1979

S.O. 3156.—Whereas a public notice for revising the local area of Bhopal Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Bhopal, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 23-3-1979 in Hindi Daily "Nava Bharat", on 22-3-1979 in Hindi Daily "Dainik Alok" on 23-3-1979 in Hindi Daily "Dainik Bhaskar" on 23-3-1979 in English Daily "Hitavada" and on 23-3-1979 in English Daily "M. P. Chronicle".

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-9-79 the revised local area of Bhopal shall be as under;

Bhopal Telephone System

The local area of Bhopal shall cover an area falling under the Jurisdiction (as on the date of notification) of Bhopal Municipal Corporation provided that the telephone subscribers located outside Bhopal Municipal Corporation limits but who are served from Bhopal telephone Exchange system shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 KMs of any exchange of this system and remain connected to it.

[No. 3-7/76-PHB]
M. B. RAMAMURTHY, Director Phones(E)

रेल संचालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1979

कां० प्रा० 3157—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1990 का अधिनियम 9) की धारा 82-बी द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 18-5-79 को दक्षिण पूर्व रेलवे के बृगाइन स्टेशन पर 3-अप हावड़ा-मद्रास सेन और के-121 अप हावड़ा-खड़गपुर बिजली लोकल गाड़ी के बीच हुई दुर्घटना से उत्पन्न सभी खर्चों का निपटारा करने के लिये एतद्वारा श्री एम० एन० राय, अंतरिक्ष जिला और सन्न व्यायाधीश, प्रलीपुर, 24 परगना, पश्चिम बंगाल, को शर्वा भ्रायुक्त के रूप नियुक्त करती है। उसका मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

[सं० 79/ई (ओ०) II/1/1]

प्र० ना० मोहिले,

सचिव, रेलवे बोर्ड, एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव
New Delhi, the 29th August, 1979

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 29th August, 1979

S.O. 3157.—In exercise of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (ACT IX of

1890), the Central Government hereby appoints Shri M. N. Roy, Additional District and Sessions Judge, Alipore, 24 Paraganas, West Bengal as Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of the accident involving 3 UP Howrah Madras Mail and K-121 UP Howrah-Kharagpur Electric local train at Changail Station on S.E. Railway on 18-5-74. His headquarters will be at Calcutta.

[No. 79/E(O)II/1/1]

P. N. MOHILE, Secy. Railway Board & ex-officio Joint Secy. to the Govt. of India

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 27th August, 1979

S.O. 3158.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay in the industrial dispute between the managements of Messrs Kathiawar and Malabar Coasts Lighterage Company, Messrs Noorbhai Gullabbhai Khanbhai & Messrs S. K. More and Sons, Bombay and their workmen which was received by the Central Government on 22nd August, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, JUSTICE C. T. DIGHE ESQR. CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

Reference No. CGIT-18 of 1978

Employers in relation to the Managements of Messrs Kathiawar and Malabar Coasts Lighterage Company, Messrs Noorbhai Gullabbhai Khanbhai and Messrs S. K. More and Sons, Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—P. Ramaswami, Advocate.

For the workmen—K. M. Rao, General Secretary.

STATE : Maharashtra. INDUSTRY : Port & Dock.

AWARD

Bombay, the 16th August, 1979

The Government of India, in the Ministry of Labour vide its order No. L-31011(4)/78-D. IV(A) dated the 23rd June, 1978 referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

Whether the demands of the barge crew of Messrs Kathiawar and Malabar Coasts Lighterage Company, Messrs Noorbhai Gullabbhai Khanbhai and Messrs S. K. More, and Sons, Bombay for introduction of 8 hours shift and revision of wages, and rate of overtime allowance are justified? If so, to what relief are the workmen concerned entitled?

2. In the statement of claim the New National Dock Workers' Union (Regd.) which represented the workers took the stand that the dispute between the three companies mentioned above and their workman was already settled and that although earlier there had been a dispute and a strike, the matter was settled and the strike was called off.

3. In the statement given by the three companies through their Advocate Mr. P. Ramaswami it was said that the settlement arrived at between one of the parties was under duress. The settlement was unworkable and that is exactly why the Conciliation Officer was persuaded to make a failure report.

4. While the reference was pending with this Tribunal Messrs Mulla & Mulla & Craigie Blunt & Caree representing the Bombay Lighterage Contractors Association filed an application for making the Association as a party. That Association had six members as listed in their application namely,

Messrs Ardeshir B. Cursetjee & Sons Pvt. Ltd., Messrs Eastern Bunkers Ltd., Messrs Vinsons, Messrs Robinsons, Messrs Hill, Son & Dinshaw Pvt. Ltd. and Messrs Darabshaw B. Cursetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd. The Workers' Union had opposed making them a party. It seems, however, that among five of these companies excluding Messrs Eastern Bunkers Ltd. a settlement was arrived at before the Conciliation Officer on the 4th May, 1979. The Union's representative produced a copy of the Settlement and requested the Tribunal to close the reference. Subsequently, Mr. Ramaswami representing the three companies intimated this Tribunal by an application dated 31st July, 1979 that an Award could be passed in terms of that settlement.

5. The question however, survived regarding making Bombay Lighterage Contractors Association a party to the reference. In normal course that would have been denied since the three firms mentioned in the schedule had agreed to an Award in terms of the settlement. The Lighterage Association however, insisted upon addressing the Tribunal on the question of making them also a party by introducing a statement that they were agreeable to the Award in terms of the settlement entered. Mr. Ramaswami on behalf of the three companies mentioned in the schedule agree to the Association being made a party and so intimated the Court on 3rd August, 1979. The Union's representative after some consultation has consented to the five companies out of the six companies excluding Messrs Eastern Bunkers Limited being made a party to the reference vide precipie given by Messrs Mulla & Mulla & Craigie Blunt & Caree on 6-8-1979. In view of it the five companies namely, Messrs Ardeshir B. Cursetjee & Sons Pvt. Ltd., Messrs Vinsons, Messrs Robinsons, Messrs Hill, Son & Dinshaw Pvt. Ltd., and Messrs Darabshaw B. Cursetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd. are made parties to this reference. Consequently there would be an Award in terms of the settlement in respect of the workers represented by New National Dock Workers' Union, the three firms mentioned in the schedule namely, Messrs Kathiawar and Malabar Coasts Lighterage Company, Messrs Noorbhai Gullabbhai Khanbhai and Messrs S. K. More and Sons, and the five companies namely, Messrs Ardeshir B. Cursetjee & Sons Pvt. Ltd., Messrs Vinsons, Messrs Robinsons, Messrs Hill, Son & Dinshaw Pvt. Ltd. and Messrs Darabshaw B. Cursetjee Sons (Bombay) Pvt. Ltd.

6. The terms of settlement have been agreed upon before the Conciliation Officer. Since a reference is made there will have to be an Award in terms of that settlement. Some of the clauses however appear redundant.

7. Copying the relevant part of the Settlement I pass my Award as follows binding the eight firms referred to above :

(i) Whatever wages workers are getting for the day shift at present, the same will be paid in Second Shift and Third Shift.

(ii) Strike period will be adjusted against the leave due, and leave without pay if no leave is due.

(iii) One extra crew will be taken as permanent for each barge over and above the present strength of the permanent crew and the management will have the right to appoint them on any barge as and when required without any notice, by oral instructions and the union shall not interfere in their posting etc. 80 workers of A, B, C and 40 of Kathiawar & Malabar will be made permanent.

(iv) The settlement shall be binding on all the parties for a period of twelve months from the 4th May, 1979 and during the next twelve months, the union shall not raise any new demands and that this shall be the full and final settlement and no further demand shall be considered as pending.

C. T. DIGHE, Presiding Officer

[No. L-31011(4)/78-D. IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer.

S.O. 3159.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bokaro Colliery of Central Coalfields Limited, Post

Office Bermo, District Giridih and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd August, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER SHRI S. N. JOHRI,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

NO. 1 DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 31 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bokaro Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Bermo, District Giridih.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen.—Shri Saifque Khan, General Secretary, United Coal Workers Union, Giridih.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

AWARD

Jabalpur, the 12th August, 1979

By the order No. L-20012/71/78-DIII(A) dated 19-9-1978 the Government of India in the Ministry of Labour referred the following dispute for adjudication by this Tribunal.

"Whether the action of the management of Bokaro Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office Sunday Bazar (Bermo), District Giridih in retiring Sri Mangal Kole with effect from 8th January, 1978, is justified. If not, to what relief is the workman entitled?"

2. It is not disputed that Sri Mangal Kole appointed on 24-1-1952, was a permanent coal cutter (piece rated) working at quarry No. 2 of the Colliery. His date of birth was recorded as 10-6-1924 in the identity card that was issued to him, while his service sheet mentioned it as 1-5-1916. In the Area Consultative Committee meeting held on 27-1-1976 at Kargali between the management and Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh and United Coal Workers Union representatives (organising Secretary and Zonal Secretary respectively) it was decided as under vide minutes recorded in Ext. W-4, the relevant part of which may be reproduced as follows :—

"The problem posed by over aged piece rated workers and Saunda female workers at Kargali and Bokaro was discussed in great detail and the following decisions were taken :

- (a) Husband and wife team as well as Saunda Kamins who have crossed the age of 60 years should be given a month's notice for compulsory retirement. If there is a dispute as to the age such cases could be referred to a committee of the project officer, medical officer and colliery manager for a final decision. The overaged couples can utilise this notice period for nominating their son, if any, to be employed in their places for piece rated work in underground mine. Likewise Saunda Kamins to be compulsorily retired will be eligible to nominate an able bodied husband/son to be employed as piece rated worker in underground mines.
- (b) Husband-wife team who have not reached the age of retirement, will also be permitted to retire voluntarily and nominate their one son for piece rated employment in the quarries.

Likewise two piece rated workers or two time-rated workers or one piece-rated and one time-rated worker together would likewise be permitted to retire voluntarily and nominate the son of either of the two, to work as a piece rated worker in the underground."

3. Vide Ext. W-2 the Dy. Chief Mining Engineer, Bokaro ordered Sri Mangal Kole and 17 other on 1-12-1977 to appear before the age assessment committee on 7-12-1977 at Bokaro Colliery hospital. The committee after examination reported on that date that Sri Mangal Kole and completed 60 years of age on that date. Consequently one month's notice Ext. W-1 was given to him and he was retired from service on 8-1-1978. A dispute was raised before A.L.C.

4. Meanwhile, when that dispute was pending, a conciliation settlement was arrived at between the two aforesaid unions and the management on 21-2-1978 in connection with the various workers (Sri Mangal Kole was not one of them) who had been so superannuated. The relevant portion of that settlement Ext. M-2 may be reproduced as under :—

"Para 6 : Agreed that in view of the above the pending case, if any, of similar nature stand withdrawn."

As said above Shri Mangal Kole's case was pending at that time.

5. Union's case is that there was no age of retirement fixed in the colliery by the Standing Orders or otherwise and a piece-rated worker could work till he was able bodied. Retiring Sri Mangal Kole on the plea that he attained the age of 60 years was therefore unjustified. Moreover there was nothing to disbelieve the entry of the date of birth in the identity card according to which the workman would have retired on 10-6-1984. Further even when he was retired on the plea of attaining the age of 60 years, as per agreement Ext. W-4 he should have been given an option to nominate his son. The settlement dated 21-2-1978 related only to the persons about whose retirement the dispute had been raised and Sri Mangal Kole was not one of them hence it did not apply to his case and that settlement does not bar these proceedings.

6. Management's case is that the reference was not tenable as no dispute remained pending after the settlement dated 21-2-1978. Even otherwise Sri Mangal Kole had been made to retire as per age assessment committee report, the decision of which was final as per agreement recorded in the minutes of the meeting Ext. W-4.

7. The two unions pressed their demand for the formation of Appellate Committee for age assessment, not only with respect to the workers who were to retire but also with respect to the workers who had retired in the recent past (See short recital of the case in the Conciliation Settlement Ext. M-2). Sri Mangal Kole was one such employee who had retired in the recent past—hardly a month ago. However his dispute was already pending hence his name was not included in the list of the retired persons Annexure-I to Ext. M-2. It was provided in para 6 reproduced above that pending disputes would stand withdrawn. The union which had sponsored the case of Sri Mangal Kole before the Conciliation Officer was a party to this dispute as well.

8. The question whether the dispute of Sri Mangal Kole stood withdrawn under the aforesaid general clause 6 of the Conciliation Statement? The dispute of premature retirement amounted to a dispute of termination of service as per law laid down in State Bank of India vs. Sundra Money 1976 (13) SCJ. 85. Such a dispute could be raised before A.L.C. by the workman himself U/S 2A of I.D. Act. The union raised it only as a representative of the workman U/S 36 of the I.D. Act. When that dispute was pending before A.L.C. the union could not withdraw the same by a Conciliation settlement with the management unless authorised by the workman to do so. There is nothing on record to show that the union had been so authorised. As such it cannot be said that the union represented Sri Mangal Kole while signing the settlement Ex. M-2. Such a settlement to which Sri Mangal Kole was not a party could not bind him U/S 18(3)(d) of I.D. Act because Sri Mangal Kole was not in employment on the date on which the settlement had been signed. As such even inspite of clause (6) in the settlement that pending disputes shall stand withdrawn, the dispute of this workman continued to remain validly pending and as such the reference was valid and this Tribunal has jurisdiction to deal with it.

9. Agreement incorporated in the minutes of discussion Ext. W-4 and consequent orders issued vide Ext. W-3 as well as the retirements effected thereafter and the conciliation settlement arrived at as Ext. M-2 fully established that the

management as well as the unions and workman had accepted the age of 60 years as the age of superannuation. It is therefore too late in the day to plead or argue that there was no age of superannuation.

10. As per Conciliation Settlement it was agreed that since the date of birth was arbitrarily recorded in service sheets hence workers should be allowed an opportunity to appeal against the findings of age assessment committee for which a procedure was laid down. The cases of recently retired persons mentioned in Annexure I to the settlement were agreed to be reviewed but not the case of Sri Mangal Kole about whom it is said that clause 6 of unconditional withdrawal operated without giving him that opportunity of review, which had allowed to others. There was no rhyme or reason for so distinguishing his case. It was unreasonable discrimination.

11. It is therefore held that the case of age assessment of Sri Mangal Kole should be reviewed by the appellate committee as per procedure laid down in the settlement, as if his name is included in Annexure I of the same and the decision so arrived at shall be final. If the finding goes in his favour he shall be granted full back wages as if he continued in service and if the finding goes against him he shall be given an option to nominate his son as per terms of agreement incorporated in minutes of discussion dated 27-1-1976. Ext. W-4. The reference is answered accordingly. The justification of retirement will depend upon the decision of the appellate committee as said above. The management shall pay Rs. 50 as costs of the union.

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. 1-20012/71/78-D.III(A)]

S.O. 3160.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kujama Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd August, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, SHRI S. N. JOHRI,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 1 AT DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of
the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 41 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kujama
Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited.
Post Office Jharia, Distt. Dhanbad

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen.—Shri S. Bose, Secretary. Rashtriya
Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

AWARD

Jabalpur, the 12th August, 1979

By Order No. L-20012/83/78-D.III.(A) dated 26-10-1978
the Government of India in the Ministry of Labour referred
the following dispute for adjudication by the Tribunal :

"Whether the action of the management of Kujama
Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited,
Post Office Jharia, District Dhanbad in terminating
the services of Shri Rambrich Singh, Loading Clerk,
is justified? If not, to what relief is the said work-
man entitled?"

2. It is not disputed that Shri Rambrich Singh, Loading
Clerk, should have attained the age of 60 years on 1-7-1979
when he should have normally retired, but he was made to
retire on 20-11-1976 on the basis of the report of the Medical

Board that he was of 62 years of age was unfit work.

3. Union's case is that the workman was physically fit and
his age was only about 57 years when he was compulsorily
retired. The protests and representations had no effect.

4. Management's case is that the reference is not legally
maintainable. Shri Rambrich Singh worked only for 5 days
from May to August 1976 because of his old age and ill
health. He was, therefore, referred to Medical Board which
gave the finding that he was not physically fit to work and
that he had attained the age of 62 years, hence he was
retired from service.

5. I have gone through the evidence and I have seen and
examined the workman concerned and his vision was tested
in open court. The decision to retire him either prematurely
on account of the finding that he was not physically fit to
work or on account of having crossed the age of super-
annuation, was clearly a manipulation for the following
reasons.

6. His date of birth written in the Identity Card Ext. W-1
is 1-7-1919. The Card is prepared on the basis of Form B
Register. It can, therefore, be presumed, specially because
the management has failed to produce that register, that this
date of birth must be there in Form B Register as well. There
is no rebuttal to this evidence. The management has not dis-
puted or doubted this date or the entry in the Identity Card to
be a false entry. There was no question of disbelieving or
doubting it at the time when the case of Shri Rambrich Singh
alongwith many others was referred to the Medical Board. It
is then not clear as to how he was sent up to the Medical
Board for age check up. It is noteworthy that the Board was
constituted of Doctors subordinate to the same management
which had made the reference. By certifying his age as 62
years without applying the tests necessary for age declaration,
the doctors constituting the Board exposed the hollowness of
their professional independence, so vital for the persons who
practice the learned profession. They were doctors not magi-
cians or astrologers or persons endowed with supernatural
powers who could predict the age as 62 years merely by
looking at the man. No radiological test was performed. His
fallen molars and premolars were not examined nor any other
aging factor was considered. The report Ext. M-5 is absolutely
silent in this matter and the witness Dr. Mukherjee has not
been able to throw any light on it. Thus in the Medical
Board's report Ext. M-5 there was no obvious ground to write
the age of Shri Rambrich Singh as 62 years on 1-1-76.

7. Perhaps this aspect of the report was clear to the manage-
ment, hence it did not spell out the retirement as normal be-
cause of the crossing of the age of superannuation by Shri
Rambrich Singh. The Office Order dated 28-11-76 spoke of
premature retirement only on the ground of unfitness to work.
Even then the fact that the Medical Board noted his age as
62 years on 1-11-1976 is sufficient to undermine its veracity
and force.

8. The report says that the general health of Shri Rambrich
Singh was quite poor, pulse rate and blood pressure were high
and there was immature cataract in both the eyes. So far as
the cataract is concerned, it had not affected the vision which
was reported as normal. Even after three years of that
report, the workman could read small letters of a diary before
me in the open court. Dr. Mukherjee MW-2 has stated that
in any case the use of the spectacles could make the vision
more clear so as to enable him to do the normal work. It is
alleged at the evidence stage by Sri Dubey MW-1 that the
workman could not write his report because of the defective
vision and he had to get it written from others. This state-
ment is not worthy of credence, firstly because the report
Ext. M-5 itself states that the vision was normal and secondly
because the workman has stated that there were two persons
working together as loading clerks and the report was pre-
pared by either of them jointly. Hence sometimes he prepared
the report himself while at other times the report was prepared
by his co-workers. Thirdly I had myself seen that he could
easily read and write. It is thus clear that vision could be no
ground for declaring him unfit for the work.

9. According to Medical Report the diastolic blood pres-
sure was 90 degree for a man of 47 years. It was very
slightly above the normal or almost within the normal range.
Even if it was a bit on the higher side it could be well be
brought back to normal after proper treatment. Sometimes

the blood pressure does rise because of temporary cause of mental anxiety etc. For giving a finding of hypertension blood pressure taken only once is not sufficient. A temporary rise in blood pressure comes down as soon as the temporary cause of anxiety etc. is removed. The man was sent to the Medical Board. He must be apprehensive that the report may go against him and may force his retirement. He must have grown anxious about the consequent problems and even that mental anxiety might have caused a temporary rise in blood pressure. Dr. Kukherjee MW-2 has stated that the blood pressure could be brought under control after proper treatment. Therefore the blood pressure could not be a cause to declare him permanently unfit for work.

10. General weakness could not be irremediable. Proper tonic could be prescribed. The workman had undergone a major operation in the Central Hospital, Dhanbad, to the knowledge of the management hardly 2 or 3 months ago. That weakness must have persisted but it could not be such as to declare him unfit for work because while being discharged from the hospital after operation he was given fitness certificate on the basis of which he had rejoined his duty hardly a month or two before he was sent to the Medical Board. He was looking quite smart and healthy when he appeared before me. He worked for about 20 days after the report of the Medical Board and there was no complaint in his working ever received either before or after the time when he was sent to the Medical Board. The job description given by him is un rebutted and there is nothing in the job description which he could not have performed.

11. His absence in May to August, 1976 was made an excuse for referring him to the Medical Board when Sri Lalmani Dubey MW-1 admitted (and it is obvious) that the management knew that he had been hospitalised during these months and had undergone a major operation. When he appeared before the Tribunal, he showed to me the long scar on the belly in open court.

12. Limping was yet another excuse searched out by Sri Dubey as the cause of his disability and the reason for referring the case to the Medical Board but according to the workmen this limping had existed for the last so many years without affecting his working capacity or efficiency. It does not figure in the report. It is thus obvious that the management searched one excuse or the other for sending the workman to the Medical Board the personnel on which was working under the thumb of the same management. Obviously a report of unfitness was obtained by the management, for some how pushing out the workman from service. The termination on the ground of unfitness of health was wholly unjustified.

13. It is alleged that Sri Rambrich Singh applied for gratuity amount before the appellate authority and accepted the same. This acceptance according to the management amounted to estoppel against him because he thereby accepted the fact of retirement. Once he was forced out of the service it was not possible for him to forego the retirement benefits which could be the only source on which he could bank upon after losing the benefits of monthly pay. No theory of estoppel will apply in industrial adjudication in such circumstances.

14. Now since he has crossed the date on which he would have retired, Sri Rambrich Singh shall be paid full back wages for the period from 20-11-76 to 1-7-79 and his retirement benefits shall be revised as if he actually retired on 1-7-79 and the difference if any shall also be paid to him. The management shall further pay Rs. 100 as costs to the union. Award is given accordingly.

[No. L-20012/83/78-D. III(A)]
S. N. JOHRI, Presiding Officer

S.O. 3161—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sudamdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited Post Office Sudamdih, District Dhanad and their workmen, which received by the Central Government on the 23rd August, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER SHRI S. N. JOHRI,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of
the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 46 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sudamdih
Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited,
Post Office Sudamdih, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri T. P. Choudhury, Advocate

For the Workmen.—Shri J. D. Lall, Secretary, Bihar
Colliery Kamgar Union, Dhanbad,

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

AWARD

Jabalpur, the 13th August, 1979

By Order No. L-20012/149/78-D. III(A) dated the 20th
November, 1978 the Government of India Ministry of Labour,
referred the following industrial dispute for adjudication :

"Whether the demand of the workmen of Sudamdih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Sudamdih, District Dhanbad that Shri Ajit Kumar Tiwary and Shri S.A. Aziz, Crane Operators should be placed in the scale of Crane Operator Grade A for Excavation Section of the Coal Wage Board Recommendation with effect from 15th August 1967 and of the National Coal Wage Agreement with effect from 1st January, 1975, is justified? If so, to what relief are the said workmen entitled?"

2. It is not disputed that Shri Ajit Kumar Tiwary and Shri S.A. Aziz were originally recruited on 30.5.62 and 1.2.63 respectively, as heavy vehicle driver in the central pay scale of Rs. 110-148 and were confirmed in that post. They were temporarily promoted as officiating crane operators on 7-6-1967 in corporation pay scale of Rs. 175-240. Thus when 15-8-67 the Coal Wage Board recommendations became effective their substantive post was of heavy vehicle driver but they were officiating temporarily as crane operators. On the implementation of Wage Board recommendations they were asked as substantive heavy vehicle driver to exercise their option for the corresponding wage board scale. They made representations that since they were holding the post of crane operators, they should be allowed to exercise option to the corresponding scale of crane operators.

3. The management did not concede to their request and they continued in the C.P.C. scale as they were. In the year 1970 they were on the bidding of the union offered the daily rated pay scale of Rs. 12-0.60-17 but they refused to accept the same claiming to be equated with the crane operators working in excavation scales. Later the management vide their letter No. GM(CJ) Pers/C-O/ot/77/18547-50 dated 1-6-77 offered to place them in grade C scale of technical Supervisory staff in N.C.W.A. scales which had come into force since 1-1-75 (442-22-618-29-734) which they accepted under protest.

4. Union's case is that wrong options were given to these two workers against which they had made representations. They very much wanted to exercise the options. There was no question of not exercising option in due time. They should have been fitted in the corresponding Wage Board scale of crane operators. Even when they were made to continue in C.P.C. scale the benefits Third Pay Commission were not given to them. They were in fact discriminated from the other crane operators who had been given the corresponding scale of crane operators Grade I.

5. Management's case is that the options were rightly given for the post which they held substantively and their case was distinguishable from the crane operators of the excavation section.

6. Para 7 of Section B of Chapter VIII of Wage Board recommendations say at page 61 that :—

"Monthly paid staff of N.C.D.C. who are at present governed by C.P.C. scales of pay,.....should be allowed to opt for the scales of pay and other service, Conditions, recommended by us for similar monthly rated staff in the private sector collieries. Such option shall be exercised within 12 months from the date of our recommendations come into effect. It should however be understood that the option once exercised shall be final and binding".

This provisions is silent as to what consequences shall follow if the option is not exercised within 12 months. Finality has been attached to the positive act of exercised option and not to its negative consequence arising from omission to exercise the same within 12 months. From this I conclude that the limitation of 12 months in only a directory provision and if for certain valid reasons it could not be exercised within the period so prescribed, it could still be allowed to be exercise. The documents show that the two workers were under confusion as to why options in the scale of heavy vehicle drivers were demanded from them when they were already working as crane drivers. They made such representations to which satisfactory reply was not given by the management in a language which they could understand. Hence they could not exercise the option.

7. There is strength in the view of the management that since on 15-8-67, they were holding the substantive post of Heavy Vehicle driver, the options of that scale were asked for. Had they opted to the corresponding Wage Board scale of the substantive post of heavy vehicle drivers, the management would have paid them wages of that corresponding Wage Board scale for fixing their substantive post salary and would have paid the difference of that scale and the suitable Wage Board scale of crane drivers available to them for determining their officiating pay

8. So far as the crane driver driving 25 tonne capacity crane as admitted in Ext. W-11 is concerned the corresponding scale was category 'C' scale of 12-0.60-18 vide para 14 of the Chapter (page 62) item C(ii) as Crane Operator Grade II the job description of which is as follows :—

"C(ii) Crane operator Grade II-A skilled workman with not less than 4 years experience in the operation and handling of heavy duty mobile cranes with capacity of not less than 20 tonnes"

As against that crane operator Grade I who falls in Category A should be handling a crane of not less than 40 tonnes. These workmen as said above were handling only 25 tonne cranes hence they could at best fall in the corresponding category of crane operator Grade II in the afore-said scale. The cases of other crane operators are distinguishable.

9 It is therefore held that these two workers namely Sri Aji Kumar Tiwari and Sri S. A. Aziz should be again given a chance to exercise their option in terms of the or on letters already given to them or the substantive post of heavy vehicle drivers. If they opt to wage board scales they shall be fitted in the corresponding Wage Board scale of heavy vehicle drivers with effect from 15-8-67 in their substantive post and then their officiating pay in the Wage Board scale of crane driver Grade 'C' shall be fixed according to the formula of fitment. Since the day they became confirmed they shall be deemed to have come in the crane driver Grade II Wage Board scale substantively. Since 1-1-75 they shall be suitable fixed in the corresponding National Coal Wage Agreement scale. Arrears arising from such revised fixation from the respective dates shall be paid to them. In case they opt back to C.P.C. scale then their

556 GI 79—8

present position of emoluments shall remain undisturbed. Their claim for crane operator Grade A is not tenable. Award is given accordingly

S. N. JOHRI, Presiding Officer.
[No. L-12012/149/78-D. III(A)]
S. H. S. IYER, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1979

कां०प्र० 3162.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित अधिकारियों को मुख्य खान निरीक्षक के पदों खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है, अर्थात् :—

- | | |
|---------------------------------------|----------|
| (1) श्री टी० सी० गुप्ता, | वर्ग "क" |
| कल्याण आयुक्त | |
| भारत सरकार, भीलवाड़ा क्षेत्र, | |
| भीलवाड़ा | |
| (2) श्री जी० पी० शर्मा | वर्ग "ख" |
| कल्याण प्रशासक | |
| कल्याण आयुक्त का कार्यालय, भारत सरकार | |
| भीलवाड़ा क्षेत्र, भीलवाड़ा | |

[का०सं०एस० 22025(1) 78 एम 3]
अगस्त 31, अगस्त सचिव

New Delhi, the 31st August, 1979

S.O. 3162.—In exercise of the powers conferred by section (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints the following officers to be Inspectors of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines, namely:—

- | | |
|-------------------------------------|-----------|
| 1. Shri T.C. Gupta, | Group 'A' |
| Welfare Commissioner, | |
| Government of India, | |
| Bhilwara Region, | |
| Bhilwara. | |
| 2. Shri G.P. Sharma, | Group 'B' |
| Welfare Administrator, | |
| Office of the Welfare Commissioner, | |
| Government of India, | |
| Bhilwara Region, | |
| Bhilwara. | |

[F.No. S22-025(1)/78-M.III]
JAGDISH PRASAD, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1979

कां०प्र० 3163 —केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैमर्स मिगरेली कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, बेलमपल्ली, डिबीजन नं० 1, डाकखाना बेलमपल्ली, आन्ध्र प्रदेश के प्रबंधन से संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निश्चित करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधि-

करण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० सदासिव रेड्डी होंगे, जिसका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के विषे निरुक्त करती है।

अनुसूची

क्या मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, बेलमपल्ली, डिबिजन 1 के प्रबंधन की श्री एस० धानीशा की शाट फायरर के ग्रेड में मजदूरी निर्धारित करते समय उनकी पिछली सेवा को बेटेज न लेने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है।

[फा०सं०एस०21012(1) 79-डी०4(बी)]

शशि भूषण, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 23rd August, 1979

ORDER

S.O. 3163.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division No. 1, Post Office Bellampalli, Andhra Pradesh and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clausd (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (1 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. Sadasiva Reddy shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refer the said dispute for adjudication to the said Tribunal

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division I is not giving weightage of past service while fixing the wages of Shri S. Thanesha, in the grade of Shotfirer is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[F. No. L-21012(1)/79-D.I(B)]

SHASHI, BHUSHAN, Desk Officer.

का०घा० 3164.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 5, उप-खण्ड (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा घोषणा करती है कि शा० राम कृपाल सिंह इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्य नहीं रहेंगे।

[सं० यू 16012/4/79 एच०आई०]

S.O. 3164.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby declares that Dr. Ram Kripal Sinha shall cease to be a Member of the Employees' State Insurance Corporation with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. U-16012/4/79-HI]

का०घा० 3165.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 5, उप-खण्ड (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा घोषणा करती है कि श्री जगदम्बी प्रसाद पावब इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से कर्मचारी राज्य बीमा निगम के उपाध्यक्ष नहीं रहेंगे।

[सं० यू 16012/4/79-एच०आई०]

S.O. 3165.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby declares that Shri Jagdambi Prasad Yadav shall cease to be Vice-Chairman of the Employees' State Insurance Corporation with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. U-16012/4/79-HI]

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

का० घा० 3166.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 2 सितम्बर, 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) के उपबन्ध उड़ीसा राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:

“तहसील तथा जिला बालासोड में भाषकरगंज, सहदेवकुण्डा, बागबन्धाबान, सुएलपुर, मोतीगंज, गणेशवरपुर, श्री कण्ठापुर, जवतुर, गंगारगाविया, माकुपुर, राजस्व ग्रामों के अन्तर्गत क्षेत्र।”

[सं० एस०-38013/10/79-एच०आई०]

New Delhi, the 1st September, 1979

S.O. 3166.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 2nd September, 1979 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Orissa, namely:—

“The areas within the revenue villages of Bhaskarganj, Sahadebakhunta, Bagbrundaban, Suelpur, Motiganj, Ganeswarapur, Srikhantapur, Jadpur, Angargadia, Alupur, Srikhantapur, Jadpur, Angargadia, Alupur, in Tehsil and District Balasore”.

[No. S-38013/10/79-HI]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1979

का० घा० 3167.—प्रसूति प्रवृत्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 53) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, धना पत्थर तथा डोलोमाइट खान अधिक कल्याण संगठन के उन अधिकारियों को जिनके नाम नीचे दी गई तालिका के कालम दो में दिए गए हैं, साईम स्टोन और डोलोमाइट खानों के सम्बन्ध में उक्त तालिका के कालम तीन में उल्लिखित राज्यों को स्थानीय सीमा में, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है:—

तालिका

क्रमांक	अधिकारी का पद	स्थानीय सीमा
1.	सहायक कल्याण प्रशासक, जबलपुर	मध्य प्रदेश राज्य
2.	सहायक कल्याण प्रशासक, रायपुर	महाराष्ट्र राज्य और गोवा संघ राज्य क्षेत्र।

[सं० एस०-38013/2/79-एच०आई०]

New Delhi, the 3rd September 1979

S.O. 3167.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Maternity Benefit Act, 1961 (53 of 1961), the Central Government hereby appoints, the officers of the Lime

Stone and Dolomite Mines Labour Welfare Organisation specified in column (2) of the Table below, as Inspectors for the purpose of the said Act, in respect of Lime Stone and Dolomite mines, with local limits of jurisdiction specified against each of them in column (3) of the said table.

TABLE

Sl. No.	Designation of the officer.	Local limits of jurisdiction
1.	Assistant Welfare Administrator, State of Madhya Pradesh. Jabalpur.	
2.	Assistant Welfare Administrator, State of Maharashtra and the Union Territory of Goa. Raipur.	

[No.S-36013/2/79-HI]

का० प्रा० 3168 :—राजस्थान राज्य सरकार में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 43) की धारा 10 की उपधारा (1) खण्ड (घ) के अनुसरण में डॉ० बी० एन० सक्सेना के स्थान पर डॉ० आर० आर० पुरोहित, अपर निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना राजस्थान सरकार, जयपुर, को शिक्षित प्रसुविधा परिपक्व में उस राज्य से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 2980, दिनांक 26 जुलाई, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(संशोधित राज्य सरकारों द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट)” शीर्षक के नीचे अब 19 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“डॉ० आर० आर० पुरोहित, अपर निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, राजस्थान सरकार, जयपुर।”

[सं० 1602/1/78-एच० आई०]

S.O. 3168.—Whereas the State Government of Rajasthan has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. R. R. Farohit, Additional Director, Employees' State Insurance Scheme Government of Rajasthan, Jaipur, to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr. B.B.L. Saxena;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2980, dated the 26th July, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of section 10)” for the entry against item 19, the following entry shall be substituted, namely :—

“Dr. R. R. Purohit, Additional Director Employees' State Insurance Scheme Government of Rajasthan, Jaipur.”

[No. U-16012(I)/78-H.I.]

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1979

का० प्रा० 3169.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जया श्री कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड, डाकघर रिश्रा जिला हुगली पश्चिमी बंगाल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की

सहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017/41/79-पी० एफ० 2(i)]

New Delhi, the 4th September, 1979

S.O. 3169.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jaya Shree Co-operative Store Limited, Post Office Rishra, District Hooghly, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1979.

[No. S. 35017/41/79-PF-II (i)]

का० प्रा० 3170 :—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 मार्च, 79 से मैसर्स जया श्री कोऑपरेटिव स्टोर्स लिमिटेड, डाकघर रिश्रा, जिला हुगली, पश्चिमी बंगाल नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[का० सं० 35017/41/79-पी० एफ० 2(ii)]

S.O. 3170.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of March, 1979 the establishment known as Messrs Jaya Shree Co-operative Stores Limited, Post Office Rishra, District Hooghly, West Bengal, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/41/79-PF-II(ii)]

का० प्रा० 3171 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिस्त्री शामजी मालजी खोखावाला, वाडले इण्डस्ट्रियल एस्टेट, प्लॉट नं० ए-278, रोड नं० 16ए, ठाना-400604, जिसके अन्तर्गत अम्बेगाँव भवन, 115, डा० अम्बेकर गेड, पारेल, मुम्बई-12, स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/77/79-पी० एफ० ii]

S.O. 3171.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mistry Shamji Malji Khokhawala, Wagle Industrial Estate, Plot No. A-278, Road No. 16-A, Thana-400604 including its office at Umbergaon

Building, 115, Dr. Ambedkar Road, Parel, Bombay-12 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No S-35018/77/79-PF II]

का० प्रा० 3172—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इलेक्ट्रोमैक इण्डस्ट्रीज, 27/28, न्यू एम्पायर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पहला फ्लोर, जे० बी० नगर, कोडी बिटा रोड, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-59 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/78/79—पी.एफ० 2]

S.O. 3172.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Electromac Industries, 27/28, New Empire Industrial Estate, 1st Floor, J B Nagar, Kondivita Road Andheri (East), Bombay 59, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S 35018/78/79 PF.II]

का० प्रा० 3173—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि जलधर को-ऑपरेटिव प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग सोसाइटी लिमिटेड नेहरू गार्डन रोड, जलधर शहर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/120/79-पी० एफ० 2]

S.O. 3173.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Jullundur Co-operative Printing and Publishing Society Limited, Nehru Garden Road, Jullundur City, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1979.

[No S-35019/120/79-PF.II]

का० प्रा० 3174—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एक्ससेलसर प्लांट्स कारपोरेशन लिमिटेड, एम-ब्लॉक, सेक्टर 2, पासी रोड, एन० घाई० टी०, फरीदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/233/79-पी० एफ० 2]

S.O. 3174.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Excelsior Plants Corporation Limited, M-Block, Sector 2, Paf Road, NIT Faridabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1975.

[No S 35019/233/78-PF. II]

का० प्रा० 3175—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री सधिल कुमार झा हाउस, कोयम्बतूर रोड, एल० एन० एस० पोस्ट, कर्नूर, त्रिची जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जून, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/133/79-पी० एफ० 2]

S.O. 3175.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Santhul Kumar Dye House, Coimbatore Road, L.N.S. Post, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1975.

[No S 35019/133/79-PF. II]

का० प्रा० 3176—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि इमारमपक्कम को-ऑपरेटिव मिर्क सलार्स सोसाइटी लिमिटेड, टी० पी० मो० 44, धर्मास्पक्कम पोस्ट, आर्कोट तालुक, उत्तरी आर्कोट,

नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/137/79-पी०एफ० 2(1)]

S.O. 3176.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Damarampakkam Co-operative Milk Supply Society Limited, T.P.O. 44, Dharmarapakkam Post, Arcot Taluk, North Arcot, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35019/137/79-PF. II(i)]

का० धा० 3177.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1978 से मैसेर्स दि डमरामपक्कम कोऑपरेटिव मिल्क सप्लाय सोसाइटी लिमिटेड, टी०पी०ओ० 44, धरमारपक्कम पोस्ट, आर्कोट तालुक, उत्तरी आर्कोट, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[फा० सं० एस०-35019/137/79-पी०एफ०-2(2)]

S.O. 3177.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1978 the establishment known as Messrs The Damarampakkam Co-operative Milk Supply Society Limited, T.P.O. 44, Dharmarapakkam Post, Arcot Taluk, North Arcot, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/137/79-PF. II(ii)]

का० धा० 3178.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स डालमियापुरम एम्प्लाइज कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, डालमियापुरम, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/134/79 पी० एफ० 2(i)]

S.O. 3178.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dalmiapuram Employees Co-operative Bank Limited, Dalmiapuram,

have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1978.

[No. S. 35019/134/79-PF. II(i)]

का० धा० 3179.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मई, 1978 से मैसेर्स डालमियापुरम एम्प्लाइज कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, डालमियापुरम, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[फा० सं० एस०-35019/134/79-पी० एफ० 2(2)]

S.O. 3179.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1978 the establishment known as Messrs Dalmiapuram Employees Co-operative Bank Limited, Dalmiapuram for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/134/79-PF. II(ii)]

का० धा० 3180.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स वेल्लाकेट्टी विलेज कोऑपरेटिव एग्रिकल्चरल क्रेडिट सोसाइटी, पाल्लीवाडी डाकघर, कन्याकुमारी जिला, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/140/79-पी०एफ०-2(1)]

S.O. 3180.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vellaketty Village Co-operative Agricultural Credit Society, Palliyadi Post Office, Kanyakumari District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S. 35019/140/79-PF. II(i)]

का० धा० 3181.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1978 से मैसेर्स वेल्लाकेट्टी विलेज कोऑपरेटिव एग्रिकल्चरल क्रेडिट सोसाइटी, पाल्लीवाडी डाकघर, कन्याकुमारी जिला, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[फा० सं० एस०-35019/140/79-पी०एफ०-2(2)]

S.O. 3181.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1978 the establishment known as Messrs Vellaketty Village Co-operative Agricultural Credit Society, Palliyadi Post Office, Kanyakumari District, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/140/79-PF. II(ii)]

कां.भा. 3182.—केन्द्रीय सरकार, को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि स्टैंडर्ड फायरवर्क्स इण्डस्ट्रीज, फैक्टरी सं० 111, विजयारंगपुरम, थाईलपट्टी, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस०-35019/142/79-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 3182.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Standard Fireworks Industries, Factory No. III, Vijayarangapuram, Thailpatti, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1977.

[No. S-35019/142/79-PF. II(i)]

कां.भा. 3183.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम पञ्चुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1977 से मैसर्स दि स्टैंडर्ड फायरवर्क्स इण्डस्ट्रीज, फैक्टरी सं० 3, विजयारंगपुरम, थाईलपट्टी, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ट करती है ।

[का० सं० एस०-35019/142/79-पी०एफ०-2(2)]

S.O. 3183.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the Matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1977 the establishment known as Messrs The Standard Fireworks Industries, Factory No. III Vijayarangapuram Thailpatti, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019/142/79-PF. II(ii)]

कां.भा. 3184.—केन्द्रीय सरकार, को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि हिन्द मोचिस लिमिटेड, एबुदयापुरम नया सत्तूर, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस०-35019/143/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3184.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs the Hind Matches Limited, Avudayapuram, via Sattur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1977.

[No. S-35019/143/79-PF. II]

कां.भा. 3185.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए० एम० धर्मालिङ्गम् एंड सन्स, मैन्युफैक्चर्स ऑफ हेंडलूम सिल्क साडीज, 2ए मुन्दरा मुडली स्ट्रीट एनी, उत्तरी आकोट, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस०-35019/144/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3185.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A. M. Dharmalingham and Sons, Manufacturers of Handloom Silk Sarees, 2A, Sundara Mudali Street, Arni, North Arcot, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S-35019/144/79-PF. II]

कां.भा. 3186.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री वेल्मूरुगाव ट्रान्सपोर्ट्स, 20, मुख्य सड़क, सत्तूर, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस०-35019/146/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3186.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Velmurugaon Transports, 20, Main Road, Sattur, have agreed that the provisions

of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies have provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S-35019/146/79-PF. II]

कां०सा० 3187—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सरकार प्रिंटिंग प्रेस, 271 गुड्स शेड स्ट्रीट, मदुरै 1, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस०-35019/148/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3187.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sankar Printing Press, 271, Goods Shed Street, Madurai-1 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies have provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S-35019/148/79-PF. II]

कां०सा० 3188—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कुथानूर कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटी लिमिटेड पुन्थोट्टम, मन्नीलम, टी० के० थानजावूर, जिला नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एस०-35019/156/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3188.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kuthanur Co-operative Marketing Society Limited, Punthottam, Mannilam, T.K., Thanjavur District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies have provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1977.

[No. S-35019/156/79-PF. II]

कां०सा० 3189.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोरदाचेरी कोऑपरेटिव मार्केटिंग सोसाइटी लिमिटेड, कोरदाचेरी, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये -

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं०एस०-35019/158/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3189.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Koradacherry Co-operative Marketing Society Limited, Koradacherry, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies have provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S-35019/158/79-PF. II]

कां०सा० 3190—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थारुके० बी इण्टरप्राइजेज, (अपस्टैयर्स), 72-75, नार्थ कार स्ट्रीट, तीरुनेलवेली-6, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 सितम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं०एस० 35019-160/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3190.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs R. K. V. Enterprises, (upstairs), 72-75, North Car Street, Tirunelveli-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies have provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1977.

[No. S-35019/160/79-PF. II]

कां०सा० 3191—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी०एम० वरुणन्त विजिय फीक्टरी, 41, प्रधानमनम रोड, कन्नूर, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एम०-35019/164/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3191.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment as Messrs P. M. Karuppannan Weaving Factory, 41, Pradhakshnam Road, Karur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the 1st day of May, 1976.

[No. S-35019/164/79-PF. II]

का०आ० 3192.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विष्णुनाथ निटिंग कम्पनी, 15, मैरियाम्मन कोइल स्ट्रीट, पोस्ट बॉक्स नं० 127, कारूर, त्रिची जिला, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्य इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अधिष्य निधि और प्रकृर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एम०-35019/167/79-पी०एफ०-2]

S.O. 3192.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Viswanath Knitting Company, 15, Mariamman Koil Street, Post Box No. 127, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the 1st day of September, 1976.

[No. S-35019/167/79-PF. II]

का०आ० 3193.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स देवराज टेक्स्टाइल्स, न्यू स्ट्रीट, कारूर, त्रिची, नाम स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्य इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अधिष्य निधि और प्रकृर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1 मितम्बर 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं० एम०-35019/132/79-पी०एफ०-2]

हंसराज छाबड़ा उपा-मणिय

S.O. 3193.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Devaraj Textiles, New Street, Karur, Trichy, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the 1st day of September, 1975.

[No. S-35019/132/79-PF. II]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

New Delhi, the 1st September, 1979

S.O. 3194.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising Contractor of Ghatkuri Iron Ore Mine of M/s. Rattanlall Tarachand, P.O. Barbil, District Keonjhar and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd August, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER SHRI S. N. JOHRI,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
NO. 1 DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 28 of 1975

PARTIES :

Employers to Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising Contractor of Ghatkuri Iron Ore Mines of Messrs Rattanlall Tarachand, Post Office Barbil, District Keonjhar.

AND

Their Workmen.

APPEALANCES :

For the Employers—None.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Iron Ore Mines.

AWARD

Jabalpur, the 13th August, 1979

This is a reference made by the Government of India, in the Ministry of Labour vide its Order No. L-26011/19/74-I.R. IV/D-IV(B) dated 21-7-75, for the adjudication of the following industrial dispute :

1. Whether the action of Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising Contractor of Ghatkuri Iron Ore Mines of Messrs Rattanlall Tarachand, Post Office Barbil, District Keonjhar in paying @Rs. 2.75 and Rs. 2.50 per box 4' 3-1/2X5' 3-1/2X13 or 25 Cubicfeet of Iron Ore raised, to the miners employed by him, keeping in view the recommendations of the Central Wage Board for Iron Ore Mining Industry is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?
2. Whether the action of Shri Kamaljit Singh Ahluwalia, Raising contractor of Ghatkuri Iron Ore Mines of Messrs Rattanlall Tarachand, Post Office Barbil, District Keonjhar in paying as wages @Rs. 3 per day to Shri Dhamesh Naik, Water Carrier, @Rs. 3.50 per day Shri Ratho Champia, Machine Drillor and Rs. 3 per day to Shri Jogen, Chowkidar and @Rs. 45 per week to Shri Gurua, Compressor Driver, keeping in view the recommendations of the Central Wage Board for Iron Ore Mining Industry is justified? If not, to what relief are the concerned workman entitled?"

2. It is not disputed that Ghatkuni Iron Ore mines of M/s. Rattanlal Tarachand are being operated by Sri K. S. Ahluwalia raising contractor. He had engaged about 400 workers for operating the mines. There is no plea that Wage Board recommendations for iron ore mining industry which came into force from 1st January 1967 were accepted or implemented in these mines by the owner or by the raising contractor.

3. The case of the union is that in September—October 1974 the miners in these mines were paid @ Rs. 2.75 per box of 4'3-1/2"X5'3-1/2"X13=25 cft which holds 1-1/2 tonnes of ore when according to the Wage Board recommendations in the context of rise in consumer price index the payment should have gone upto Rs. 7.98. Thus the wage rate per tonne should have been Rs. 5.32 in September—October 1974. In June 1976 their wages were being paid @ Rs. 3 for 1-1/2 tonne box. Their earnings thus fall short of the prescribed minimum wage. The rates have not been revised by the contractor in spite of rise in consumer price index.

4. Dhanesh Nalk and Jogen Chawkidar were retrenched after the reference. They were being paid @ Rs. 3 per day. Similarly Gurua was retrenched. He was being paid @ Rs. 45 per week. Sonia Champia was also being paid at the same rate but his rate was thereafter increased to Rs. 4 per day. The owner and the contractor were given relief in iron ore rates by N.M.D.C. but the relief or even a part of it was not passed on to the workers.

5. Management's case is that the reference was bad in law because the dispute was never raised with the management. No industrial dispute could come into existence merely by raising it for the first time before the A.L.C. The dispute about the individual workers named in the dispute was only an individual dispute and not an industrial dispute hence it could not be referred. The union had no representative capacity. These named workers were not its members. No resolution to raise such dispute was ever passed and the individually named workers never authorised the union to sponsor their cases. On merits the plea of the raising contractor was that the miners were being paid at a higher rate than alleged. The size of the box is disputed. The box used holds only 20 cft or one tonne ore. Similarly except those who were no more on the rolls the others were being paid at better rates. Over and above that the workers were provided free housing accommodation. The miners were also being paid for earth cutting and their normal wages were much more than what were recommended by the Wage Board. They were getting more than the prescribed minimum wage.

6. In his order dated 10-12-1976 my predecessor in office very clearly observed that the dispute about individual workers raised in the second part of the schedule of reference was also an industrial dispute because it was raised by a union. The dispute about the wages of the miners was by its very nature an industrial dispute because it affected the whole class. These observations settle the legal objection raised by the management on this point.

7. A point not pleaded was argued by the contractor lawyer Sri Lath and it was held by me in the order dated 9th August 1978 that there was relationship of employer and employee between the raising contractor and the labourers employed by him. Hence the basic requirement for an industrial dispute was not missing. By that very order it was concluded that even if the dispute was not directed raised with the management, the industrial dispute did come into existence when on receiving a notice the management participated in conciliation proceedings which ultimately failed. The reference could not therefore be thrown out on these points.

8. The management's plea that the union had no representative capacity, the individual workmen were not its members, they never authorised the union to take up their case and no resolution authorising sponsoring of the dispute was ever passed, are not proved. The dispute was raised by the union before the conciliation officer. He was convinced that the union had the representative capacity and all necessary formalities were complete for empowering it to raise a valid industrial dispute because otherwise he could have acquired no jurisdiction to enter into conciliation and submit a failure report. Either the management failed to raise that objection before A.L.C. or the A.L.C. did not find any substance in these pleas. The Government was also convinced of the representative capacity of the union and the completion of other formalities

that is why it made the reference at the instance of the union. After losing the point at two prior stages the management was under a heavy burden to prove the plea which it so raised before this Tribunal. The union filed membership lists, vouchers for payment of membership fee etc. They have not been proved but their formal proof would have been material only if the union discharged its initial burden to show that the plea so raised had some prima facie substance. As in spite of giving repeated opportunity neither party has adduced evidence it is decided on the basis of burden of proof that the plea so raised by the management has not been established.

9. On merits the burden to prove of lack of financial capacity was on the management. It did not care to even file the necessary documents. I had advised Sri Nair, who appeared on behalf of the management, to file wage sheets showing what payment was being made at what time, profit and loss accounts, rise or fall in raising and expenses due to rise in transport costs etc., the relief given in the purchase price of iron ore by N.M.D.C. and comparative wage rates prevailing in the comparable concerns in that region. Not only those documents were not produced but even Sri Nair did not care to attend to show his inability or for praying for further time on account of circumstances if any beyond his control. It is about a month since the last date of hearing when I closed the case. Even an application for adjournment expressing difficulties has not been received till today. From all this I am inclined to presume that the raising contractor has no evidence to support his plea of financial incapacity to pay wages according to wage board recommendations. The management has failed to discharge its burden in this respect. No dates have been produced to show that in the comparable concerns of the region wages are not being paid at the rates prescribed in Wage Board recommendations. Under the circumstances there is no reason why the management should not be ordered to pay wages at the rates prescribed by the Wage Board.

10. It is therefore held that the raising Contractor Sri Ahluwalia should pay wages to the miners at the rates prescribed by the Wage Board Recommendations giving proportionate rise of 5 paise per day in wage with 10 point rise in consumer price index. The award shall be effective from the date of reference as the management has by its non-cooperation and further by raising frivolous legal objections delayed the disposal of this case. The difference in past wages shall be paid within six months of the publication of this award. As for the workmen named in the second part of the reference, they shall be paid the minimum prescribed wages and the arrears on that account shall be paid to them from the date of reference within six months of the publication of the award, even to those who have been retrenched meanwhile. Award is given accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-26011/19/74-LR. IV/D III B]

S.O. 3195.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in respect of complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri Birda and five other workmen of Jaipur Silica Supply Co., Jhir Silica Sand Mine Jaipur, which was received by the Central Government on the 18th August, 1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 64 of 1978

In Re :

1. Birda son of Bahirum
2. Birda son of Rewar Meena
3. Manphooli wife of Birda Kumhar
4. Barji daughter of Heera Meena
5. Prabhati wife of Mahadev Nai
6. Govinda son of Mangala Meena
All through the General Secretary,
Jaipur Zila Silica Khan Mazdoor
Union, Dausa.

... Complainants.

Versus

Jaipur Silica Supply Co.,
Jhir Silica Sand Mine,
Johri Bazar,
Jaipur-3.

.... Respondent

PRESENT :

Shri Prem Kishan—for the Workmen.
Shri D. P. Sharma—for the Management.

AWARD

By this order I propose to dispose of petition u/s 33-A of the I.D. Act, 1947 which has been registered as I.D. No. 64 of 1978. The petition has been filed by Birda and five other workmen of Jaipur Silica Supply Co., Jhir Silica Sand Mine, Jaipur on the allegations that all these workmen have been retired from service in contravention of provisions of Section 33 of the I. D. Act, 1947 during the pendency of an Industrial Dispute I. D. No. 140 of 1977.

2. The application has been opposed on behalf of the Management inter alia on the ground that there has not been any violation of Section 33 and as such a petition u/s 33-A is not maintainable.

3. Upon these pleadings of the parties the following issues were framed :

1. Whether the retirement of the workmen-applicants is in violation of Section 33 of I. D. Act.
2. Relief.
4. After these issues were framed following statement of counsel for the parties was recorded on 13th July, 1979 :

Statement of Shri Prem Kishan and Shri D. P. Sharma, Advocates for the parties.

'The question whether the provisions of S. 33A are attracted is a legal question to be decided on the face of the order of reference and copy of the award. So no evidence is sought to be led. Whether the age is superannuation or as stated by the workman. Arguments be heard only.'

5. After giving my considered thought to the matter before me I have come to the following findings :

6. The contention of the workman is that these workmen were working as labourers and a reference u/s 10 of the I. D. Act was pending as I. D. No. 140/77 before this Tribunal but the services of these workmen were terminated w.e.f. 6-3-78 by way of alleged retirement by the Management, in violation of Section 33 and hence this petition. It is urged on behalf of the Management that the petition u/s 33-A is not maintainable in as much as Section 33 was not attracted.

7. The Management has filed a copy of the order of reference dated 22-6-77 which is on record. The Management has also filed a copy of the award of this Tribunal in I. D. No. 140/77. From the perusal of the order of reference I find that the dispute referred was as follows :

'Whether the demands of workman of Jhir Silica and Raising Mine of M/s. Jaipur Zila Silica Company, Johri Bazar, Jaipur run by M/s. Surendra & Surendra raising Contractor are justified :

- (a) for increase in minimum wages for unskilled, semi-skilled and skilled workmen.
- (b) for linking of wages with cost of living index number as stipulated in Mathur Committee recommendations.

2. If so, what increase and from what date and to which index number the wages be linked.'

This cannot be denied that these workmen were workmen of the Jaipur Zila Silica Company. Question is whether in spite of the fact these workmen were of the Jaipur Zila Silica Company the provisions of Section 33 were

attracted. It is admitted by the workmen in para 3 of their statement of claim that their services have been terminated by way of alleged retirement. It is further contended that the workmen had not in fact reached the age of retirement but still they had been superannuated. Even otherwise they have filed copies of various orders passed in this behalf by the Management. These orders are on record and are dated 1st February, 1978 and are in the nature of notice and read that as per office records the respective workmen had crossed the age of superannuation therefore they were retired from service. This being the position of fact, let us examine the position of law.

8. From the perusal of Section 33 of the I. D. Act we find that section 33 was not attracted by case of the workman so as to enjoin upon the Management to seek previous permission of this Tribunal before retiring these workmen. From the perusal of Section 33 (1) (a) of the I. D. Act we find that to attract the provisions of Section 33 it was essential that alteration should relate to the condition of service connected with the matter in dispute in the reference. By no stretch of imagination it can be said that the retirement related to the matter concerned with the dispute referred in I. D. No. 140/77. Similarly from the perusal of Sec. 33-1(b) also it can not be said that retirement of the workmen was for any misconduct connected with the dispute or was a discharge or punishment of these workmen. These workmen have been ordered to be retired simply because according to the Management they had reached the age of superannuation. That being the position it cannot be said that the provisions of Sec. 33 are attracted by this case of the workmen.

9. Section 33 is limited in its scope and would not and cannot include retirement. If the workmen feel aggrieved against their retirement on the allegation that the Management had no power to retire or on the ground that they had not reached the age of superannuation it shall be open to them to seek their remedy through a reference u/s 10 and they cannot have recourse to Section 33-A of the I. D. Act, 1947. In this connection reference may be made to Mohini Sugar Mills Ltd. Vs. A. Hasan-1962(2) LLJ-389 and T. G. Rao Vs Glanders Arbuthnot and Co. Ltd. 1964(9)FLR-414 which deal with almost identical proportion.

10. In view of my discussions above, I hold that Sec. 33 was not attracted and no permission was necessary before the workmen could be retired and in consequence it follows that Sec. 33-A is not available to these workmen and hence issue no. 1 is decided in favour of the Management and against the workmen.

ISSUE NO. 2

In view of my findings on issue no. 1 I have come to the conclusion that the workmen are not entitled to any relief in this petition. If the workmen feel aggrieved against their retirement on the ground that it was wrongful it would be open to them to seek the reference of this matter as an Industrial Dispute u/s 10 of the I. D. Act, 1947 by the appropriate Govt. to this Tribunal. In the peculiar circumstances of the case the parties are left to bear their own costs.

Dated : the 2nd August, 1979

Further Awarded :

The requisite to number of copies of this award may be sent to the appropriate Govt. for necessary action at their end.

[No. L-29014/2/79-D.III.B]

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

New Delhi, the 5th September, 1979

S.O. 3196.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employer in relation to the management

of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st August, 1979.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, J. P. SINGH,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
(NO. 2) DHANBAD

Reference No. 50 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d)
of the Industrial Disputes Act, 1947.

BETWEEN

PARTIES :

Employers in relation to the management of Mosaboni
Mines of Indian Copper complex of Messrs Hindus-
tan Copper Limited, Post Office Mosaboni Mines,
District Singhbhum

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri A. K. Sarkar, Advo-
cate.
On behalf of the workmen—Shri A. K. Mishra, Advo-
cate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Copper.

AWARD

Dhanbad, 16th August, 1979

The Government of India, Ministry of Labour is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited, Post Office Mosaboni Mines, District Singhbhum and their workmen. Accordingly they, by order No. L-43011/2/75-D-IV(B) dated 10th November, 1975 referred the said dispute to the Central Government Industrial Tribunal (No. 3) Dhanbad, under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication with the following issue framed :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Mosaboni Mines of Indian Copper Complex of Messrs Hindustan Copper Limited, Post Office Mosaboni Mines, District Singhbhum in dismissing Shri Abdul Hussain, M. C. Handelman, Surda, with effect from 10-3-1975 was justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its order No. S-11025(2)/79-D-IV(B) dated 22-6-1979 transferred the above reference to this Tribunal for further adjudication in the matter. After receipt of the reference both the parties filed their written statements, and the Central Government Industrial Tribunal (No. 3) Dhanbad gave its order also on the preliminary point raised on behalf of the employers. Later on when the case was fixed for hearing in this Tribunal on 6-8-1979, both the parties filed a memorandum of settlement on that date incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. I have heard the parties on the memorandum of settlement and it is prayed before me that an award may be passed in terms of the settlement as filed. Since the terms of the settlement are beneficial to the parties in dispute, I pass the Award in terms of the memorandum of settlement which do form a part of the Award as Annexure A.

ANNEXURE 'A'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

Rule-58

Memorandum of Settlement arrived at in between the Management of Hindustan Copper Limited, Indian Copper Complex and Shri Abdul Hussain, Machine Handelman, Mosabani Group of Mines, in the matter of Reference No. 17/76—(New 50/79)

Representing the Management :

1. Shri K. K. Vidyarthi, Chief Personnel Manager, Hindustan Copper Limited, Indian Copper Complex, Moubhandar.
2. Shri S. K. Sharma, Personnel & Administrative Manager, Hindustan Copper Limited, Indian Copper Complex Mosaboni Mines.
3. Shri S. N. Mishra, Law Officer, Hindustan Copper Limited, Indian Copper Complex, Mosaboni Mines.

Representing the Workman :

1. Shri Abdul Hussain.

SHORT RECITAL OF THE CASE

Shri Abdul Hussain was dismissed on 10-3-1975 from Surda Mine for inciting the workers to go on illegal strike which constituted flagrant misconduct under Clause 9(ii) of the Certified Standing Orders of the Company consequent upon a domestic enquiry held in the matter with due compliance with the principles of natural justice. Thereafter the matter was taken up in conciliation and ended in failure. Shri Abdul Hussain approached the management to settle up the matter through mutual negotiations. After a prolonged discussion, both the parties agreed on the following terms :—

Terms of Settlement :

1. That Shri Abdul Hussain will be given a fresh employment in the category of Machine Handelman CM IX with (initial pay) at any mine of the Mosaboni Group of mines provided he reports for duty on or before 16th August, 1979.
2. That the workman concerned has regretted for the incident which led to his dismissal.
3. That Shri Abdul Hussain assured good conduct in future.
4. That the workman concerned will not be paid any wages/compensation for the period of unemployment i.e., from the date of his dismissal to the date of resuming fresh employment.
5. That Shri Abdul Hussain agreed to withdraw the case pending before the Tribunal by filing a copy of the Settlement and praying for passing award on terms of this Settlement.
6. That by virtue of this settlement, the matter arising out of the dismissal of the concerned workman stands settled fully and finally.
7. That in case of any dispute regarding interpretation of the terms of Settlement, the same shall be referred to the General Manager, whose decision therein shall be final and binding.

Sd/-

ABDUL HUSSAIN

Sd/-

1. K. K. VIDYARTHY

Sd/-

2. S. K. SHARMA

Sd/-

3. S. N. MISHRA

Witnesses :

1. Sd/- illegible

2. Sd/- illegible

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-43011/2/75-D-IV(B)/D-III(B)]

A. K. ROY, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1979

सीमा-शुल्क

का०मा० 3197.—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 75/75-सीमाशुल्क, तारीख 3 जुलाई, 1975 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी में, क्रम सं० 4 के सामने, स्तंभ 3 में, प्रविष्टि (X) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(X) प्रेशर ट्रांसड्यूसर्स और उनके पुर्जे।”

[अधिसूचना सं० 188/79-सीमाशुल्क/का०सं० 481/19/79-सीमाशुल्क-VII]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 15th September, 1979

CUSTOMS

S.O. 3197.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962),

the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 75/75-Customs dated the 3rd July, 1975, namely:—

In the Table to the said notification, against Serial No. 4, in column 3, for entry (x), the following entry shall be substituted, namely:—

“(x) Pressure Transducers and parts thereof.”

[Notification No. 188/79-Customs/F. No. 481/19/79-Cus. VII]

का०मा० 3198.—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 7 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बंगलूर विमान पत्तन को इलेक्ट्रॉनिकी उपकरण, उनके फालतू पुर्जों और संघटकों को उतारने के लिए सीमाशुल्क विमान पत्तन के रूप में नियत करती है।

[अधिसूचना सं० 189/सीमाशुल्क का०सं० 481/19/79-सीमाशुल्क-VII]

एन० कृष्णामूर्ति, प्रवर सचिव

New Delhi, the 15th August, 1979

S.O. 3198.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of section 7 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby appoints Bangalore Airport as customs airport for the unloading of Electronic Equipment, Spare Parts and Components.

[Notification No. 189/Customs/F. No. 481/19/79-Cus. VII]

N. KRISHNAMURTHY, Under Secy.